सिद्ध निर्बलता के द्वारा सिद्ध सामर्थ

मित्रों, सुबह। इस बरसात, बर्फीली, मिली–जुली सुबह में फिर से बाहर निकलना अच्छा लग रहा है। यह जानते हुए कि आप में से बहुतों को दूर से आते हुए गाड़ी चलाने में काफी समय लगा होगा। और हमारे पास कुछ... ये बहुमूल्य मित्र हैं जो शिकागो और अलबामा से आते हैं और जॉर्जिया और टेनेसी और इलिनॉय और हर कहीं से, इन दिनों में, सो हम... भरोसा करते हैं कि जब आप यात्रा करते हैं तो परमेश्वर आपको उसकी सुरक्षा दे। और यह हमारी प्रार्थना है कि वह मार्ग में आपकी रक्षा करे, इन खतरनाक रास्तों पर जब वे ठंड के समय में फिसलन भरी हो जाती हैं। और यह सर्दियों के समय में बहुत ख़राब देश है। यह सबसे सुंदर देश होता है जो वहां बसंत या पतझड़ के समय में होता है, लेकिन सर्दियों और गर्मियों के समय में यह बहुत ही खराब होता है।

2 अब, मुझे नहीं लगता कि वे अभी भी वहां रिकॉर्डिंग कर रहे हैं। और मैं सन्देश से संबंधित पिछले रविवार के विषय में एक बयान देना चाहता हूं। इसका कारण कि मैंने—मैंने टेप को रोके रखा और उन्हें टेप को बेचने नहीं दिया, कि इसे बाहर ले जाए, ठीक है, क्योंकि मुझे इसे पहले सुनना था। क्योंकि बहुत सी बार, इस तरह से, मैं यहाँ कलीसिया में बातें कहता हूँ जिसे मैं बाकी लोगों के सामने इस तरह से नहीं रखना चाहूंगा, क्योंकि कभी–कभी यह ठोकर का कारण बनता है। और कभी–कभी यह यहां आराधनालय में हमारे लोगों के बीच प्रश्न का कारण बनता है। और यह...

3 मैं यह नहीं कहता... उन बातों को अलग होने के लिए नही कहता हूं, लेकिन कभी–कभी अभिषेक के नीचे आप उन चीजों को जानते हैं जो आप नहीं... कि आप लोगों को बताने की हिम्मत नहीं करेंगे। तब कभी–कभी अभिषेक के नीचे कुछ तो निकल जाता है, आप देखिए, और आप इस पर ध्यान नहीं देते। और उन बातों में से एक जो मैं सोचता हूं कहा गया था (पिछले रविवार को) जो किसी के लिए कारण हो सकता है... जब मैंने इस बात का उल्लेख किया कि मैंने कभी भी वेदी की पुकार में विश्वास नहीं

किया। देखा?

4 मैं यह कहना चाहता हूं और इसे साफ़ करना चाहता हूं ताकि आप समझ जाये। सारी बाईबल में कभी भी वेदी की पुकार नहीं हुई थी। वचन में ऐसी कोई बात नहीं है। यह मेथोडिस्ट युग तक कहीं भी नहीं किया गया था, लगभग दो सौ वर्ष पहले तक, देखिये।

5 वेदी की पुकार तब होती है जब लोग आते हैं और लोगों को तैयार करने और खींचने का प्रयास करते हैं, "आगे बढ़ो, जॉन। तुम जानते हो, वे... तुम्हारी मां मर गई, तुम्हारे लिए प्रार्थना कर रही थी। आगे आओ, जॉन।" यह दृढ़ विश्वास दिलाना नहीं है, मित्रों। नहीं। उन—उन तरह की बातें, मैं... आप बहुत कम ही कभी सुनते हैं कि कोई एक भी बहुत दूर तक गया हो। और, उसमें, आपको हर एक चीज मिलती है। यही कारण है कि कलीसिया पूरी तरह से ऐसी चीजों के कारण आज गड़बड़ी में है।

6 दृढ़ विश्वास दिलाना, आपको कुछ भी कहने की आवश्यकता नहीं है, भाई, परमेश्वर वहां पर है और कार्य को कर चूका है। "जब पतरस इन वचनों को बोल रहा था तो पवित्र आत्मा उन पर उतरा जिन्होंने वचन को सुना।" देखा? देखा? समझे? वहां कोई वेदी की पुकार नहीं है, देखो, ऐसी कोई चीज नहीं है।

7 अब, वेदी प्रार्थना का स्थान है जहां हर एक व्यक्ति, जो कलीसिया में आता है, उसे पहले वहां जाना चाहिए, वेदी पर घुटने टेकते हैं, शांति पूर्वक परमेश्वर से प्रार्थना करते हैं और उनकी प्रार्थना करते है और—और उनके प्रियजनों के लिए, और परमेश्वर को धन्यवाद देते हैं कि उन्होंने उनके लिए क्या किया है, फिर वापस अपनी सीट पर चले जाते हैं।

8 और फिर कलीसिया वो स्थान है जहां परमेश्वर का वचन... "और न्याय परमेश्वर के भवन से ही आरंभ होता है," जहां वचन का न्याय आगे जाता है। तब... लेकिन आज, हम—हम इसे बहुत ही बदल दिया हैं।

9 अब, मेरे पास जो वेदी की पुकार करते है उनके विरोध में कुछ भी नहीं है, देखो। यही है... और मैंने खुद भी बहुत से किये है, और यदि मैं आगे सभाये करता रहूं तो शायद मैं बहुत सी और भी वेदी की पुकार करूंगा। लेकिन केवल मेरे अपने लिए... देखिए, आप—आप—आप बहुत ज़्यादा इकट्ठा करते हैं। और इसके विरोध में कुछ भी नहीं है, इसमें कोई हानि नहीं है। इसमें कोई बात नहीं। देखा?

10 क्योंकि, सुनना, यीशु ने कहा, "कोई भी मनुष्य मेरे पास नहीं आ सकता जब तक मेरा पिता उसे पहले ना खींच ले। और वह सब जो पिता ने मुझे दिया है, मेरे पास आयेंगे।" यह सही है। तो फिर, देखो, वे... यह आपकी वेदी की पुकार को कुल मिलाकर बाहर कर देता है। देखा? इसे समझे? "वे *सब* जिसे पिता... " आप...

11 हमारी—हमारी जिम्मेदारी है "वचन का प्रचार करो।" बाईबल ने कहा, "जितनो ने विश्वास किया बपतिस्मा लिया।" "पश्चाताप करो, और पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लो।" क्या? "पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लो, देखो, और तब तुम पवित्र आत्मा के दान को पाओगे।"

12 लेकिन जब आप लोगों को तैयार करते और खींचते और डराते हैं, और लोगों से बात करते हैं... लोगों को अवश्य ही निश्चित रूप से, संयम से, दृढ़ विश्वास के नीचे आना चाहिए, और मसीह को ग्रहण करना चाहिए। तब पहली चीज जो वे करते हैं जैसे ही वे मसीह को उनके सीट पर बैठे हुए ग्रहण करते हैं, अगली चीज यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लेना है, उन पापों की क्षमा के लिए कि उन्हें दृढ़ विश्वास हो गया है कि वे गलत हैं। इसी तरह से वे उनके पापों से क्षमा को पाते हैं, देखो। क्योंकि उन्होंने पश्चाताप किया है; लोगों के लिए एक यादगार के रूप में बपतिस्मा लिया गया है, कि, "मैंने मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण किया है"; तब आप पवित्र आत्मा के लिए एक उम्मीदवार होते हैं।

13 और, अब, बहुत से लोग आगे बढ़ रहे हैं, तैयार करते है और वेदी पर बुला रहे हैं, और इसी तरह से इत्यादि, जो कि अच्छी बात है। मैं इसके साथ जाऊंगा, यह पूरी तरह से ठीक है जहां तक मेरा संबंध है, कोई भी जो इसे करना चाहता है। लेकिन, मेरे लिए, यह वचन के अनुसार नहीं है, आप देखते हैं, और इसलिए मैं—मैं बस वचन के साथ बने रहना पसंद करता हूं।

14 और इसलिए कारण है कि मैंने उस टेप को रोक कर रखा है क्योंकि आप इसे बाहर भेजेंगे, हमारे पास प्रति सप्ताह पाँच सौ पत्रों का उत्तर देना होगा। हर... बस किसी की थोड़ी सी परंपरा को छू भर लो, और आप बस इतना ही कर दे, तब सब कुछ फिर से शुरू हो जाता है।

15 और मैं कई बार सोचता हूं कि मैं ऐसी विभिन्न चीजों के प्रति कुछ

ज्यादा ही आलोचनात्मक हो जाता हूं। और मेरा ऐसा कहने का मतलब नहीं होता है, लेकिन कभी–कभी कार्य स्थान आपको इस ओर खींचते हैं, आप देखते हैं, वे—वे आपको उस ओर झुकाते हैं। और इसलिए मुझे पक्का है कि लोग इसे समझते हैं।

16 अब, हम बहुत आभारी हैं कि हमारे पास अब भी एक दयालु स्वर्गीय पिता है जो—जो हमारी गलतियों की ओर देखता है और हमसे उनका हिसाब नहीं मांगता।

17 मैं रोमियों की—की किताब में से पढ़ रहा था, उसका 4था अध्याय, जहां पौलुस ने अब्राहम के जीवन की—उस दिव्य टीका–टिप्पणी को लिखा। अब, हम जानते हैं कि अब्राहम बहुत बार एक प्रकार से हताश हो गया जैसे हम होते हैं। लेकिन जब... उसकी टिप्पणी लिखी गई थी, तो उसके किसी भी हताश होने का उल्लेख नहीं किया गया था, आप देखते हैं, उनका कभी भी उल्लेख नहीं किया। कहा:

> अब्राहम *अविश्वास में से होते हुए परमेश्वर की प्रतिज्ञा पर नहीं डगमगाया; परंतु बलवन्त हो गया था... परमेश्वर की* स्तुति *कर रहा था;*

18 देखो, और इसी तरह से मैं आशा करता हूं कि मेरे लिए वहां लिखा जाएगा, ये मेरी गलतियां और हर एक चीज नहीं है, लेकिन बस जो मैं करने की कोशिश करता हूं, मेरे हृदय का इरादा परमेश्वर के लोगों के लिए करना है।

19 और अब हम आज सुबह आए हैं कि—कि यहां एक छोटे से संदेश को लाने की कोशिश करें जो हो सकता है प्रभु ने हम पर लोगों को देने के लिए हमारे अंदर रखा है। और आशा करता हूं कि यह आपके लिए भला करेगा और मेरे लिए भला करेगा, क्योंकि हम एक साथ हैं और एक जबरदस्त समय में रह रहे हैं, और अंतिम दिनों में है। इसलिए इससे पहले कि हम प्रार्थना करें, मैं वचन में से कुछ स्थानों को पढ़ना चाहता हूं; एक प्रार्थना से पहले, और एक प्रार्थना के बाद। और सबसे पहले, हमारी सभा को आरंभ करने के लिए, या, इसके इस भाग को, मैं इब्रानियों की किताब में से पढ़ना चाहता हूं। इब्रानियों का 11वां अध्याय, और तीस–... 32वां पद, आरंभ करते हुए, जो *विश्वास* के बारे में बात कर रहा है।

> अब *मैं और क्या बोलूं?* अब *और क्या कहूँ क्योंकि समय*

नहीं रहा, कि गिदोन का,... और बाराक और समसून का,... और यिफतह का;... दाऊद का... शमुएल का, और भविष्यद्वक्ताओं का वर्णन करूं:

इन्होंने विश्वास ही के द्वारा राज्य जीते, धर्म के काम किए, प्रतिज्ञा *की हुई वस्तुएं प्राप्त की, सिंहों के* मुंह *बन्द किए,*

आग की ज्वाला को ठंडा किया, तलवार की धार से बच निकले, और *निर्बलता में... बलवन्त हुए, लड़ाई में वीर निकले,* विदेशियों *को मार भगाया, विदेशियों की फौजों को।*

स्त्रियों ने अपने मरे हुओं को फिर जीवते पाया... और कितने तो मार खाते खाते मर गए; और छुटकारा न चाहा; इसलिये कि उत्तम पुनरुत्थान के भागी हों:

कई एक ठट्ठों *में उड़ाए जाने... और कोड़े खाने... वरन* बान्धे जाने, *और कैद में... पड़ने के द्वारा* परखे गए:

वे पत्थरवाह किए गए, आरे *से चीरे गए;* उन *की परीक्षा की गई,... तलवार से मारे गए: ... वे कंगाली में और क्लेश में और दु:ख भोगते हुए भेड़ों* और *बकिरयों की खालें ओढ़े हुए,... इधर उधर मारे मारे फिरे;*

20 इस कोष्ठक को देखें:

(संसार उन के योगय न था:) और जंगलों, और पहाड़ों, और गुफाओं में, और पृथ्वी की दरारों में भटकते फिरे।

... और विश्वास ही के द्वारा इन सब *के विषय में अच्छी गवाही दी गई, तौभी उन्हें प्रतिज्ञा की हुई वस्तु न मिली:*

क्योंकि परमेश्वर ने हमारे लिये पहले से एक उत्तम बात ठहराई, कि वे हमारे बिना सिद्धता को न पहुंचे।

21 जब मैंने उन बहादुर योद्धाओ की कहानियों को पढ़ा, मैं सोचता हूं कि हमारी छोटी सी गवाही उस दिन उन लोगों के साथ कहां खड़ी होगी।

22 प्रार्थना से ठीक पहले, क्या कोई चाहेगा कि परमेश्वर के सामने उसे याद किया जाए? बस अपने हाथ को ऊपर उठाये, और जो कुछ भी आपको आवश्यकता हो, होने पाए वो देखे और सुने और आपके लिए अभी इसे प्रदान करे, जब हम अपने सिरों को झुकाते हैं।

23 हमारे अनुग्रहकारी, प्रेमी पिता, हम नम्रतापूर्वक आज सुबह आपके पुत्र यीशु के नाम में आपके सिंहासन के पास आते हैं, ताकि अपने लिए और दूसरों के लिए प्रार्थना करे। सबसे पहले आप, प्रभु, हमें हमारे सारे अपराधों और हमारे अधर्मता के लिए क्षमा करें। और उसके बाद हम दूसरों के लिए प्रार्थना करें, प्रभु, कि उन्हें भी क्षमा किया जाए।

24 और आपकी कलीसिया आपके समीप आ जाए। क्योंकि वास्तव में, प्रभु, हमारे ह्रदय में हम विश्वास करते हैं कि आप अपनी कलीसिया के साथ काम करने के लिए तैयार हैं, इसे संसार से बाहर निकालने के लिए तैयार है और परमेश्वर के राज्य में स्थानांतर किये जाए। लेकिन, प्रभु, हमारी सहायता करें कि हम अपने आप को उस घड़ी के लिए तैयार करें। होने पाए इस सुबह को वो समय हो, प्रभु, कि एक से लेकर हम सभी "हर एक बोझ को एक तरफ रख दे और पाप जिसने हमें बहुत ही आसानी से घेरा हुआ है, जिससे कि हम धीरज के साथ दौड़ सकें, उस दौड़ में जो हमारे सामने है।"

25 और मैं प्रार्थना करता हूं, स्वर्गीय पिता, आज, कि आप बीमारों और पीड़ितों को चंगा करेंगे। राष्ट्र भर में बहुत से पीड़ित हैं, और विपत्तियां, और "विषाणु" है जैसे डॉक्टर उन्हें बताते हैं। और मैं प्रार्थना करता हूं कि आपके चंगाई के सद्गुण, प्रभु, उन लोगों के लिए होंगे।

26 फिर आज सुबह यहां हमारी छोटी सभा में आने के लिए। बहुतों ने सैकड़ों मील तक गाड़ी चलाई है, पिछली देर रात को गाड़ी चलाना आरंभ किया और रात भर होते हुए और सुबह को, आज, और आराधनालय की ओर आने के लिए जोर लगाकर गाड़ी चलाया है। और पुरे रास्ते भर में बर्फ़ गिर रही है। परमेश्वर, हम प्रार्थना करते हैं कि आप विशेष रूप से उन्हें आशीष देंगे। इसमें कोई संदेह नहीं कि बहुत से लोगों को अपने आने वाले सप्ताह के भोजन का एक बड़ा हिस्सा, या जो भी हो, देना था, या ऐसी चीजे जिसके लिए वे अपना पैसा खर्च करते होंगे, पेट्रोल और चीजें, यहाँ आने वाले के लिए।

27 परमेश्वर, वह जो आपके पास खाली आता है, भरकर जाएगा। आपने इसकी प्रतिज्ञा की है। और मैं प्रार्थना करता हूं कि आप उनके ह्रदयो को और उनकी टोकरियों को भर देंगे (उनके प्राणों की) परमेश्वर की अच्छी चीजों से इतना भरा हुआ है कि वे बस "आनंद और महिमा से भरे हुए

जिसका वर्णन नहीं" उसके साथ उमड़ते हुए चले जायेंगे। बस होने पाए इन बहुमूल्य लोगों के प्याले उमड़ने लगे, परमेश्वर की ओर से आत्मिक और अच्छी चीजों के साथ।

28 हर एक हाथ को आशीषित करें, आप जानते हैं कि उस हाथ के पीछे क्या आवश्यकता थी, प्रभु। मैं मांगता हूं कि आप उन्हें विशेष रूप से आशीष देंगे। हमने आपको इस पिछले सप्ताह में देखा है कि किस तरह से आपने कुछ ही समय में इतने चमत्कारिक रूप से प्रार्थना का उत्तर दिया, उन आपातकालिक और बीमारी और परेशानी के समय पर। तू सर्वव्यापी परमेश्वर है, उसके सेवको के पास खड़ा है। मैं प्रार्थना करता हूं, परमेश्वर, कि आप आज सुबह इनके पास खड़े होंगे। उन्हें उनकी इच्छा को देना, प्रभु, जो उनके हृदय की है। मैं विश्वास नहीं करता कि ऐसा किसी स्वार्थी चीज के लिए था, या इसके पीछे कोई—कोई भी बुरा उद्देश्य था। मैं प्रार्थना करता हूं कि आप उन्हें आशीष देंगे।

29 और अब, पिता, आज, मुझे हमें याद रखना, और होने पाए मैं अपने आप को इस तरह से एक तरफ कर सकूं... हम सब, पास्टर से लेकर उन—उन बालकों तक, होने पाए हम अपने आप को परमेश्वर की वेदी पर एक ओर रख सकें और हमारे हृदयो को खोल दे और पवित्र आत्मा को सुने जब वह हमसे बात करेगा। हमारे बर्तनों को फेरे आपकी आशी–... ताकि आपकी आशीषो को पा सके, दाहिनी ओर ऊपर की ओर। उसके बाद अभिषेक के तेल की सामर्थ को उन पर उंडेले। और हमें सामर्थ दे, प्रभु, कि हमें आने वाले दिनों के लिए जिसकी आवश्यकता है। इस आशीष को प्रदान करें। हम इसे यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

30 (हुम्म, मैं नहीं जानता। आप बस उसका फोन नंबर लें और उसे बताएं कि मैं उसे कलीसिया के बाद वापस फोन करूंगा। मैं नहीं जानता।)

31 मेरे लिए प्रार्थना करें। मैं... भाई जैक मूर फोन पर है, और अब भी मुझे इस सप्ताह वहां होने के लिए राजी कर रहे हैं। देखा? मैं बस महसूस नहीं करता... ठीक इसके लिए, आप देखो, और इसलिए मैं नहीं जानता कि क्या करना है। मैं भाई जैक से प्रेम करता हूं। और वह बड़ी सभा वहां पर होने जा रही है और उसने उन लोगों को ठुकरा दिया, जैसे बूथ–क्लिबॉर्न और वे, जो वहां आ रहे थे। इसलिए अब भी इस बात को पकड़े हुए है, अपने विज्ञापन को लगा रखा है और इस तरह से, मेरे आने के लिए बात

पकड़े हुए है। इसलिए मैं—मुझे वहां जाने के लिए वास्तव में दबाव महसूस करना अच्छा लगता है, आप देखना। और मैं...

32 और, अब, जैसा कि हम अब फिर से दूसरे कुरिन्थियों की ओर जायेंगे, और हम दूसरे कुरिन्थियों के 12वें पद से आरंभ करेंगे, और पाठ के लिए वचन के एक पद को पढेंगे, यदि परमेश्वर ने चाहा तो। पहला कुरिन्थियों, ... या दूसरा कुरिन्थियों, मेरा मतलब, 12वां अध्याय और 9वां पद। मैं पहले पद को पढ़ना चाहता हूं... या 9वें पद का दूसरा वाक्य, इसका कुछ भाग:

> *उस ने मुझ से कहा, मेरा अनुग्रह तेरे लिये काफी है: क्योंकि मेरी सामर्थ निर्बलता में सिद्ध होती है...*

33 मुझे अब इसे फिर से पढ़ने दे ताकि आप निश्चित रूप से मूल पाठ को पकडे:

> *और उसने मुझ से कहा,* (यह परमेश्वर पौलुस से बोल रहा है), *मेरा अनुग्रह तेरे लिये काफी है: क्योंकि मेरी सामर्थ निर्बलता में सिद्ध होती है...*

34 तब यदि मैं इसे मूल पाठ बोलूं, तो मैं इसका उपयोग करना चाहूंगा, सामर्थ... *सिद्ध निर्बलता के द्वारा सिद्ध सामर्थ।* यदि हमारे पास निर्बलता है तो हमारे पास सामर्थ होती है। यह एक असाधारण सा विषय है... एक पेंटीकोस्टल सभा में, कि बनाये... *निर्बलता* के एक विषय को लेना, क्योंकि हम हमेशा ही गवाही देते हैं "हम बहुत बलवान हैं।"

35 और मैंने पहले कहा है, कि, मैं केवल पूरे सप्ताह प्रार्थना करने की कोशिश करता हूं और ढूंढता हूं कि मेरे लिए क्या अच्छा होगा कि सभा के लोगों के सामने लाऊं। यदि यह बस यहां सुनने के लिए आता हूं, तो मैं इस प्रातः किसी और को यहां खड़े होकर सुनना पसंद करूंगा।

36 स्पष्ट रूप से कहूं तो, कुछ दिनों पहले तक, मैं केंटकी में भाई गेबहार्ट के लोगों के साथ वहां पर था। जब मैंने उनके स्थान को छोड़ा था, यह बहुमूल्य भाई और पत्नी और परिवार और वे, तब तक मेरे मन में यह विचार नहीं आया।

37 मैं उससे कुछ ही समय पहले एक घर में गया था। मैं बाहर खड़ा हुआ था, और महिला ने कहा, "मैं उस सेवक से बात करना चाहूंगी।" और मैं

उनके छोटे से घर में चला गया। और वहां पर... महिला ने कहा, "आप भाई ब्रन्हम हैं? "

और मैंने कहा, "हां, महोदया।"

38 उसने कहा, "मुझे अपने घर की हालत पर बहुत शर्म आती है," और उसने कहा, "कि आपसे अंदर आने के लिए कहूं।" वह रोने लगी। उसने कहा, "लेकिन मैं—मैं एक ऐसी आवश्यकता में हूं और मुझे आप पर बहुत भरोसा है।"

39 और मुझे पता चला कि यह वह जगह थी जहाँ हमारी छोटी बहन कॉक्स थी, हम वहाँ—वहाँ कुछ लोगों के साथ रुके थे, एक—एक छोटी दादी टेप रिकॉर्डर को लेकर यहाँ वहां जाकर आस–पड़ोस में टेपो को चला रही थी। यही है! यही वो अच्छा विचार है! देखा?

40 मैंने इस घर में चारों ओर देखा, एक छोटा सा सादगी से भरा हुआ घर, लगभग जैसे कि मैं पला–बढ़ा था, लेकिन दीवार मसीह की तस्वीरों से भरी हुई है। वहां मेज पर एक बाईबल रखी हुई थी। मैंने कहा, "मुझे अपने जीवन में इससे अधिक सम्मान कभी नहीं मिला, यह एक ऐसा घर है जिसके अंदर मैं आना पसंद करता हूँ।" उसने किसी के लिए प्रार्थना करने के लिए विनंती की। और उस समय से पांच घंटे तक जब हमने एक साथ प्रार्थना की, इस छोटी दादी और मैंने एक साथ प्रार्थना की, परमेश्वर ने उत्तर दिया था।

41 सो हमने फिर से प्रार्थना की, और माँ कॉक्स और मैं और वे उस सुबह मेज के इर्द–गिर्द थे, झुके हुए थे और परमेश्वर से मांगा कि हमें कुछ तो करने का अवसर दे, उसके प्रयासों में से होते हुए जो उसने किये थे। और, इसे मांगने के द्वारा, परमेश्वर ने एक मार्ग को खोल दिया। आप समझे? वह परमेश्वर है!

42 हम अपनी निर्बलताओ को बहाना बनाने की कोशिश करते हैं। हम बताना चाहते हैं कि हम कितने बड़े हैं, हम कितने महान हैं। मैं सोचता हूं कि यह उन चीजों में से एक है जो मैं... परमेश्वर ने मुझे विषय के लिए दिया है, ताकि हम इसे अपने दिमाग से निकाल सकें। देखा?

43 वहां छोटी–छोटी चीजें हैं जो हम करते हैं। और यही है जिसके लिए हम कलीसिया में आते हैं, यह पता लगाने के लिए कि हमारी गलतियाँ कहां पर हैं, और वे चीजें जिनके द्वारा हम अपने आप को बेहतर बना सके। यदि

हम कलीसिया में इसके अलावा किसी भी और—किसी भी और उद्देश्य के लिए आते हैं, मुझे डर है कि हम कलीसिया में आने से बहुत अधिक हासिल नहीं होगा। हमें अपनी निर्बलताओ को पता लगाने के लिए आना ही है, हमारे बुरे स्थानों को ढूंढना है और हमारे... कैसे... देखने कि हम कितने छोटे हैं, और हमारे विश्वास को किसी पर डाले जो बलवान है। लेकिन जब हमारे पास निर्बलताये होती हैं...

44 हम में से बहुत से लोग गवाही देना पसंद करते हैं या यह सोचना पसंद करते हैं कि हम अयोग्य हैं और, इसलिए, हम इसे एक बहाना बनाते हैं, "मेरे पास कोई शिक्षा नहीं है, मेरे पास कोई योग्यता नहीं है, मैं *इसे* करने में असमर्थ हूं।" और यदि आप ऐसे ही बनाए रखते हैं और इसी तरह से करते हैं, इसी तरह से चलते रहते हैं, तो आप कुछ भी नहीं कर सकते। लेकिन वही चीज़ जिसके लिए हम अपनी कमज़ोरियों के कारण बहाने बनाते हैं, परमेश्वर उसी चीज का उपयोग काम को खत्म करने के लिए करता हैं। देखा? वह हमारे लिए रुका रहता है कि हम उस स्थिति में आ जाए ताकि वह हमारा उपयोग कर सके। हम—हम बहानो को लेते हैं और कहते हैं, "तो, मैं—मैं—मैं—मैं... यह नहीं कर सकता, मैं अयोग्य हूं। मैं—मैं इसे नहीं कर सकता।" और परमेश्वर उसी चीज को लेता है जिससे कार्य को करें। यह सच है।

45 यही कारण है कि वह—वह हमें चुनता है, क्योंकि हम उस स्थिति में हैं। अब, यह अजीब सा सुनाई पड़ता है, लेकिन यदि परमेश्वर की इच्छा हुई तो बस कुछ ही मिनटों में हम इसका कारण जान जायेंगे।

46 हम—हम देखते हैं, जैसा कि हम पढ़ते आ रहे हैं, कि निर्बलतायें और अस्वीकरण... और हम देखते हैं कि वे लोग जो सबसे निर्बल हैं और बाहरी संसार के द्वारा ठुकराए गए हैं, वे परमेश्वर के नायक हैं, जो आगे की पंक्ति में रहकर जय को पाते हैं, उन्हें लेता हैं जो है—हैं... वे जो स्वयं को अयोग्य महसूस करते हैं।

47 वहां एक मेथोडिस्ट भाई था, उनमें से तीन जो इस कलीसिया में वहां ओहियो, या उत्तरी इंडियाना से आते हैं। ज्यादा समय नहीं हुआ उन्होंने मुझसे कहा, "भाई ब्रन्हम," कहा, "हमने अभी–अभी पवित्र आत्मा को पाया है, क्या अब हम अपनी सेवकाई के लिए दान के लिए मांगें? "

मैंने कहा, "ऐसा मत करो! इसे ऐसे ही छोड़ दो।"

48 और वह मुड़ा और मेरी ओर देखा, कहा, "मैंने हाल ही में एक भाई की किताब पढ़ी है जिसने हमें बताया कि पवित्र आत्मा को प्राप्त करने के बाद हमें 'दानों के लिए प्रयास करना चाहिए,' जिससे कि ये इस पवित्र आत्मा का उपयोग कर सके।"

मैंने कहा, "और वो एक रूढ़िवादी व्यक्ति बन जाता है!" देखा?

49 यदि आप बाईबल में ध्यान दें, तो ये हमेशा ही वे लोग होते हैं जो इससे दूर रहने की कोशिश करते हैं, जिसका परमेश्वर उपयोग करता है। जब तक एक मनुष्य... कुछ करना चाहता है और सोचता है कि उसके पास पर्याप्त क्षमता है कि वह काम कर सकता है, परमेश्वर उस मनुष्य का कभी भी उपयोग नहीं कर सकता। मूसा को देखो, भागते फिर रहा है; पौलुस को देखो, भागते फिर रहा है; और उनमें से बाकी के लोग, इससे दूर रहने की कोशिश कर रहे हैं।

50 मैंने कहा, "कुछ भी मत ढूंढो। परमेश्वर के पास आपके लिए कुछ भी है, वह इसे आपको देगा।" समझे? "और केवल उसे—उसे इसकी चिंता करने दो।" मैंने कहा, "तब आपको इनमें से कुछ मौके मिलते है जैसे हमारे पास आज है, कि हर कोई *यह* करना चाहता है और *वो* करना चाहता है और कोई महान व्यक्ति बनना चाहता है। देखिए हम इसके साथ क्या करते हैं, आप देखिए।"

51 बजाये इसके कि हम महान बनने की कोशिश करें, हमें यह पता लगाने का कोशिश—कोशिश करना चाहिए कि हम कितने छोटे हो सकते है। समझे? तब परमेश्वर हमारा उपयोग कर सकता है। मेरे पास यहाँ बहुत सारे वचन लिखे हुए हैं, मैं समझता हूँ, जिनका मुझे उल्लेख करना चाहिए, लेकिन मैं... हम... शायद मेरे पास इसे लेने के लिए समय नहीं होगा। लेकिन हम...

52 ध्यान दें कि यह सबसे निर्बल और अस्वीकृत लोगों को लेता है, और व्यवहारिक रूप से हर वो नायक जो परमेश्वर ने उसे कभी आगे की पंक्ति में रखा था, उसी प्रकार का व्यक्ति था। एक व्यक्ति जिसे ठुकराया गया था, एक व्यक्ति जिसने सोचा कि वह अयोग्य था, एक व्यक्ति जिसके पास बिल्कुल भी योग्यता नहीं थी, तब वह व्यक्ति अच्छे ढांचे में होता है जिससे कि परमेश्वर उसका उपयोग करना आरंभ कर सके। यह सही है। यह जब वे ऐसा महसूस करते हैं कि वे नहीं कर सकते, उनके पास कुछ भी नहीं है,

यही है जब परमेश्वर उन्हें नियंत्रण में ले सकता है और उनके साथ कुछ तो कर सकता है। देखा? जब... लेकिन जब हम सोचते हैं कि हम इसे करने के लिए योग्य हैं, तब परमेश्वर हमारा उपयोग नहीं कर सकता क्योंकि हम इसे स्वयं करना चाहते हैं।

53 और, फिर, दूसरी ओर, हमारे पास ये भावनाये होती हैं और हम सोचते हैं कि हम अयोग्य हैं, और हम इसे नहीं करना चाहते हैं; लेकिन तब यदि हम उस वक्त परमेश्वर की पुकार को सुनते हैं, यही वो चीज है जिसमें परमेश्वर चाहता है कि हम इसके अंदर जाये, उस प्रकार के एक ढांचे में, तो वह कर सकता है।

54 जब हम अपने आप में अयोग्य होते हैं, तब हम परमेश्वर के आत्मा के अधीन होने के लिए सौंप देते हैं। जब तक हम सोचते हैं कि हम इसे कर सकते हैं, तब हम इसे नहीं कर सकते। लेकिन जब हम एक ऐसे स्थान पर पहुँचते हैं जहाँ हम जानते हैं कि हम इसे नहीं कर सकते हैं, तब हम अपने आप को परमेश्वर को सौंप देते हैं और वो इसे करता है। इसलिए तब यदि हम इसे करने की कोशिश कर रहे होते हैं तो हम असफल हो जाएंगे, लेकिन यदि हम बस अपने आप को परमेश्वर को सौंप देंगे तो परमेश्वर असफल नहीं हो सकता है। केवल एक ही चीज है जो परमेश्वर नहीं कर सकता है, और, वह है असफल होना। वह कुछ भी कर सकता है सिवाए असफल होने के। लेकिन वह असफल नहीं हो सकता।

55 इसलिए जब तक हम अपने आप से कोशिश कर रहे होते हैं और अपनी क्षमताओं और इत्यादि पर निर्भर होते हैं, तो, हम कुछ भी नहीं कर पाएंगे। लेकिन जब हम एक ऐसे स्थान पर पहुँच जाते हैं जहाँ हम जानते हैं कि हम कुछ भी नहीं हैं, तब परमेश्वर हमारा उपयोग कर सकता है।

56 महत्वपूर्ण बात, उन महत्वपूर्ण बातों में से एक जो हमें अवश्य ही निपुण होना चाहिए... अब इसे याद रखना, और विशेष रूप से आप जो युवा प्रचारक है, और वैसे ही आम सदस्य भी। वहां एक चीज है जिसमें हमें निपुण होना है यदि हम अपने जीवन में परमेश्वर की इच्छा को पूरा करने की अपेक्षा करते हैं, अर्थात, हमें *मानवीय क्षमता* के विचार पर निपुण होना है। यदि हम कभी ऐसे स्थान पर पहुँचते हैं जहाँ हम सोचते हैं कि हम इसे अपनी बुद्धिमत्ता और अपनी योग्यताओं के साथ कर सकते हैं, हमें इसमें इस तरह से निपुण होना है कि हम इन चीजों से छुटकारा पा सकते हैं और

इसे एक तरफ रख दे ताकि परमेश्वर हमारा उपयोग कर सके। यह सही है।

57 और पूर्ण समर्पण करें! हम एक योग्यता का उपयोग नहीं कर सकते। हमें पूर्ण समर्पण होना है! और, परमेश्वर के पास आने के लिए, आपको उसके प्राण, शरीर और आत्मा सब कुछ समर्पित करना होगा। हर एक चीज जो आप हैं उसे परमेश्वर को समर्पित करना होगा, जिससे कि वह अपनी इच्छा को आप में और मुझ में से कार्य कर सके।

58 अब, यह कठिन है, मैं जानता हूं, क्योंकि हम हमेशा ही अपने कुछ भाग को इसमें रखना चाहते हैं, कुछ तो जो हम *जानते* हैं, हम जानते हैं कि हम इसे करना चाहते हैं। हम कहते हैं, "खैर, मैं—मैं बस इतना जानता हूं कि इसे इस तरह से किया जाना चाहिए।" लेकिन जब तक आप इसे इस तरह से कर रहे हैं, यह गलत होगा, और परमेश्वर उस प्रयास का कभी भी उपयोग नहीं करेगा। हो सकता है, प्रभु की सहायता से, हम कुछ ही मिनटों में इस बात को लेने वाले हैं, और बस आपको दिखाएंगे कि कैसे परमेश्वर आपकी योग्यता का उपयोग नहीं कर सकता है।

59 और यही मामला आज संसार के साथ है: वहां बहुत सारे धर्म विद्यालय के अनुभव है, शिक्षा पर बहुत अधिक जोर दिया गया है, सम्प्रदायों में संबंध या संगति पर बहुत अधिक जोर दिया गया है, हम एक दूसरे पर भरोसा करते हैं, हम योग्यता के साथ मनुष्यों पर भरोसा करते हैं।

60 बाईबल ने कहा, "भला तुम विश्वास कैसे कर सकते हो, जब कि तुम—जब कि तुम... " आइए देखें, यह वचन किस तरह है? "तुम कैसे विश्वास कर सकते हो, जब तुम एक दूसरे को प्राथमिकता दे रहे हो? "

61 जब हम अपेक्षा कर रहे हैं, कहते हुए, "यह मनुष्य, यह एक महान व्यक्ति है। यह एक महान व्यक्ति है, मैं बस उस पर निर्भर रहूंगा," यह परमेश्वर को अप्रसन्न करता है जब आप ऐसा करते हैं। हमें परमेश्वर पर और केवल उसी परमेश्वर पर निर्भर रहना चाहिए! हमें अपनी या किसी मनुष्य की योग्यता पर अवश्य ही भरोसा नहीं करना चाहिए। हमें अवश्य ही पूरी तरह से परमेश्वर के सामने समर्पित होना चाहिए।

62 कोई योग्यता नहीं, मैं परवाह नहीं करता कि यह किसकी योग्यता है, कभी भी परमेश्वर की दृष्टि में उपयोग करने के योग्य नहीं होगा। इससे पहले कि परमेश्वर अपने उद्देश्य को पूरा कर सके उसे हमारी सारी योग्यताओं को हम में से बाहर करना है। यदि उसके पास हमारे करने के लिए कुछ तो

है, और जब तक हम महसूस करते हैं कि हम इसमें से बहुत अच्छा काम कर रहे हैं, तब हम कभी भी परमेश्वर के उपयोग में नहीं आ सकेंगे।

63 अब, आप कहते हैं, "भाई ब्रन्हम, आप वहां एक बहुत ही खुला–खुला बयान दे रहे हैं।" और यह—यह एक खुला–खुला बयान है, लेकिन बस चारों ओर देखें और देखें कि क्या यह सही है या नहीं।

64 आज हर कहीं देखिए हमारी सारी महान उपलब्धियां जो हम सोचते हैं कि हमने किया है, और संयुक्त राज्य अमेरिका में मसीहत कहां है? हमारी सारी कलीसियाओ और संप्रदायों की ओर देखें, और हमारे सुसमाचारक और चंगाई के अभियान, और जो कुछ भी हमारे पास था, और यह क्या है? जो कभी आरंभ में हुआ करता था इससे भी बदतर है! यह आज पहले से भी बदतर स्थिति में है, क्योंकि हमने इसे मानवीय योग्यता में करने की कोशिश की है।

65 वे एक साथ इकट्ठा होते हैं और लंबी–लंबी प्रार्थना करते हैं और यहां से बाहर जाते हैं। और उस दिन पर जहां उनके पास बहुत सारे थे, एक लाख पचास हजार, या ऐसा ही कुछ, एक साथ इकट्ठा हुए थे, प्रोटेस्टेंट और कैथोलिक दोनों; कुछ प्रार्थनाओ को बोलते है, और कुछ प्रार्थनाओं को करते है, और कुछ प्रार्थनाये बनाते है, और इत्यादि। वह शायद इकट्ठा भी नहीं हुआ होता, यह परमेश्वर की दृष्टि में कुछ भी मूल्य का नहीं है।

66 अब, यदि मैं आलोचनात्मक हो जाता हूं, तो मुझे क्षमा करें। देखा? लेकिन मुझे—मुझे... आपको उस बात को अंदर डालना ही है। देखा? आपको इस मुख्य बात को पंहुचाना होगा।

67 और इसने क्या भला किया? कुछ भी नहीं। और ये कभी नहीं होगा जब तक हर एक व्यक्ति जो मसीह होने का दावा करता है वह अपनी योग्यता को भूल कर और अपने आप को परमेश्वर को समर्पित कर देगा।

68 तब परमेश्वर अपने उद्देश्य को पूरा कर सकता है भेजने के द्वारा... ना कि बेदारी, लेकिन, भाई, जो उसे पहले करने की आवश्यकता है कि एक मार डालने को भेजें, यह सही है, जिससे कि हम जीवित हो *सकते* हैं। आपको मरना होगा इससे पहले कि आप फिर से जन्म ले सके, और आपको... उसे खुद को मार डालने की आवश्यकता है। इस आराधनालय को एक मार डालने की आवश्यकता है, और मैं इसके साथ हूं। हम सभी को, हमें एक—एक मार डालने की आवश्यकता है ताकि हम एक नए

जीवन में जी उठे, एक नया नियंत्रण, एक नई आशा, एक नया अनुभव! हमें पहले एक विलाप के दिन की आवश्यकता है।

69 हमें एक स्थान की आवश्यकता है कि हम आत्मा को समर्पित हो जाए बजाये इसके कि हम स्कूली शिक्षाओ पर और हमारे कार्यक्रमों पर निर्भर हो, और हम... हमारे अभियान और हमारे पास जो कुछ भी है। हम—हम—हम सहयोग करने के लिए बहुत से विभिन्न सेवकों के सहयोग पर निर्भर रहते हैं। हम बहुतों को अनुमति देते हैं... "यदि हमें इतने नहीं मिल सकते हैं, इसलिए, हम इसे नहीं करेंगे। हम इसके बिना शहरों में नहीं जायेंगे।" और फिर, जब हम ऐसा करते हैं, तो हम इसे एक बड़ी मशीन में बना रहे होते हैं, जिसमें कार्बन चढ़ा हुआ होता है, देखो।

70 इसलिए हमें—हमें उससे दूर जाना होगा, उस मनुष्य की योग्यता से। हमें एक ऐसे स्थान पर होना है जहां हम अपने प्राण और जीवन को समर्पित कर सके, यहां तक कि गृहिणी को, किसान को, मिस्त्री को, या हम जो भी हैं, हमें पूरी तरह से परमेश्वर के सामने समर्पण होना है और जानते हैं कि "हम कुछ भी नहीं हैं।" तब परमेश्वर को वहां से आरंभ करने दो। तब वह कार्य करना आरंभ करता है। और इसमें हम सब, हर कोई शामिल है। यही वो—वो चीज है जो हमें करना होगा।

71 इतिहास साबित करता है, अभी करता है, साबित करता है (इतिहास साबित करता है) कि परमेश्वर ने हमेशा उन लोगों को चुना जो कुछ नहीं थे, ताकि वे उसके कुछ बन सकें। परमेश्वर उस व्यक्ति को लेता है जो कुछ भी नहीं है।

72 आज, जब तक आपके पास एक अच्छी धर्मज्ञान की बुनियाद नहीं होती है, तो बेहतर होगा कि आप शहर की ओर जाने की कोशिश भी ना करें, अच्छा होगा कि आप किसी सभा में जाने की कोशिश भी ना करें। लेकिन यदि आपके पास बड़ी बुनियाद हैं, बड़े–बड़े प्रशिक्षणों के साथ और वे चीजें जो आपके पीछे हैं, आप किसी भी शहर में जा सकते हैं और सहयोग को कर सकते हैं, एक महान सभा को कर सकते हैं। तो, यह एक सभा नहीं है... यह एक सभा है, बस किसी भी अन्य सभा की तरह, लेकिन इससे क्या लाभ होता है? देखो, आप—आप अब भी... आप इन छोटी लड़कियों और लड़कों को ऊपर आने देते है, च्युइंग गम चबाते हुए और वेदी की ओर जाते है, और स्त्रियां और पुरुष वहां पर जाते है केवल यह

बताने के लिए कि "वे वेदी पर गए थे," कमरे में जाते हैं निर्देशों के लिए और वापस बाहर आते हैं और जल को छिड़कते हैं या डूबाते हैं, या वे जो भी करते हैं, और वहां से एक—और एक वर्ष...

73 हमारे एक सबसे बड़े सुसमाचारक ने कहा, यदि वह जान सकता कि वह उसके द्वारा परिवर्तन लोगो का दस प्रतिशत भी एक वर्ष के लिए बचा सकता है, तो वह खुश होगा। जब, फिर, जब कि यदि उसके पास एक हजार मत परिवर्तन लोग थे, अगले वर्ष उनमें से दस हजार लोग होने—होने चाहिए। देखो, हम लक्ष्य से चूक रहे हैं, हम उद्देश्य से चूक रहे हैं।

74 हममें से कुछ लोग इसे बौद्धिक विचारधारा के आधार पर बनाते हैं, "ओह," कि, "यह सब कुछ जानने वाला मनुष्य है, यह मनुष्य एक प्रशिक्षित विद्वान है। हमें अपने लोगों को प्रशिक्षित करना चाहिए और उन्हें शिक्षा देनी चाहिए।"

75 दूसरा एक इसे किसी हलचल की—की अनुभूति या सनसनी होने पर आधारित करता है, हिलना, रोना, चिल्लाना, आत्मा में नाचना, या कुछ तो और, कुछ भावनात्मक बाहरी कार्य पर। और यह शिक्षा के तरह ही खराब है! यदि शैतान आपको *इस* ओर नहीं ला सकता है, तो वह आपको *उस* ओर धकेल देगा।

76 लेकिन बात यह है कि आपके पास ऐसा कुछ भी नहीं है जिस पर आप स्वयं निर्भर हो सकें या ऐसा कुछ है जिसे आप कर सकते है, बस एक पूरी तरह, अपनी निर्बलताओ को परमेश्वर के प्रति पूरी तरह समर्पण, और कहे, "मैं यहां पर हूं।" आपके पास कुछ भी नहीं है, कोई योग्यता नहीं है जिस पर आप भरोसा कर सकते हैं!

77 वापस वचन में से होकर ढूंढे और पता करे, जैसा कि मैंने यहां पर वचन लिखे हुए है, जिसका मैं उल्लेख कर रहा हूं। कुछ वचनों में से होते हुए, हम देखते हैं, कि परमेश्वर ने हमेशा ही जो कुछ नहीं थे उनका उपयोग किया ताकि उसके कुछ तो बन जाए। उसने हमेशा ही उन्हें लिया जिन्हें संसार ने ठुकराया था, आधुनिक युग ने ठुकराया था, और इसी प्रकार के लोगो को उसने उपयोग करने के लिए उठाया।

78 उन—उन प्रेरितों पर विचार करें। पतरस के विषय में सोचे, जो मछुआरा था, उसके पास अपने नाम को लिखने के लिए पर्याप्त शिक्षा नहीं थी। यूहन्ना, अज्ञानी और अनपढ़ था। वे मनुष्य! उसने बड़े–बड़े लोगों

और शिक्षित याजक और उन दिनों के प्रसिद्ध लोगों को छोड़ दिया, वे विद्वान, कलीसिया के सदस्य, और उन–... वे लोग जिन्होंने सोचा कि वे कुछ तो थे, और उन्हें उठा लिया जो कुछ भी नहीं थे और उनका उपयोग किया।

79 अब, जो कुछ तो है वो उसके लोगों में से एक बन सकता था, परमेश्वर उनका उपयोग कर सकता है यदि वे यह भूलने के लिए तैयार हैं कि वे कुछ तो हैं। यदि आप यह भूलने के लिए तैयार हैं कि आप *कुछ तो* हैं और *कुछ नहीं* बनते हैं, तब परमेश्वर आपका उपयोग कर सकता है और आप में से कुछ तो बना सकता है। देखा? लेकिन आपको भूलना होगा कि आप बहुत ही महत्वपूर्ण हैं।

80 हम में से बहुत से लोग हैं, हम में से बहुत से अपने जीवन में—में ऐसा करते हैं। जैसे ही... कुछ लोग, जैसे ही वे मसीही बन जाते हैं, वे अभिमानी, कठोर बन जाते हैं, यह सही बात है, जब वे बस इसके विपरीत मार्ग को ले रहे होते हैं। वे आगे जाने की बजाय पीछे की ओर जा रहे होते हैं। जबकि... जितना अधिक आप अपने आप से बाहर निकल सकते हैं, आपके पास पवित्र आत्मा के आने के लिए और अधिक स्थान होता है।

81 जैसे एलीशा ने यहोशापात और उन्हें बताया, कहा, "इस स्थान को गड्ढों से भर दो। आप जितना गहरा खुदाई करेंगे, आपके पास पानी के लिए उतना ही अधिक स्थान होगा।" और जितना अधिक हम अपने आप से, हमारी अपनी योग्यताओ का कचरा जिसे हम हममें से बाहर निकालकर फेंक सकते हैं, वहां परमेश्वर के आत्मा के द्वारा भरने के लिए और अधिक स्थान होगा; जब तक हम यह कर सकते है।

82 पौलुस, उस एक के विषय में हमने अभी–अभी यहाँ पढ़ा है, कुरिन्थियों में—में, दूसरा कुरिन्थियों में, हम पाते हैं कि यह मनुष्य एक महान व्यक्ति था। वह एक विद्वान था, एक महान व्यक्ति। लेकिन उसे वह सब भूलना था जो उसने कभी जाना था, जिससे कि मसीह को जान सके।

83 मैं पढ़ने जा हूं... इनमें से एक वचन को यहां पढ़ने जा रहा हूं, सो आप—आप इसे मेरे साथ पढ़ना चाहेंगे। आइए पहले कुरिन्थियों की ओर जाये, 2रा अध्याय और 1ला पद, बस एक मिनट। और आइये यहां एक मिनट के लिए पढ़ें कि पौलुस ने क्या कहा, इस महान विद्वान मनुष्य ने, उसने अपने विषय में क्या कहा, उसे क्या करना था। पहला कुरिन्थियों,

पहला कुरिन्थियों उसका—उसका 2रा अध्याय, और 1ले पद से आरंभ करते है। इस विद्वान को सुनना।

84 यह व्यक्ति प्रशिक्षित था। वह संसार की किसी भी भाषा को लगभग बोल सकता था। उसे इसके बारे में बढाई मारनी थी। उसे फरीसियों के सख्त संप्रदाय के पला–बड़ा था, और उसका पिता एक फरीसी था। बाद में वह "फरीसियो का एक फरीसी" था, और इसका मतलब यह है कि वह—वह पूरी तरह से फरीसियों में सबसे कठोर था। वह एक महान व्यक्ति था। और उसके पास अधिकार था, और वह चतुर था।

85 उसके पिता ने उसे देश के सबसे अच्छे शिक्षक के नीचे शिक्षा दिलाई थी।, गमलीएल, जो उस समय किसी भी विद्यालय का सबसे उल्लेखनीय शिक्षक था। पौलुस उस प्रकार का मनुष्य बन गया। उसने हर एक भाषा को सीखा। उसने मनोविज्ञान सीखा। उसने सारी विभिन्न चीजों को सीखा जो उसमें—में... जो उस तरीके से सीखी जा सकती हैं। और उसका याजको के—के आराधनालय की—की ओर और उस—उस महान व्यक्ति के साथ बहुत अधिक झुकाव था। और वह कलीसिया को तहस–नहस करने जा रहा था।

86 इसी मनुष्य की सुने, जो इस सारी शिक्षा के साथ था, मसीह को ग्रहण करने के बाद। सुनिए उसने क्या कहा। वह कितना बलवान और महान था, उसे इसे भूलना था। उसे इस बात को अनुभव करना था कि वह स्वयं पर निर्भर नहीं हो सकता। उसे इस बात का अनुभव करना था कि उसकी शिक्षा कुछ भी नहीं थी। उसे इस बात को अनुभव करना था, कि वह सारा प्रशिक्षण जो उसे कभी मिला था, उसे वह सब कुछ भूलना होगा जिसके लिए उसे कभी प्रशिक्षित किया गया था। अब उससे सुने।

> *... मैं, भाइयों, जब मैं तुम्हारे पास* आया,... *और ना ही ज्ञान की उत्तमता की बातों... के साथ,* देखो *तुम्हारे पास परमेश्वर की गवाही के साथ आया हूं।*

"मैं तुम्हें यह बताने के लिए कभी नहीं आया, 'अब, मैं विद्धवान शाऊल हूं, जो *फलां–और–फलां* स्कूल से हूं, मैं... इस संप्रदाय के बड़े मत से बाहर निकलकर आया हूं।' मैं तुम्हारे पास इस तरह से कभी नहीं आया।"

> *क्योंकि मैं* ने *यह ठान लिया था, कि तुम्हारे बीच यीशु मसीह, वरन क्रूस पर चढ़ाए हुए मसीह को छोड़ और किसी बात को न*

जानूं।

87 वहां, इस तरह के एक मनुष्य की गवाही को सुने।

"मैंने ठान लिया है कि तुम्हारी योग्यताओं के विषय में कुछ भी नहीं जानूं। मैं जानता हूं कि तुम में कुछ भी नहीं है और मैं केवल एक ही बात को जानने के लिए ठाना गया हूं, जो मैं तुम में देखता हूं, जो यीशु मसीह है और उसे क्रूस पर चढ़ाया गया। तुम्हारे बीच में क्रूस पर चढ़ाया हुआ उद्धारकर्ता, यही है जिसे मैं पहचानुंगा।"

88 उससे सुनो।

और मैं तुम्हारे साथ था... (महानता में? किस में?)... *निर्बलता में, और भय में, और... बहुत ही कांपते हुए।*

89 क्या आप एक मनुष्य की कल्पना कर सकते हैं, फरीसियों का एक फरीसी, शिक्षकों का एक शिक्षक, एक मनुष्य जिसे बचपन से प्रशिक्षित किया गया था (सेवकाई के लिए) एक बड़े–बड़े शब्दों का व्यक्ति होने के लिए जो चतुर और प्रतिभाशाली था, कि कुरिन्थियों जैसे लोगों के एक वर्ग के सामने आकर और कहे, "मैं तुम्हारे साथ निर्बलता में, और भय में था, और बहुत कांप रहा था"? एक मनुष्य जिसने संसार को घुमाकर उल्टा–पुल्टा कर दिया, सबसे बड़ी मिशनरी जिसे कभी जाना गया, उसने अंगीकार किया कि वह "निर्बलता में आया," ना ही एक प्रशिक्षित विद्वान के समान, लेकिन "निर्बलता में, भय में," कहीं ऐसा न हो कि वह मार्ग से भटक जाए। "बहुत कांपते हुए," क्योंकि वह अपनी खुद की योग्यता पर भरोसा नहीं कर सकता था।

90 कारण वह "डर" रहा था, ना ही इसलिए कि वह किसी भी चीज से डरता था, लेकिन वह डरा हुआ था कि वह किसी भी तरह से परमेश्वर को अप्रसन्न करे, कि वह अपनी खुद की योग्यता को इसमें न मिला दे; कुछ तो जो उसने सीखा था, जो उसके पास था... वह उन्हें बता रहा था कि, "मैं तुम्हारे पास बोलने की उत्तमता के साथ नहीं आया (मैं तुम्हारे पास *डरते* हुए आया हूं कि मैं उस तरह से आऊं), लेकिन मैं तुम्हारे पास आया हूं मसीह को छोड़ और किसी बात को न जानूं, वरन उसे क्रूस पर चढ़ाया हुआ।"

और मैं निर्बलता और भय के साथ, *और बहुत थरथराता हुआ तुम्हारे* पास आया हूं।

और मेरे वचन, और मेरे प्रचार में मनुष्य के ज्ञान की लुभाने वाली बातें नहीं, परन्तु आत्मा और... सामर्थ का प्रमाण था:

91 इस व्यक्ति को सुनना जो एक योद्धा था जिसने अपने आप को खाली कर दिया था। आमीन! यदि आज हमारे स्कूलों को किसी चीज़ की ज़रूरत है, यदि आज हमारे कलीसियाओ को किसी चीज़ की ज़रूरत है, वो है अपने आप को खाली करना, अपने खुद के विचारों को और अपनी खुद की योग्यताओं को। अपने आप को परमेश्वर के सामने खाली कर दो जब तक कि आप अपने आप से कुछ करने का कोशिश ना करें।

92 मैं आशा करता हूं कि आप... यह हमारे लिए ह्रदय की गहराई में जाये, यहां और टेप की दुनिया में भी, कि आप जान जाये कि आपको कुछ भी नहीं बनना है। ना ही यह सब कुछ जानने वाले, ना ही कोई महान व्यक्ति, लेकिन *कुछ भी नहीं।* आप हो... मिट्टी में जाना है। आपको एक ऐसे स्थान पर होना है जहां आप जान जाये कि आप कुछ भी नहीं हैं। और कभी भी इससे ऊपर मत उठना, क्योंकि जैसे ही आप इससे ऊपर उठोगे, ता आप परमेश्वर से भी ऊपर उठने लगते है। आपको अपने आप को मिट्टी में दमिश्क के रास्ते पर रखना होगा। आपको अपने आप को अपने ऊँचे घोडो से नीचे उतरना होगा। और यह हर कहीं के लिए है, यहाँ और जो टेप की दुनिया में है।

93 "मेरे शब्दों," उसने कहा, "ना ही... मनुष्य के लुभाने वाले शब्दों और मनुष्य के ज्ञान में, लेकिन आत्मा की सामर्थ के प्रमाण में।"

94 अब देखो! "किसलिए, पौलुस? तुम ऐसा क्यों करते हो?"

सामर्थ! *कि तुम्हारा विश्वास मनुष्य के ज्ञान पर स्थिर ना हो, लेकिन परमेश्वर की सामर्थ में हो।*

95 ओह, क्या ही प्रचारक है! यह महान व्यक्ति जो... उसने परमेश्वर को ढूंढा, और उसने कहा, "परमेश्वर, मैं निर्बल हूं और मैं—मैं नहीं जानता कि क्या करना है। मैं बस आपसे प्रार्थना करता हूं, परमेश्वर, कि मुझे शक्ति दीजिये और मेरी निर्बलताओं को मुझ से दूर करे, और इन चीजों को, ताकि मैं मजबूत हो सकूं।"

96 परमेश्वर ने उसे वापस उतर दिया, कहा, "पौलुस, मेरी सामर्थ तुम्हारी निर्बलता में सिद्ध हुई है।"

97 तब पौलुस ने कहा, "जब मैं निर्बल होता हूं तब मैं बलवंत होता हूं। जी हाँ!" उसने कहा, "तब होगा... मैं अपनी निर्बलताओं की कमजोरियों और इत्यादि पर महिमा करूंगा। मैं परमेश्वर को धन्यवाद देता हूं कि मैंने यह सब मुझमें से बाहर निकाल लिया। और जब मैं सब कुछ मुझ में से बाहर निकालता हूं, तब परमेश्वर अंदर आ सकता है। लेकिन जब तक मैं अपने आप का कुछ वहां रखे रहता हूं, तब परमेश्वर अंदर नहीं आ सकता है।"

98 वहां, यही है, हम—हम उसे रोककर बाहर कर देते हैं। हम उसे बाहर करते हैं हमारे... हममें से सबसे गरीब से लेकर सबसे धनवान तक, सबसे छोटे से लेकर सबसे बड़े तक, हम अपने स्वार्थ के कारण परमेश्वर को अपने जीवन से दूर रखते हैं।

99 मैंने हमेशा ही कहा है, "विलियम ब्रन्हम मेरा सबसे बड़ा शत्रु है।" वही है जो परमेश्वर के रास्ते में आता है। यही वो एक है जो सुस्त हो जाता है। वही एक ऐसा है जो कभी–कभी ऐसी स्थिति में पहुंच जाता है जहां उसे लगता है कि वह इस बारे में कुछ कर सकता है, और, जब वह ऐसा करता है, तो इससे परमेश्वर सीधे तस्वीर से बाहर हो जाता है। लेकिन जब मैं उस व्यक्ति से छुटकारा पा सकूं, जब मैं एक ऐसे स्थान पर पहुंच सकूं कि वो रास्ते से बाहर हो जाए, तब परमेश्वर वहां पर आ सकता है और उन चीजों को कर सकता है जिनके विषय में विलियम ब्रन्हम कुछ नहीं जानता है।

100 यही है जब परमेश्वर आपका उपयोग कर सकता है। यही है जब वह आप में से किसी का भी उपयोग कर सकता है। जब हम रास्ते से हट जाएँगे तो वह किसी का भी उपयोग कर सकता है। लेकिन जब तक हम खुद ही उसके रास्ते में आयेंगे, तब तक हम ऐसा नहीं कर सकते। तो ठीक है।

101 अब हम पाते हैं, यह महान व्यक्ति, पौलुस, वह एक—वह प्रचारकों के बीच एक राजकुमार था। उसका हर एक संप्रदाय के द्वारा सम्मान किया गया था। वह व्यक्ति किसी भी शहर में जाकर और कहीं भी सभा को कर सकता था। क्योंकि क्यों? उसके पास प्रमाण पत्र थे। क्यों, वह इतना महान था, और इतना ठान लिया कि सारे लोगों को जो कमजोर थे उन्हें मसल डालेगा, इतना तक कि उसे महायाजक से अधिकार मिला था, जो सबसे सर्वोच्च अधिकार, कि उनमें से हर एक मसीही को बेड़ियाँ डाले। उसकी कलीसिया से राजनीतिक अधिकार, कि उन सभी को बेड़ियाँ डाले! ओह,

वह ताकतवर था! वह मसीहो को बेड़ियाँ डालकर और उन्हें जेल में डाल सकता था क्योंकि वे उसके साथ उसकी धार्मिक शिक्षाओं पर सहमत नहीं होते, उन फरीसियों और सदूकियों की शिक्षाओं पर। वह मसीहो को बांध रहा था।

102 लेकिन, ध्यान दें, उसे स्वयं ही बंध जाना था, जिससे कि वह इसे खो सकता है, वह अपने शक्ति और अधिकार को खो सकता है। वह स्वयं बंध गया, कि वो उसे खो दे जिसे वह बाँधने की ताकत रखता था। उसे बंधने के लिए वो खोना था जो वह था।

103 परमेश्वर बड़े–बड़े लोगों से छोड़ आगे निकलता है! उसने याजको को छोड़ दिया। उसने उन लोगों को छोड़ दिया जो अहंकारी थे। और उसने पौलुस को चुना, इस महान व्यक्ति को, और उसे धरती की मिट्टी में गिरने को लगाया और उन चीजों को करता है जो वह... जैसे वे दूसरे कर रहे थे। उसने उनसे कार्य करवाया... उसने उससे उसी तरह से कार्य करवाया जैसे वे कर रहे थे जिन्हें वो गिरफ्तार कर रहा था। उसने पौलुस को परमेश्वर के आत्मा के द्वारा बांध दिया, ताकि उसे उस अधिकार से छुड़ाए जिसके द्वारा उसे मसीही लोगों को बांधना था। मुझे बताओ क्या परमेश्वर नहीं जानता कि वह क्या कर रहा है? उसने उसके—उसके नियंत्रण को ढीला करने के लिए उसकी शक्ति छीन ली।

104 आज सुबह परमेश्वर कितने सेवकों का उपयोग कर सकता है यदि वे केवल परमेश्वर को उसके वचन और उसकी सामर्थ के साथ बाँधने देते है, और उन्हें उन संप्रदायों और संगठनों की शक्ति से आजाद करते है! इस शहर में कितने सच्चे लोग हैं, आज सुबह, जो इन बड़े संगठन की कलीसियाओ में जाते हैं, कितने लोगों को वह पवित्र आत्मा से भर सकता है, और इस देश को सुसमाचार और सामर्थ से प्रज्वलित कर सकता है, यदि वे केवल उसे लेकर और अपने आप को उस सामर्थ से आजाद करे जो उनके पास है, और परमेश्वर की आत्मा के द्वारा बंध जाए, जैसे पौलुस बंधा हुआ था, परमेश्वर का प्रेम कैदी!

105 परमेश्वर ने पौलुस को लिया और उसमें से एक कैदी बनाया, उसे अपने आप में बांध लिया और उसे अन्यजातियों के पास भेज दिया, जिससे वह घृणा करता था। लेकिन, आप देखते हैं, उसे अपनी कलीसिया संबंधी सामर्थ से आजाद होना था, ताकि परमेश्वर की सामर्थ से बंधा हुआ हो।

उसे अपनी शक्ति को खोना था और निर्बल और कुछ भी नहीं होना था, जिससे कि परमेश्वर की सामर्थ को पा सके, ताकि परमेश्वर से बंधा रहे, कि वह वो करे जो परमेश्वर उसे करने के लिए कहता है।

106 यही है जो हमें आज करना चाहिए। यही है जिसकी मुझे आवश्यकता है। यही है जिसकी हर एक मनुष्य को आवश्यकता है, वह है खुद की हानि उठाये, उसकी योग्यता की हानि उठाये, जो वह है उसकी हानि उठाये, जिससे कि वह पूरी रीति से पवित्र आत्मा को समर्पित हो सके। गृहिणी को इसकी आवश्यकता है। स्कूल के लड़के को इसकी आवश्यकता है। हम लेते हैं... यहां तक कि हमारे छोटे बच्चे भी।

107 एक छोटा सा लड़का जिसके विषय में मैं सोच रहा हूं, कल दोपहर या परसों या उसके एक दिन पहले, उसने जाकर और अपनी सबसे बड़ी बहन को जल्दी से अपना पाठ लिखने के लिए कहा, और बाहर आकर और छोटे लड़कों को बताया, कहा, "व्यूह! वे प्रश्न आसान थे।" देखो, उन्हें लगभग धोखा देना सिखाया गया है।

108 कितना अच्छा होगा... और वे लोग कलीसिया के खम्भे है। यह पिता के लिए कितना अच्छा होगा, सुबह के नाश्ते के समय पर, जो कहे, "जॉन की आज परीक्षा होने जा रही है। हे परमेश्वर, जॉन के साथ होना! जॉन की सहायता करना! उसने मुझसे आज सुबह शयन कक्ष में पूछा, उसने कहा, 'पिताजी, आज मेरे लिए प्रार्थना करना, मुझे अपनी परीक्षा देनी है। मेरे लिए प्रार्थना करना।'"

109 बल्कि मैं चाहूंगा कि मेरे लड़के को उसके रिपोर्ट कार्ड पर एक—एक अच्छा, उचित "एफ" मिले, बजाये इसके कि मुझे पता चले कि उसे सीधा "ए" मिला है और इस पर नकल कर रहा है। जी हां, श्रीमान! हमें आवश्यकता है कि हम अपने आप को खोकर, पूरी तरह से परमेश्वर की सामर्थ पर निर्भर रहे।

110 अब, "बंधुवाई।" परमेश्वर बड़े–बड़े लोगो को छोड़ देता है और निर्बल को लेता है। परमेश्वर उन्हें छोड़ देता है जो सोचते हैं कि वे कुछ तो हैं, किसी को लेता है जो कुछ भी नहीं जानता है कि उनके जीवन में परमेश्वर का उद्देश्य पूरा हो सके। यही है जो हमें मिलता है।

111 परमेश्वर ने पौलुस से कहा, "मेरी सामर्थ तुम्हारी निर्बलता में सिद्ध है। जैसे–जैसे तुम और अधिक निर्बल होते जाते हैं, मेरी—मेरी सामर्थ

अधिक सिद्ध होती जाती है। जितना अधिक तुम मुझे समर्पित कर सकते हो, उतना ही अच्छी तरह मैं तुम्हे उपयोग कर सकता हूं। जितना अधिक तुम अपनी शिक्षा के विषय में भूल सकते हो, उतना ही अधिक तुम अपने संप्रदाय के बारे में भूल सकते हो, जितना अधिक तुम अपनी बेहूदा चीजों को भूल सकते हो और अपने आप को मुझे समर्पित कर सकते हो, उतना ही अधिक मैं तुम्हारा उपयोग कर सकता हूं। क्योंकि तू निर्बल हुआ है, मैं—मैं अपने खुद के उद्देश्य को मजबूत करूंगा।"

112 परमेश्वर निर्बलता में से सामर्थ को बना सकता है! यही कारण है कि वह हमेशा ही ऐसा करता है। जब उसने अपने चेलों को चुना, तो कौन सोचेगा...

113 उसके अपने खुद पुत्र की नम्रता जब वह एक चरनी में जन्मा था, एक गोबर के बाड़े में, गाय के चबूतरे में, और चीथड़े हुए कपड़े में लिपटा हुआ था! देखो, वह एक महल में से होकर आ सकता था। वह स्वर्ग के गलियारे से नीचे आ सकता था, और सारे... एक पूर्ण दूत की सलामी के साथ। लेकिन उसने मसीह को हमारे लिए उदाहरण होने के लिए चुना, हमारे लिए, और उसने उसे नम्रता में जन्म दिया।

114 उसने उसे इस संसार के विद्यालयों में कभी भी प्रशिक्षित नहीं किया, लेकिन उसने उसे अपनी खुद की सामर्थ के द्वारा प्रशिक्षित किया, कि... ताकि वह अपने आप को पूरी तरह से समर्पित कर सके, ना ही मनुष्य के विचारों या संसार की शक्ति के लिए, लेकिन स्वयं को परमेश्वर की सामर्थ के हवाले कर दिया।

115 और आज हम यही है, हम आज अपने आप को हमारे बड़े–बड़े संप्रदायों और क्षेत्रों में समर्पित करते हैं। हम अपने आप को संप्रदाय को समर्पित कर देते हैं, *वे* इसके बारे में जो कहते हैं, इसे भी वही कहना होगा। लेकिन यह परमेश्वर की इच्छा के विपरीत है। हमें अपने आप को परमेश्वर के आत्मा के लिए समर्पित करना है और वहां जाना है जहां आत्मा जाने के लिए कहता है। यह सही है।

116 परमेश्वर के इब्रानियों कि हम, या, परमेश्वर के योद्धा, मेरा मतलब, "वे नायक।" हमने अभी इब्रानियों की किताब में पढ़ा, 11वां अध्याय और 34वां पद।

... निर्बलताओ में से *बलवंत बनाया गया था*, ...

117 इससे पहले कि वे बलवंत हो सके, उन्हें निर्बल होना था। उनकी निर्बलताओ में से उन्हें बलवंत बनाया गया था। आप जो वचनों को लिख रहे हैं, वहां पर, इब्रानियों 11:34। तो ठीक है।

118 यहां हमें ढांढस देने के लिए कुछ है। यहां कुछ तो ऐसा है जो प्रोत्साहन देता है। निर्बलता और नम्रता में से परमेश्वर लोगों को चुनता है ताकि उसमें से अपना राज्य बनाये। यदि हम कभी स्वर्ग जाते हैं, यदि हम कभी परमेश्वर की उपस्थिति में उसकी कलीसिया के साथ खड़े होते हैं, तो हम उन लोगों के झुंड में खड़े होंगे जो निर्बल और अस्वीकार किए गए और संसार के द्वारा निकाले गए, और कुछ भी नहीं जानने वाले।

119 क्या यह विचित्र बात नहीं है कि परमेश्वर ने हमारी तुलना भेड़ से की? एक भेड़ वहां पर सबसे अधिक असहाय चीज होती है। भेड़ से ज्यादा अपर्याप्त रक्षाहीन और कुछ नहीं होता। एक खरगोश दौड़ सकता है; गिलहरी पेड़ पर चढ़ सकती है; एक कुत्ता काट सकता है; एक सिंह फाड़ सकता है; एक घोड़ा लात मार सकता है; एक चिड़िया उड़ सकती है; लेकिन एक भेड़ असहाय खड़ा होता है।

120 और इसी तरह से परमेश्वर हमसे चाहता है। हम यह अनुभव करते है कि हम पूरी तरह से अयोग्य हैं, तब परमेश्वर उस व्यक्ति को लेता है और स्वयं को उस व्यक्ति के अंदर ढालना आरंभ करता है; उसके हाथों से वो करने को लगाता है जो परमेश्वर के हाथों से करेंगे, उसके होठो से वही बोलने को लगाता हैं जो परमेश्वर के होठ बोलेंगे; क्योंकि वे उसके अंग नहीं हैं, वे परमेश्वर के हैं। वह एक चरित्र का निर्माण करना आरंभ करता है, इस निर्बलता को लेकर अपना स्वयं का निर्माण करना आरंभ करता है।

121 वह हमें यहां धरती पर लाता है, क्योंकि तब... हम शिक्षित हैं, हम बुद्धिमान हैं। क्या आपने कभी उन वंश की रेखाओं पर ध्यान दिया? जब कि हम उदाहरण के लिए लेते हैं, जैसे हाबिल में, हाबिल से शेत आता है; शेत का वंश ठीक आगे नूह के समय पर आया, वे सारे बस नम्र किसान ही थे। लेकिन कैन के बच्चे बुद्धिमान, चतुर, शिक्षित, बड़े पुरुष, राजमिस्त्री, पेशेवर पुरुष बन गए।

122 लेकिन इस तरफ परमेश्वर की ओर निर्बल और नम्र लोग थे। इसी तरह से परमेश्वर ने उनका उपयोग किया। यही परमेश्वर का अवसर होता है यही परमेश्वर का हम तक पहुँचने का तरीका है, जब हम निर्बल होते हैं।

तब हमें कुछ मिलता है। यह निश्चय ही हमें प्रोत्साहित करता है, क्योंकि परमेश्वर का सारा राज्य इसी प्रकार के लोगों से बना हुआ है। फिर जब आप इस प्रकार के रास्ते पर पहुंचते हैं तब आप—आप कर सकते हैं... आप उसके राज्य में होते हैं।

123 हमारे साथ मामला यह है कि... ऐसा नहीं है कि हम बहुत निर्बल हैं, मामला यह है कि हम बहुत ही बलवंत हैं। हम—हम—हम बस बहुत ही बलवंत है। ऐसा ही है। बात यह है कि हम दिमाग से बहुत ज़्यादा तेज हैं। यह सही बात है, हम अपने दिमाग में बहुत ही तेज हैं। हम बहुत अधिक जानते हैं। परमेश्वर इसे हम में से निकालना चाहता है। यह सही बात है। हम बहुत ही बलवंत है, हम बहुत ही बलवंत है कि उसके सामने झुके। हमारे पास... हम—हम अपने आप को समर्पित करे। हमें सोचना है, "ठीक है, अब, यहाँ, मुझे—मेरे पास जानने के लिए पर्याप्त समझ है!"

124 मैं कुछ रातों पहले चकित रह गया था जब माँ बीमार थी, वहां अस्पताल में थी। मैं वहां गया... बगल में एक छोटी महिला थी... यदि वह छोटी महिला यहाँ पर है, तो आप मुझे क्षमा करना, बहन। वह वहां से एक छोटी सी केंटकी की लड़की है, और हम... और वह उसकी सास थी। और मैं उस रात को उससे बात कर रहा था, पत्नी और मैं, वहां पर लगभग एक बजे सुबह के समय। और उसका पति फर्श पर लेट गया था और सो गया; उसने कहा, "यहां से चले जाओ! आप अपनी मां के लिए किसी भी तरह से अच्छे नहीं हैं।" और उसे, उसके पति को कमरे से बाहर निकाल दिया, इसलिए वह सीधे दरवाजे के बीच में लेट गया था जहां पर नर्से, कोई भी अंदर नहीं आ सकते थे; बस खर्राटे ले रहा था, फर्श पर लेटा हुआ। सो उसने उसे उठाया और उसे बाहर निकाल दिया।

125 और उसे वहां बात करनी है। मुझे उससे प्रभु के विषय में बात करनी थी, और इत्यादि। और उसने कहा, "ठीक है," उसने कहा, "मैं तो सिर्फ़ तम्बाकू के खेत में घुमावदार कुदाल को ही जानती हूं, सुबह भोर के समय पर, घास–फूस को हटाना और तंबाकू को चुसना, और इसी तरह के अन्य काम।" कहा, "लेकिन, मैं आपको बताती हूं," कहा, "पिता ने हम में से हर एक को स्कूल भेजा।" और कहा, "हमें अब भी कोई समझ नहीं है।"

मैंने सोचा, "ठीक है, हो सकता है यही कारण है।"

126 देखिए, आपको—आपको संसार की चीजों को अपने से दूर रखना है।

अब, मैं अज्ञानता का समर्थन नहीं कर रहा हूं, ऐसा नहीं—नहीं, लेकिन मैं यह सोचने की कोशिश कर रहा हूं जब आप एक ऐसे स्थान पर पहुंच जाते हैं जहां आप सोचते हैं कि आप बस—आप बस बहुत कुछ जानते हैं इतना तक कोई भी और इसके बारे में कुछ भी नहीं जानता। आपका ज्ञान तब तक ठीक है, जब तक यह—जब तक यह परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं के साथ दखल नहीं करता है।

127 हम पांच चेतनाओ के द्वारा नियंत्रित होते हैं, और वे पांच चेतनाए (देखना, चखना, महसूस करणा, सूंघना, और सुनना) बहुत अच्छे है जब तक वे विश्वास की चेतना को बाधा नहीं डालते फिर जब वे विश्वास के विरोध में आते हैं... और आप कैसे जानते हैं कि कौन सही है? क्योंकि विश्वास हमेशा ही वचन के साथ सहमत होगा। और फिर यदि—यदि आपका विश्वास वचन के विरोध में होता है, या आप सोचते हैं कि ऐसा है, तो फिर आपके पास विश्वास नहीं है। आपके पास एक बनावटी विश्वास है। आपको अपनी बुद्धि पर झुठा गर्व है, किसी विद्या ज्ञान का जिसके विषय में आपने सीखा है, या कुछ तो। लेकिन जब आप इससे दूर हो जाते हैं और पूरी तरह से विश्वास पर निर्भर होते हैं, और विश्वास केवल परमेश्वर के वचन पर बनाया जा सकता है (सही विश्वास पर)।

128 एक बार एक डॉक्टर ने मुझसे कहा, कहा, "मैं विश्वास करता हूं, बिली, यदि वे लोग... यदि आप उन्हें कहेंगे कि वहां जाकर और उस खम्भे को छूये, उस पेड़ को, और उन्होंने विश्वास किया कि वे चंगे हो जाएंगे, वे वैसे ही चंगे हो जाएंगे।"

129 मैंने कहा, "नहीं, श्रीमान। यह नहीं हो सकता, डॉक्टर, इस एक चीज के कारण, देखो, वे लोग जानते हैं कि यह केवल एक खंभा है। वे जानते हैं कि उस खंभे पर न तो कोई सद्गुण है और न ही कोई शक्ति है।"

130 लेकिन कोई भी मनुष्य जो मानसिक रूप से संतुलित है, वह जान जाएगा कि यह जीवित परमेश्वर का वचन है, कि मैं अपने विश्वास को उस पर आधारित कर सकता हूं और जानता हूं कि यह **यहोवा यों कहता है**! और यदि कुछ भी इसके विरोध में है, तो मैं अपनी चेतनाओ पर विश्वास नहीं करूंगा। नहीं, श्रीमान, इसे ऐसे ही छोड़ दे। अपनी दूसरी चेतना के द्वारा जाये, विश्वास की चेतना।

131 तो ठीक है, परमेश्वर उन लोगों को लेता है... जब वे कुछ नहीं होते हैं,

तो वे उसके लिए समर्पित हो जाते हैं।

132 शिकागो का डी. एल. मूडी, वह बोस्टन का था, वह एक जूता का मोची था; एक छोटा सा, छोटा कद का व्यक्ति, अयोग्य, जो अपने आप पर निर्भर नहीं था। अब, आप इन बड़े स्कूल को ले जो उनके पास है, वहां मूडी का स्कूल, यदि ड्वाइट मूडी फिर से उठ सकता है और उस विद्यालय को देख सकता, तो पहली चीज जो ड्वाइट मूडी करेगा वह उस स्कूल से छुटकारा पाना चाहेगा।

133 यदि मार्टिन लूथर खड़ा हो सकता, तो पहली चीज जो वह करेगा, वह है लूथरन संगठन से छुटकारा पाना चाहेगा। जॉन वेस्ली भी ऐसा ही करेगा। उन लोगों ने कभी भी उन संगठनों की स्थापना नहीं की, यह वे पुरुष थे जिन्होंने उनका अनुसरण किया, उन्होंने ऐसा किया।

134 पौलुस ने कभी भी कोई कलीसिया को संगठित नहीं किया, क्योंकि उसने खुद कहा, "मेरे चले जाने के बाद, तुम्हारे अपने ही लोगों की भीड़ तुम्हारे बीच में उठ खड़ी होगी, जो भ्रष्ट या दूषित बातें बोलेगी।" ऐसा पौलुस की मृत्यु के बाद हुआ था, और उसके सौ वर्ष (या दो सौ) वर्ष बाद, कि उन्होंने कैथोलिक कलीसिया को बनाया, जो पहला संगठन था।

135 मनुष्य उठ खड़े हुए! ऐसा मूडी की मृत्यु के बाद था जो उनके पास मूडी स्कूल था; वेस्ली की मृत्यु के बाद जो उन्होंने वेस्ली कलीसिया का गठन किया; लूथर की मृत्यु के बाद जो उन्होंने लूथर कलीसिया का गठन किया। परमेश्वर वीरों को भेजता है; और वे बनाते हैं...

136 कोई आश्चर्य नहीं यीशु ने कहा, "तुम—तुम जो सफेद दीवारे हो!" उसने कहा, "तुम—तुम भविष्यद्वक्ताओं की कब्रों को सजाते हो, और तुम ही वो एक हो जिसने उन्हें वहां डाला है!" यह सही बात है।

137 ये बड़े पुरुष उठ खड़े होते हैं; तब वे उनके लिए एक स्मारक को बनाते हैं। मैं सोचता हूं, बिल्कुल दाऊद की तरह, "उसकी खुद की पीढ़ी में परमेश्वर की अच्छी तरह से सेवा की।" तो इसे करने का यही तरीका है। वहां संस्थाओ और चीजो को, जो वहां पर है, अपने से दूर रखे।

138 मूडी, छोटा सा जूते का मोची, वह निर्बल था। वह निर्बलता का एक उदाहरण था। पहली बात यह कहती है कि मूडी ने की... उसके पास बिल्कुल भी कोई शिक्षा नहीं थी, और उसका व्याकरण बहुत ही खराब था कि यह बहुत ही बुरा था। एक बार एक व्यक्ति उसके पास आया और

कहा, "श्रीमान मूडी," कहा, "आपका व्याकरण सबसे ख़राब है जो मैंने अपने जीवन में कभी सुना है।"

139 उसने कहा, "मैं अपनी अज्ञानता के साथ प्राणों को जीत रहा हूं, आप अपनी शिक्षा के साथ क्या करते हैं?" मैं सोचता हूं कि यह एक अच्छा उत्तर था। निश्चय ही था!

140 और अब, आप उस स्कूल के सदस्य बन जाते हैं, आपको निश्चित रूप से एक चमकाया हुआ विद्वान होना है। यह सही है। [एक भाई कहता है, "अब इसे घुमा दिया!"—सम्पा।] अब, जी हाँ, उन्होंने "इसे घुमा दिया" ये सही है, यह सही है, दूसरी तरफ वापस जाये।

141 यही है जो लोग करते हैं। जब मैंने अपने संदेश के आरंभ में कहा... बजाये इसके कि मसीही लोग स्वयं को नम्र करे और परमेश्वर के स्थान को और अधिक पाने के लिए खुद को खाली करे, वे खुद को घर के बनाये हुए ज्ञान में बनाने की कोशिश करते हैं, या कुछ तकनीकी स्कूल के ज्ञान में, या कुछ तो, जो उन्हें परमेश्वर से दूर ले जाता है, उसकी तुलना में जब उन्होंने आरंभ किया था।

142 यही है जो मैं इन झूठी वेदी की पुकार के बारे में सोच रहा हूं। आप उसे अंदर लाते हैं, और अगली बार उसे फिर से वापस लाना दस गुना कठिन होता है। उसे बैठने दो और सुनने दो जब तक परमेश्वर उसके लिए कुछ नहीं करता! और फिर उसे आने दो और इसे अंगीकार करने दो, और उठकर, प्रभु के नाम को पुकारने दो। यह सही है।

143 ध्यान दें मूडी, शिक्षा में कमजोर, बोलने में कमजोर, वो अपनी नाक से सनसनाती आवाज़ निकालता। मैं उस दिन बस उसका इतिहास पढ़ रहा था, "उसकी नाक से सनसनाती आवाज आती थी, नाक की तकलीफ।" शारीरिक रूप से छोटा, गंजे सिर वाला, उसकी मूंछ नीचे लटकती थी... ? ... ; एक छोटा, नाटे कद का, छोटा सा व्यक्ति। भौतिक रूप से, वो एक शारीरिक रोगी था। इसलिए उसके पास हमेशा कमज़ोरी के अलावा कुछ नहीं था। लेकिन परमेश्वर ने उसे उसके दिन में संसार को हिलाने के लिए उपयोग किया!

144 एक बार एक रिपोर्टर उसकी सभा में गया था (मैं पढ़ रहा था), और रिपोर्टर, इस पर रिपोर्ट करने के लिए कि यह किस प्रकार का मनुष्य था (एक महान मनुष्य, एक महान व्यक्ति)।

145 वो छोटा सा बटन कहां है जिससे आप टेप को बंद करते हैं? यह है? मुझे बस इसे वहां पकडे रहना होगा।

146 एक—एक महान व्यक्ति, मूडी था। वह एक भला मनुष्य था। और इसलिए वह लोगों का ध्यान आकर्षित कर सकता था, उन्हें मोहीत कर सकता था। तो वहां एक पत्रकार श्रीमान मूडी के पास गया और कहा... जो सभा में गया था कि इस पर एक रिपोर्ट तैयार करे कि किस तरह का बड़ा कद...

147 जैसा कि रिपोर्टर ने तभी जाकर और एक और महान सुसमाचारक के बारे में रिपोर्ट को दिया, हाल ही में, कहा, "वह मनुष्य बड़े–बड़े शब्दों को बोलने वाला है। वह दिव्यता का विद्वान व्यक्ति है। वह सबसे अच्छे व्याकरण का उपयोग करता है जो मैंने कभी सुना है। वह लोगों को अपने मनोविज्ञान में रोके रखता है। वह लोगों को मोहित करके रोक सकता है।"

148 "ड्वाइट मूडी," जब रिपोर्टर वहां गया, कहा, "मैं नहीं देखता कि उसमें क्या है जो किसी को भी आकर्षित करे।" कहा, "पहली बात, वह इतना कुरूप है जितना वह हो सकता है। अगली बात, वह एक शारीरिक रूप से बीमार है। अगली बात" उसने कहा "वह है, उसके पास कोई पढाई–लिखाई नहीं है। उसका व्याकरण सबसे ख़राब है जो मैंने कभी सुना है!" और कहा, "जब वह प्रचार कर रहा होता है तो उसकी सनसन की आवाज़ आती है और जोर जोर से सांस लेता है।" और कहा, "मैं ड्वाइट मूडी में ऐसा कुछ भी नहीं देखता जो किसी का ध्यान आकर्षित करे।"

149 श्रीमान मूडी के पास लेख लाया गया था। उसने इसे पढ़ा, एक प्रकार से अपने आप से अंदर ही अंदर हंसा, कहा, "निश्चय ही नहीं; यह परमेश्वर है। निश्चय ही! लोग ड्वाइट मूडी को देखने नहीं आते हैं, वे परमेश्वर को देखने आते हैं।"

150 लोग परवाह नहीं करते हैं कि आप कितना अधिक गवाही को देते हैं, वे वहां आपके जीवन में कुछ वास्तविकता को चाहते हैं जो यह साबित करे कि परमेश्वर ने आपका नियंत्रण लिया है। आप मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, पेंटीकोस्टल हो, आप जो भी हो, वे परमेश्वर को देखना चाहते हैं। यह ठीक बात है, लोग... वे महान पुरुष, पुरुष जो निर्बल हैं और उनकी निर्बलता को महसूस करते हैं।

151 मूसा की ओर देखे, वह युवा बुद्धिमान व्यक्ति। ओह, वह एक विद्वान

था। वह मिस्त्र के लोगो की सारी बुद्धिमता में इतना अधिक प्रशिक्षित था यहाँ तक कि वह इब्रानियों को भी शिक्षा दे सकता था। वह मिस्त्र के लोगो को सिखा सकता था। वह किसी को भी शिक्षा दे सकता था, क्योंकि मूसा एक महान व्यक्ति था, चतुर व्यक्ति था। ओह, वह सामर्थवान मनुष्य था।

152 सेसिल डेमिल की इस अवधारण में, जब—जब उसने फिल्म *दस आज्ञाओं* को चलाया था, और उसके पास यह व्यक्ति आया था जो... मैं उस व्यक्ति के नाम को भूल गया जिसने मूसा की भूमिका निभाई थी, कोई तो अभिनेता था, लेकिन एक विशाल बड़ा व्यक्ति जिसके पास बड़े–बड़े हथियार और शक्ति है। और मूसा शायद इसी प्रकार का मनुष्य था।

153 हम जानते हैं कि वह बलवान था और अच्छी तरह से प्रशिक्षित था, इसलिए उसने खुद पर दायित्व को ले लिया, उस दिन की आवश्यकता को देखते हुए। (ओह, होने पाए परमेश्वर इस बात को हृदय में डाल दे!) उस दिन की आवश्यकता को देखते हुए, मूसा अपनी बौद्धिक सामर्थ के साथ और उसकी योग्यता जिसके साथ उसे यह करना था... वह एक चतुर व्यक्ति था। वह आगे होने वाला फिरौन था। उसके पास मनोविज्ञान था। उसके पास—उसके पास ताकत थी। उसके पास शारीरिक शक्ति थी। उसके पास—उसके पास सब कुछ था। इसलिए उसने कहा, "मैं अच्छी तरह से सुसज्जित हूं। मैं यह सब जानता हूं। और यदि देश में कोई मनुष्य है जो इसे कर सकता है, तो वो मैं हूं। इसलिए, मैं इस समय का वो मनुष्य हूं इसलिए मैं कदम को आगे बढ़ाऊंगा।" और वह एक ऐसे कार्य को पूरा करने के लिए बाहर निकला जो सही था और परमेश्वर की इच्छा में था, और उसने अपनी स्वाभाविक योग्यताओं को सामने रखा। और परमेश्वर ने इसे अस्वीकार कर दिया! वह मूसा की एक चीज का भी उपयोग नहीं कर सकता था।

154 वह उस वक्त इसका उपयोग नहीं कर सकता था, ना ही वह... ना ही वह अभी इसका उपयोग कर सकता है। परमेश्वर हमारी स्वाभाविक योग्यताओं का उपयोग नहीं कर सकता है। हमें अपने आप को और अपनी योग्यताओं को रास्ते से हटाना होगा, और परमेश्वर की इच्छा और सामर्थ के सामने समर्पण करना होगा।

155 कहते है, "भाई, मैं प्रचार कर सकता हूं।" वह इसका उपयोग नहीं कर सकता जब तक *आप* प्रचार कर सकते हैं। "इसमें कोई बात नहीं, मैं *यह*

कर सकता हूं, मैं *वो* कर सकता हूं।" आप कुछ नहीं कर सकते। अच्छी बात है, तब परमेश्वर इसका उपयोग नहीं कर सकता है। लेकिन यदि आप अपने आप को परमेश्वर को समर्पित करेंगे और उसे ये करने देते है!

156 आप कहते हैं, "भाई ब्रन्हम, मुझे पता है। मैं एक शिक्षक हूं।" तो ठीक है, जब तक *आप* शिक्षक हैं, क्यों, वह ज्यादा आगे नहीं बढ़ पाएगा। लेकिन पवित्र आत्मा हमारा शिक्षक है। निश्चय ही, ये है! परमेश्वर ने पवित्र आत्मा को कलीसिया का शिक्षक होने के लिए भेजा।

157 कुछ लोग वर्षों और वर्षों और वर्षों तक स्कूल जाते हैं। वे क्या करते हैं? ऊपर वाले कमरे से लेख पढ़ते है, और इत्यादि (ओह, यह अच्छा है) आप नेशनल संडे स्कूल के पाठ को लेते है। मेरे पास इसके विरोध में कुछ भी नहीं है। यह परमेश्वर के वचन है, और इत्यादि, लेकिन इसे पूरी तरह से बुद्धिमानी के साथ रखा गया है! इसे तो सामर्थ और मसीह के पुनरुत्थान के द्वारा आना है, और आप अपनी स्वाभाविक योग्यताओं पर निर्भर नहीं रह सकते।

158 तो, मूसा, यह युवा, अच्छा मजबूत विशालकाय, बुद्धिमान व्यक्ति, वह एक अच्छा काम करने के लिए निकल पड़ा; लेकिन परमेश्वर इसका बिल्कुल भी उपयोग नहीं कर सकता था। वह उसकी स्वाभाविक योग्यताओं का उपयोग नहीं कर सकता था।

159 और हम नहीं कर सकते... आज ऐसा नहीं है, कि हम नहीं कर सकते... परमेश्वर हमारी स्वाभाविक योग्यताओं का उपयोग नहीं कर सकता है।

160 लेकिन मूसा में एक बात थी जिसे मैं प्रशंसा करता हूँ, उसमें इतनी समझ थी कि वह जानता था कि वह हार चुका है। हम नहीं जानते है। ऐसा ही है। "हम एक *नयी* संप्रदाय बनायेंगे। हम किसी और को लेंगे जिसके पास चंगाई का दान है, या कुछ तो," पेंटीकोस्टल, आप देखिये। समझे? हम—हम बस इतना नहीं जानते कि समझ सकें कि हम हार चुके हैं। पेंटीकोस्टल कलीसिया, असेंबली ऑफ गॉड, यूनाइटेड, वे बाकी के सारे, ऐसा लगता है कि उनमें यह समझने की क्षमता नहीं है कि वे हार चुके हैं। हाल्लेलुय्या! ओह, ओह, काश मैं इसे पक्का कर पाता। वे हार चुके हैं। कलीसिया का संगठन हार चुका है! उसी तरह जैसे कि यह संयुक्त राज्य अमेरिका हार चुका है, कांप रहा है और डर रहा है, और उनके लिए वहां बम लटक रहे हैं, उन्हें पता है कि उन्होंने नाचते–नाचते अपनी ज़िंदगी

को नरक में पहुँचा दिया है। और वे हारे हुए है, आत्मा उनमें से चला गया है। आपको सेना में भर्ती होने के इच्छुक युवकों को खोजने के लिए बहुत खोजबीन करनी पड़ेगी; उन्होंने देखा है कि पिछले युद्ध में क्या हुआ था।। हम हार गये हैं! कलीसिया हार गयी है। वे यह जानते हैं।

161 मूसा ने इसका अनुभव किया, तब वह अच्छी तरह से जान गया तब... परमेश्वर उसे पीछे, जंगल में ले जाकर कुछ मनुष्य की कमजोरियाँ सिखाईं। वह उसे यह जानने के लिए पीछे लेकर गया कि यह सब किस विषय में था। उसने बहुत अच्छी तरह से सीखा! ओह, प्रभु, ओह, क्या उसे कभी कोई सबक मिला! परमेश्वर ने अवश्य ही उसके साथ वहां पीछे समय बिताया होगा! आप जानते हैं, मूसा का स्वभाव चिढ़चिढ़ा था; और परमेश्वर ने उसे एक पत्नी दी जिसका नाम सिप्पोरा था, उसकी भी यही समस्या थी। इसलिए तो मैं कल्पना करता हूँ कि वहां पीछे रेगिस्तान में सब कुछ थोड़े समय के लिए इतना सुखद नहीं था, जब दोनों ही उनके गुस्से में एक साथ नियंत्रण से बाहर हो जाते।

162 मुझे लगता है कि मनोविज्ञान किस तरह से व्यक्ति को नियंत्रित करना चाहिए, इस बारे में उसकी बौद्धिक धारणा ज्यादा काम नहीं आई। क्योंकि, जब वह वहां मिस्र के रास्ते पर था, मैं देखता हूं कि सिप्पोरा अब भी गुस्से में थी। उसने अपने बेटे की खतना की खाल काट दी और उसे मूसा के सामने फेंक दिया, और कहा, 'तुम मेरे लिए एक लहू बहाने वाला पति है।"

163 और परमेश्वर उस पर बहुत ही क्रोधित था कि उसने... उसके लिए सराय में देखा, यदि वो उसे पा सकता था तो वो उसे मार डालता। मैं सोचता हूं कि वहां कुछ छोटी–छोटी बातें थी जो परमेश्वर ने उसे वहां पीछे सिखाई थी, देखो, कि वह एक मनुष्य था। उसकी मिस्र का सारा ज्ञान और उसकी सारी बुद्धि की सामर्थ, परमेश्वर उनमें से एक का भी उपयोग नहीं कर सकता।

164 आप आकर, कहते हैं, "अब, प्रभु, मुझे अब शिक्षा लेते हुए चालीस वर्ष हो गए हैं, मैं एक—मैं एक बुद्धिमान छात्र हूं। मैं अपनी आंखें बंद करके उस बाईबल का हवाला दे सकता हूं।" परमेश्वर इसका जरा सा भी उपयोग नहीं कर सकता। देखा? नहीं।

165 "ओह, मैं उस देश की सबसे बड़ी कलीसिया से सबंध रखता हूं। मैं—मैं... मैं *यह* हूं, प्रभु। ओह, मैं पेंटीकोस्टल हूं। मैं... परमेश्वर की महिमा हो!

मैंने उस रात्रि पवित्र आत्मा को पाया। हाल्लेलुय्या! आप मुझे *ऐसा–और–ऐसा* करवाने के लिए तैयार करे।" परमेश्वर इसका जरा सा भी उपयोग नहीं कर सकता। नहीं!

166 जब कभी भी आप हार जाते हैं और अनुभव करते हैं कि आपकी हार हो चुकी है, और तब वापस आकर अपने आप को नम्र करे। निर्बल हो जाये, जान ले कि आप मनुष्य हो। और आपका कोई भी बुद्धिजीवी ऐसा नहीं कर सकता... मनुष्य की निर्बलताये कभी भी परमेश्वर के द्वारा उपयोग नहीं की जायेगी; परमेश्वर मनुष्य की निर्बलताओ के द्वारा स्वयं को आपके अंदर उंडेल देता है, उसके बाद वह स्वयं का उपयोग करता है। आप बस एक जरिया बन जाते हैं। निश्चित रूप से! आपको अपने आप को रास्ते से हटाना होगा।

167 मूसा, ओह, उसने सीखा, उसने मनुष्य की निर्बलताओ को बहुत अच्छी तरह से सीखा। उसने इसे इतनी अच्छी तरह से सीखा, इतना तक, जब परमेश्वर ने उसे बुलाया, तो उसकी सात कमजोरियां थी कि वह परमेश्वर की बुलाहट के विरोध में वाद–विवाद कर सकता था। क्या आपने कभी निर्गमन के पहले भाग में अध्ययन किया, सात निर्बलताये? मैंने—मैंने उन्हें यहाँ लिख कर रखा है। मैं चाहता हूं कि आप उन्हें सुने। उसकी पहली कमजोरी एक संदेश की कमी थी। दूसरी कमजोरी जो उसके पास थी वो अधिकार की कमी थी। उसकी तीसरी कमजोरी बड़े–बड़े शब्दों को बोलने की कमी थी। चौथी थी अनुकूलित होने की। पाँचवी थी सफलता। और छठी स्वीकृति।

168 अब, आप अपना उसके साथ तुलना करें और देखें कि क्या आप उस स्तर तक आ सकते हैं, देखें कि क्या आप उतने ही निर्बल हो सकते हैं जितना वो था। "प्रभु, मैं—मैं अच्छा नहीं हूं। मैं बोल नहीं सकता। मैंने—मैंने—मैंने एक मिस्त्री की हत्या की। मैं वापस नहीं जा सकता। ओह, हे एक चीज! वे मुझे ग्रहण नहीं करेंगे। मेरे पास कोई संदेश नहीं है। मेरे पास... मैं बोल नहीं सकता। और मैं—मैं बोलने में धीमा हूं।" और देखा कि वो कैसा था? वह कुछ भी नहीं था! भाई, वह निरोगी हो गया था। जी हाँ, परमेश्वर उसके निरोगी होने के बाद उसका उपयोग कर सकता था। समझे? जी हां।

169 यही है... वह हमारे निरोगी होने के बाद हमारा उपयोग कर सकता है, यह देखने के लिए कि "मेरी पीएच.डी. और एल.एल.डी. और दुगनी

एल.डी. की डिग्री," या जो कुछ भी हो सकता है, "मेरी सारी डिग्री कुछ भी मायने नहीं है।" परमेश्वर उनका उपयोग नहीं कर सकता!

170 "ठीक है, मैं असेंबली ऑफ़ गॉड से हूं। मैं वननेस से हूं। मैं एक बैपटिस्ट हूं। मैं एक प्रेस्बिटेरियन हूं।" परमेश्वर इसका जरा सा भी उपयोग नहीं कर सकता है! जितनी जल्दी आप इससे दूर हो जाते हैं, हो जाए, तो ठीक है, आपके लिए अच्छा होगा कि आप—आप—आप अपने आप को परमेश्वर को सौंप दें।

171 जैसे भविष्यवक्ता था, कहा, "मैं अशुद्ध होठों वाला मनुष्य हूं, और अशुद्ध लोगों के बीच में रहता हूं।" और दूत ने जाकर और एक—एक चिमटा लिया, और वेदी के पास गया और अग्नि का कोयला लिया और उसके होठों को लगाया। तब वह चिल्ला उठा, "प्रभु, मैं यहां हूं; मुझे भेज।" जी हाँ, जब उसने यह जान लिया था कि वह... फिर भी एक भविष्यव्यक्ता होने पर, उसके होंठ अशुद्ध थे।

172 जल्द ही हम अनुभव कर सकते हैं कि हम—हम कुछ भी नहीं हैं, कि आप कुछ भी नहीं हैं, आप धरती की मिट्टी हैं... परमेश्वर आपका उपयोग नहीं कर सकता... जी हां, आपका अनु–... आपकी सारी निर्बलतायें मूसा से मेल नहीं खायेगी। यहां उसके पास छह अलग–अलग निर्बलतायें थीं, और उसने मनुष्य की निर्बलताओ को सीखा था।

173 अब मूसा के परमेश्वर से *उस* भेंट करने के बीच के अंतर को देखें, और *मूसा* उस ओर देख रहा है... ?... आज की तरह। कहा, "कहे तो, हमें *फलां–और–फलां* की आवश्यकता है! हमें देश में एक बेदारी की आवश्यकता है। मैं आपको बताऊंगा कि मैं क्या करने जा रहा हूं, मैं वापस जा रहा हूं और तब तक अध्ययन करूंगा जब तक मैं अपनी बेचलर ऑफ़ आर्ट की डिग्री नहीं ले लेता। उह–हुंह! मैं वापस जा रहा हूं और अध्ययन करूंगा जब तक कि मैं एलएल. डी के रूप में नियुक्त नहीं हो जाता। मैं साहित्य का अध्ययन करने जा रहा हूं। मैं यह सब करने जा रहा हूं, तब मैं बाहर जाऊंगा और मैं 'इस समय का मनुष्य बन जाऊंगा।' मैं इन सभी लोगों को दबा दूंगा जिन्होंने यहां से आरंभ किया है।" (ओह, भाई!) "मैं अपने लिए तीन लाख डॉलर की इमारत बनाऊंगा। मैं अपने लिए एक दर्जन कैडिलैक गाड़ियाँ लूंगा। और... " ओह, भाई! आप हो सकता है—आप हो सकता है आरंभ ही ना करें, क्योंकि आप आरंभ से ही हारे हुए हैं, आप

देखो। लेकिन इसकी परेशानी यह है कि वे इसे नहीं जानते हैं!

174 वे सोचते हैं कि आपके घुंघराले बाल होने चाहिए और टक्सीडो सूट पहने हुए होने चाहिए और कहे "क्या बात है" बहुत सुंदर हो, और सब इस तरह से हो, और एक राजकुमार हो। यह एक स्त्री का कठपुतली हो!

परमेश्वर ऐसे पुरुष चाहता है, धर्मी पुरुष, ऐसे पुरुष जो हिला सकें!

175 लेकिन आज हम हॉलीवुड को चाहते हैं। हम कुछ तो चाहते हैं जो—जो आंख को आकर्षक करता है। हम कुछ तो ऐसा चाहते हैं जो इतनी बुद्धिमानी के साथ बोल सके कि वह हमें पांच मिनट के लिए सोने दे सके, जबकि वह... रविवार की सुबह को।

176 परमेश्वर अलगाव करने वालो को चाहता है, जिसे वो एक बिजली की चमक की तरह आगे भेजकर, पाप को जड़ तक दोषी ठहरायेगा, (यह सही है) जो इसे खोदकर निकालेगा।

177 लेकिन हम... हम अपने बुद्धिमान पास्टर लोगों को चाहते हैं। अधिकांश लोग बहुत ही धीरे से बोलने वाले पास्टर को चाहते हैं, कोई तो जो कहे, "हाँ, प्रिय।"

परमेश्वर बिजली से गरजने वालों को चाहता है! जी हां, श्रीमान।

178 उन्हें पीठ पर थपथपाये, और उन्हें छोटे बाल और श्रृंगार करने दे, और बाकी की हर एक चीज, और वे कपड़े पहनने दे जिन्हें वे पहले पहनते थे, और इस तरह से सब कुछ, और इसके विषय में एक शब्द भी नहीं कहे।

179 महान व्यक्ति ने मुझे यहाँ अपने ऑफिस में बुलाया, (न कि उसके ऑफिस में) अपने कार्यक्षेत्र के ऑफिस में, यहाँ ज्यादा समय नहीं हुआ, कहा, "मैं आप पर हाथ रखना चाहता हूं कि आप इसे करना रोक दे!"

मैंने कहा, "आप ऐसा ना करें। आप इसे ना करें। नहीं, श्रीमान।"

180 जब आप इसे रोकते हैं, तो आप संदेश को रोक देते हैं। जब आप ऐसा करते हैं तो आप परमेश्वर को रोकते हैं। जी हां, श्रीमान। हम ऐसा कुछ नहीं चाहते।

181 क्या परमेश्वर ने मूसा के प्रति उसकी सारी निर्बलताओ के लिए खेद महसूस किया, कहते हुए, "बेचारा छोटा मूसा, कुछ तो—कुछ तो निश्चित रूप से तुम्हारे साथ घटित हुआ है, तुम अपनी डिग्री से गिर गए हो। ओह, प्रभु! यहाँ, हाँ, तुम एक महान व्यक्ति थे, एक बुद्धिमान, और तुम्हे रोकने

वाला कोई भी नहीं था। भाई, तुम्हारे पास आपकी सारी पीएच. डी. और एलएल. डी, और सब कुछ था, और अब यहाँ तुम यह अंगीकार करते हुए आये हो कि तुम कुछ भी नहीं हो, तुम कुछ भी नहीं कर सकते हो। तुम—तुम बिल्कुल निर्बल हो"? नहीं! परमेश्वर को उसके लिए खेद नहीं था। परमेश्वर ने उस पर कभी सहानुभूति नहीं जताई। परमेश्वर ने उसे उस सारी चीजो से निरोगी कर दिया था। उसे उसके लिए खेद नहीं था।

182 लेकिन हम पाते हैं, यदि आप इसे लिख रहे हैं, तो यह निर्गमन 4:14 है, "परमेश्वर का क्रोध उस पर भड़क उठा था।" परमेश्वर को उसके लिए खेद नहीं था क्योंकि वह निर्बल था।

183 आप कहते हैं, "हे प्रभु, मुझे बस बहुत बुरा लग रहा है, मैं विश्वास नहीं करता कि मैं इसे कर सकता हूं।" परमेश्वर आपके प्रति खेद महसूस नहीं करता; ऐसा महसूस करता है कि आपको थोड़ा सी फटकार को लगाये। देखा? देखा? निश्चय ही। परमेश्वर आपके लिए खेद महसूस नहीं करता; वह—वह आप पर क्रोधित हो जाता है। आप अभी उस आकार में आ रहे हैं जहाँ वह आपका उपयोग कर सकता है। जी हां।

184 मूसा निरोगी हो रहा था, परमेश्वर उसका उपयोग कर सकता था। उसके पास इलाज था, वह तब मानवीय योग्यताओं से दूर था। उसके पास कुछ भी नहीं था जिस पर वह निर्भर रह सके, क्योंकि वह—वह तब सेवा के लिए तैयार था।

185 परमेश्वर ने कहा, "चालीस वर्षो से यहाँ मैंने तुम्हें और सिप्पोरा को झगड़ते हुए और इधर–उधर यहाँ इस जंगल में लेकर जाते हुए देखा है, क्या तुम मनुष्य की कमजोरी को देख सकते हो या नहीं, जहां तुम एक बड़े राजकुमार के नाई खड़े हो, 'हेल्लो, डॉक्टर मूसा। सुप्रभात, आदरणीय, श्रीमान। जी हां, श्रीमान। मूसा, आप आने वाले राजकुमार है। सब... हम सब तुम्हारे बारे में सोचते हैं।' अब तुम यहां रेगिस्तान में हो, भेड़ों के झुंड के साथ और एक झट क्रोध करने वाली पत्नी के साथ।" देखा? इसने उसे ठीक कर दिया। जी हां, श्रीमान। मूसा एक भयंकर आकार में था, लेकिन उसने कहा, "अब मैं तुम्हारा उपयोग कर सकता हूं, जब तुम जान गये हो कि तुम कुछ भी नहीं हो। अब इस जलती हुई झाड़ी के पास ऊपर आ जाओ, मैं तुम्हें वहां पर नीचे उस ओर भेजना चाहता हूं।" ओह, प्रभु!

186 परमेश्वर, हमें इसी प्रकार के कुछ और भी दे, हमें कुछ और निर्बलतायें

दे। यही है जिसकी हमें आवश्यकता है, कुछ निर्बलतायें। निश्चय ही!

187 यह याकूब था, आप जानते हैं। याकूब ने सोचा कि वह एक समय एक महान व्यक्ति था, आप जानते हैं, और वह धोखा देकर किसी भी चीज़ में कामयाब हो सकता था। जाकर और छीली हुई छडिय़ों को रखा, जहां उसके ससुर की भेड़ और गाय–पशु थे जब वे गर्भवती हुए थे, और धारीवाले, चित्तीवाले भेड़ कर दिया, और उनके साम्हने रख देता था जब वे पानी पीने के लिये आई। और, पहली बात जो आप जानते हैं, याकूब एक महान व्यक्ति बन गया। निश्चय ही। वह एक... "वह वास्तव में *याकूब* कहलाया, कोई गलती नहीं," ऐसाव ने कहा, "उसे 'छल से निकाला गया' था।" इसलिए वह एक धोखेबाज था। वह अच्छी उन्नति के साथ आ रहा था, उसके पास बहुत सारे झुण्ड थे और पत्नियां और भेड़ और गाय–बैल और बैल थे, और—और सब कुछ था, उसके पास हर एक चीज थी।

188 लेकिन एक रात (ओह, प्रभु!) जब वह एक समय एक छोटे से बहते झरने के पास गया, वो वहां उस पार जा रहा था, वह एक स्थान पर आया कि एक दूत ने उसे पकड़ लिया। भाई, बुढा याकूब सारी रात उसे पकडे रहा। निश्चय ही वह लंबे समय तक पकड़े हुए था। लेकिन जब उसने खुद को समर्पित कर दिया, जब वह निर्बल हो गया और अब और नहीं पकड सका...

189 हे परमेश्वर, कलीसिया को इस तरह से होने दो, कि लेने के लिए... कलीसिया एक ऐसे स्थान पर पहुंच जाये जहां वह अपनी स्वाभाविक योग्यताओं के साथ और अधिक समय तक नहीं पकड़ सके, लेकिन उसे परमेश्वर को समर्पित कर दे। मेथोडिस्ट को खुद पर लज्जित होने दो कि वे मेथोडिस्ट हैं। बैपटिस्ट और पेंटीकोस्टल अपने आप से लज्जित होने दो, और रुककर पकडे रहे, और आत्मा को समर्पित करे।

190 ऐसा तब हुआ था कि याकूब "परमेश्वर का एक राजकुमार" बन गया। बाईबल ने कहा कि वह "एक राजकुमार" बन गया, और उसका नाम बदल दिया गया था। देखा? और—और, याद रखें, वह *इस* ओर एक महान बलवंत मनुष्य था, बौद्धिक रूप से बहुत ही तेज; लेकिन *उस* ओर वह एक लंगडाता हुआ राजकुमार था, निर्बल और थका हुआ, लेकिन परमेश्वर के समक्ष सामर्थी था।

191 जी हाँ, आप हो सकता है... आपका संगठन टूट कर टुकड़े–टुकड़े हो

सकता है। आस–पड़ोस में आपकी प्रतिष्ठा, आप हो सकता है "एक पुराने चलन के कौवे" हो, तब से लेकर, आस–पड़ोस में। यह हो सकता सही हो। लेकिन मैं आपको बताऊंगा, आपके पास परमेश्वर के साथ सामर्थ होगी। मैं बल्कि ऐसा ही होना चाहूंगा। मैं कभी भी उस रास्ते को अपना लूंगा।

192 चेले वापस आये और आनन्दित हुए क्योंकि वे खुश थे कि उन्हें यीशु और उसके उद्देश्य की निंदा को सहने योग्य समझा गया। निश्चय ही! वे आपको "पवित्र शोर–शराबा करने वाले" कहेंगे।

193 एक बार उस स्थान से बाहर निकलो, इस बात को टूटने दो। आपके इस कहने से अलग हो जाये, "ठीक है, कहे तो, मैं एक मेथोडिस्ट हूं," या "प्रेस्बिटेरियन" या "मैं असेंबली हूं," "मैं वननेस हूं, मैं उतना ही अच्छा हूं जितने कि आप हो।" तो ठीक है। केवल एक बार उस से बाहर निकलो, रास्ता दो। सब ले...

194 एक बार दूत आपको पकड़ने दो, प्रभु का दूत जो आपके लिए संदेश की सच्चाई को लाएगा। उसे एक बार आप को पकड़ने दो, आप सीधे यीशु के नाम में बपतिस्मा के लिए नम्र हों जायेंगे, आप इसके बाकी के सारी बातों के लिए नम्र हों जायेंगे। जी हां, आप हो जायेंगे, आप निश्चय ही इसे करेंगे। जी हाँ, आप—आप बस इन सारे बुद्धिमानी की बातों को भूल जायेंगे।

195 कुछ दिनों पहले, मेरे सबसे प्रिय मित्रों में से एक, एक भले मनुष्य ने मुझसे कहा, मेरे इंटरव्यू के बाद कमरे को छोड़ते हुए, कमरे से निकला, कहा, "भाई ब्रन्हम... " और यह व्यक्ति वहां सभा में मेरे आर्थिक सहायता में से एक रहा है। एक ऐसे स्थान पर आ गया जहां मैं नहीं जानता था कि मैं कैसे चीजों को करूंगा, बस परमेश्वर पर भरोसा कर रहा था; यह व्यक्ति इसे नज़रअंदाज़ करेगा। जी हाँ, जो बस एक भला व्यक्ति है! और इस व्यक्ति ने एक यात्रा की और एक बड़े शहर से आया, यहाँ कुछ रातों पहले, और कमरे में खड़े होकर और मुझसे कहा, एक शाम को, कहा, "भाई ब्रन्हम," कहा, "मैं बस एक बात कहना चाहती हूं।" कहा, "ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है जिसे मैं जानती हूँ, जो आपसे प्रेम न करता हो।"

मैंने कहा, "मैं इसके लिए बहुत खुश हूं।"

196 कहा, "भाई ब्रन्हम, वहां केवल एक ही चीज है, एक चीज गलत है।"

मैंने कहा, "वो क्या है, बहन? "

197 कहा, "तो, वो बात यह है, भाई ब्रन्हम, कि यदि आप बस उस शिक्षा पर थोड़ा समझौता कर ले जो आपकी है," कहा, "हर एक संस्था आपको स्वीकार कर लेगी।"

198 मैंने ठीक तब देखा, मैंने सोचा... मैंने कहा, "बहन, वो कौन सी शिक्षा है? "

और कहा, "ओह, वह बपतिस्मा जो यीशु के नाम का है।"

199 "ओह!" मैंने कहा, "लेकिन, बहन, आप मुझसे परमेश्वर के वचन पर समझौता करने की अपेक्षा नहीं कर सकती और फिर भी परमेश्वर का सेवक बना रहूं।"

200 और कहा, "ठीक है, यहाँ, इस बड़े शहर में कई सेवक हैं जिनका प्रतिनिधित्व करने के लिए मैं यहाँ आया हूँ।" कहा, "यदि आप उन्हें बताएं कि प्रभु का दूत जिसने आपको ये दर्शन देता हैं, आपको यीशु के नाम में बपतिस्मा देने के लिए कहा है, तब वे इसे स्वीकार करने को तैयार हैं।"

201 "ठीक है," मैंने कहा, "उनका अनुभव बर्तन के जल से भी कमजोर है!" मैंने कहा, "मैं परवाह नहीं करता कि कोई दूत क्या कहता है, यदि यह वचन के अनुसार नहीं है तो मैं इसका विश्वास नहीं करता!" मैंने कहा, "यदि वो दूत मुझे उससे कुछ अलग बताता है, तो मैं उस दूत का विश्वास नहीं करूंगा।" ठीक है! सबसे पहले परमेश्वर का वचन है, सारे दूतो से ऊपर और हर एक चीज से ऊपर! एक सच्चा दूत... मैंने कहा, "यदि उसने मुझे यह नहीं बताया, तो मैं उसकी नहीं सुनूंगा।" जी हां।

202 महिला नहीं समझ पाई कि क्या करना है। उसने कहा, "मैंने इस प्रकार के विषय में कभी भी नहीं सुना। मैं इसके विषय में कभी नहीं जानती थी।" देखिये, आप वहां पर है। इसलिए मैं उस छोटी महिला को कुछ वचन को दिया। और उसने कहा, "मैं सीधे घर वापस जाकर और नए नियम का अध्ययन करूंगी। मैंने इसका कभी भी अध्ययन नहीं किया।" देखिये, आप वहां पर है। ओह, प्रभु! ओह, प्रभु! यही है जहां आप इसे समझते है। ओह, प्रभु!

203 पकडे रहने का यत्न करना छोड़ दे। ढीला छोड़ दे! यही है जो आप करना चाहेंगे: ढीला छोड़ दे। याकूब, जब उसने ढीला छोड़ दिया तो वह ठीक था, वह एक राजकुमार बन गया और उसके पास परमेश्वर की सामर्थ थी।

204 यह *छोटा* दाऊद था, उसके शाऊल की कलीसिया से संबंधित जैकेट पहने हुए था, जो गोलियत से लड़ने के—के—के लिए निकला था। और जब दाऊद इस सारे बड़े–बड़े हथियारों के साथ गोलियत से लड़ने के लिए वहां पर निकला, उसने चारों ओर देखा, उसने पीछे मुड़कर देखा, वह बाकी लोगों की तरह दिखाई दिया, सो उसने कहा, "यहाँ कुछ तो गड़बड़ है।"

205 जब तक आप संसार के समान हैं और संसार के साथ समझौता करते हैं, और उसी चीज को कर रहे है जो संसार करता है, वहां कुछ तो गड़बड़ है।

206 दाऊद ने कहा, "यह बहुत ही दृढ़ दिखाई देता है। मेरे पास डॉक्टर की डिग्री है, मेरे पास पीएच.डी. है। देखो, मैं एक बड़े संगठन से संबंध रखता हूं, मैं भला कभी इन सारी चीजों के साथ कैसे लड़ सकता हूं? मैं इसके बारे में कुछ नहीं जानता। मैं इसके विषय में कुछ भी नहीं जानता!" दाऊद ने कहा, "मुझ में से बेकार की चीजें निकाल दो।" यह सही है। "यदि मैं परमेश्वर के लिए लड़ने जा रहा हूं, तो मैं यहाँ खड़े हुए कायरों के झुंड की तरह नहीं दिखना चाहता, सारे हथियारो से लदे और छेदे गये। मैं सभा को नहीं कर सकता... "

207 बहुत सी सभाये, बहुत से लोग, बहुत से सेवक जो मेरे पास आते है और स्वीकार करते हैं कि वे विश्वास करते हैं कि यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लेना सही है, लेकिन कहते हैं, "हमारा संगठन हमें बाहर कर देगा।" तुम बेकार बहाना बना रहे हो! शाऊल के हथियार उतारो!

208 मुझे पवित्र आत्मा की सामर्थ और शक्ति दो! परमेश्वर, मुझे गोफन के साथ भेजिए, कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह क्या है (कितना छोटा), दुश्मन को मार गिराओ। यह सच है। मुझे भेजिए, लेकिन मुझे उन बाकी लोगों की तरह एल. एल., पीएच.डी., डॉक्टर, इस तरह की सारी बेकार की चीजों के साथ तैयार न होने दें।

209 दाऊद ने कहा, "यह चीज ठीक दिखाई नहीं पड़ती।" उसने कहा, "मैं इस विषय में कुछ नहीं जानता।" उसने कहा, "केवल एक चीज जो मैं जानता हूं, कि मेरे पास है कि मैं... रेगिस्तान के पीछे की ओर मैं अपने पिता की भेड़ें चरा रहा था।" और कहा, "एक सिंह ने आकर और छोटे से मेमने को पकड़ लिया और उसको लेकर भाग गया, और मैं जान गया

कि यह मेरे पिता का मेमना था, और, ओह, मैं—मैं—मैं... मैं हथियारों से लदा हुआ नहीं था, लेकिन मैंने बस अपना गोफन लिया और उसके पीछे चला गया।" कहा, "मैंने उसे मार डाला और मेमने को वापस लेकर आया।" ओह, प्रभु! वे वहां खड़े थे, उनके हाथ में एक भाला था, वे इसे नहीं कर सकते थे।

210 यही मामला आज है। परमेश्वर के पास बहुत सी भेड़ है जो भटक गई है, संगठनाओं और चीजों ने उन्हें चुरा लिया है, और उन्हें मनोविज्ञान के अंदर ले आए हैं। परमेश्वर हमें बहुत से दाऊद को देता है परमेश्वर के वचन और परमेश्वर की सामर्थ के साथ, ताकि इसे निर्देशित करे जब हम इन बुद्धिजीवियों का सामना करने जाते हैं (सही है!) सारे पीएच., एल.एल.डी., क्यू.यू.एस.टी., के साथ या जो कुछ भी यह हो सकता है। मुझे परमेश्वर का वचन और पवित्र आत्मा की सामर्थ दे और, मैं आपको बताऊंगा, हम उस लड़ाई के मैदान पर हर एक दानव को मार सकते हैं। सही है! हमें ऐसे पुरुषों की आवश्यकता है जो...

211 क्यों, दाऊद वहां लड़ाई के मैदान पर सबसे कमजोर बहाना था, कि जाकर उस दानव से लड़े। वह, क्यों, वह—वह कुछ नहीं केवल एक लड़का ही था। और बाईबल ने कहा वो 'गुलाबी सा," एक छोटा और दुबला–पतला दिखने वाला व्यक्ति, शायद थोड़ा झुके हुए कंधों वाला था, भेड़ की खाल का टुकड़ा उसके चारों ओर लपेटा हुआ था। उसके पास उनमें से कोई बड़ी–बड़ी बौद्धिक डिग्रियां नहीं थी और ना ही अच्छी तरह से प्रशिक्षित था। वह तलवार के विषय में कुछ भी नहीं जानता था। वह इस सारे प्रशिक्षण के विषय में कुछ नहीं जानता था कि शाऊल...

212 शाऊल ही एक ऐसा सर्वोत्तम था जो उनके पास हो सकता था, बिशप शाऊल। निश्चित रूप से, वह बाकी सेना से कद और काठी में बहुत ऊँचा था। क्यों, वही—वही वो एक था जिसे जाकर और उससे लड़ना चाहिए था, लेकिन वह डरा हुआ था।

213 और आज हम जानते हैं कि हमें एक बेदारी की आवश्यकता है। हम जानते हैं कि हमें लोगों के बीच एक हिलाए जाने की आवश्यकता है। यह दिव्यता के विद्वान को नहीं लेगा। यह एक निर्बल को लेगा (हाल्लेलुय्या) जो परमेश्वर के वचन को मसीह के पुनरुत्थान की सामर्थ में ले लेगा और इस चीज को मार डालेगा। यह मसीह को उस देश में लाएगा... उन्हें देखने दो

कि वो अब भी अंधों की आंखें खोल सकता है, बीमारों को चंगा कर सकता है, मरे हुओं को जिला सकता है, और वो परमेश्वर है, जय पाने वाला! आमीन। हमें एक दाऊद की आवश्यकता है, जो धर्म विज्ञान के विद्यालयों में प्रशिक्षित नहीं है, हमें एक ऐसे मनुष्य की आवश्यकता है, जो इस विषय में कुछ भी नहीं जानता हो, कोई छोटा हल चलाने वाला लड़का या कुछ और, कोई छोटा सा मनुष्य झुके हुए कंधों के साथ, दिखने में ज्यादा कुछ खास नहीं, परमेश्वर की सामर्थ के साथ मार्ग पर चलते हुए आएगा।

214 माँ मर रही थी, उसने कहा, "बिली, मैंने तुम पर भरोसा किया है और विश्वास किया है। तुम मेरे लिए आत्मिक शक्ति रहे हो, तुमने परमेश्वर की ओर मेरा मार्गदर्शन किया है।"

215 मैंने कहा, "माँ, जब मैं एक लड़का था... हमारी पृष्ठभूमि, निश्चित रूप से, आयरिश थी, हम एक तरह से कैथोलिक का सहारा लेंते।" और मैंने कहा, "कलीसिया ने कहा कि—कि वे—वे लोगों की एक देह या समिति थी, उनके पास यह सब था, उन्होंने जो कुछ भी किया वह सब ठीक था। मैं इसका विश्वास नहीं कर सका, क्योंकि लूथरन ने कहा, 'हम लोगों की एक देह या समिति है, हमारे पास यह सब है।' बैपटिस्ट ने कहा, 'हम देह है, हमारे पास यह सब है।' वहां बहुत सारे हैं, वहां लगभग नौ सौ विभिन्न संगठनाए हैं।" मैंने कहा, "माँ, मैं इस पर कोई भरोसा नहीं कर सकता, उनमें से कौन सा सही है? "

216 यह मालूम पड़ा, मैं इसे नम्रता और मधुरता से कहता हूं, लेकिन मेरा मानना है कि उनमें से कोई भी सही नहीं है। यह सही बात है। मैं परमेश्वर के वचन पर वापस जाता हूं, मैंने देखा कि इसने वहां पीछे क्या किया है। (और फिर, परमेश्वर, हम सब वहां पीछे वापस जाये।) और निर्बलता के साथ, और संगठन का कोई समर्थन नहीं, ना ही संप्रदायों का समर्थन, ना ही कलीसिया संबंधी व्यवस्था का कोई समर्थन, लेकिन सादगी में और पवित्र आत्मा की सामर्थ जो पेंटीकोस्ट पर नीचे उतरी, उसी संदेश के साथ जो पतरस के पास पेंटीकोस्ट के दिन था, "तुम में से हर एक जन पश्चाताप करे, और अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा ले।"

217 आप इन धर्म ज्ञानियों के झुण्ड की तरह नियंत्रित नहीं होना चाहोगे, जो अपने कॉलर को ऊपर घुमाये हुए और बैचलर ऑफ आर्ट की डिग्री

के साथ है। लेकिन, भाई, आपके हाथ में कुछ तो होगा, और जब तक परमेश्वर का आत्मा उस वचन के अंदर आ जायेगा, यह विजय को पायेगा और उन खोई हुई भेड़ों को वापस लाएगा जो भटक गयी है। आमीन! हमारी निर्बलताओं को अंगीकार करें! अपनी दिव्यता की शिक्षा को उतार फेंको! अपने सारे ज्ञान को, अपनी सदस्यता को उतार फेंको! अपने आप को परमेश्वर के सामने खाली कर दे, आत्मिक रूप से बोलते हुए, और अपने आप को "अयोग्य!" कहे, तब परमेश्वर आपका उपयोग करने के लिए आगे बढ़ सकता है। बस इसे ऐसे ही अपने मुंह से मत कहो, इसे अपने ह्रदय से निकलने दो।

218 याकूब, दाऊद, उन्हें अपने को खाली करना था। वह सारी भीड़ के बीच में सबसे कमजोर था।

219 पहाड़ी पर मौजूद, शायद, दस हजार या एक लाख योद्धाओ के बारे में सोचे। वे सारे प्रशिक्षित थे, उनमें से हर एक पीएच.डी. डिग्री के साथ था, उनमें से हर एक भाले के साथ था, वे योद्धा थे। उनमें से हर एक छोटा सा अफसर *फलां–और–फलां* था, निजी *फलां–और–फलां* (यहां तक कि निजी लोगों के लिए भी), जनरल *फलां–और–फलां*, उपसेनापति विशेष *फलां–और–फलां*। "महान चार सितारा जनरल शाऊल, बिशप, जी हाँ, माननीय श्रीमान!" उनमें से हर एक जन जो वहां खड़ा था, प्रशिक्षित पुरुष था।

220 और शत्रु पहाड़ी पर खड़ा हुआ था, कहा, "तुम डरपोको का झुंड।" ओह!

221 और ऊपर छावनी में एक छोटा सा, झुके हुए कंधे वाला आया, (हे परमेश्वर!), छोटा गुलाबी सा दिखने वाला व्यक्ति, उसकी कमर पर छोटी सी गोफन लटकी हुई, अपने भाई के लिए उसके हाथ में एक किशमिश का पकवान लिए हुए। और वह दानव बाहर निकला और बहुत सी बार चिल्लाया। कहा, "क्या तुम मुझे यह बताना चाहते हैं कि आप यहाँ पर प्रशिक्षित विद्वानों का झुण्ड खड़ा रहेगा और उस खतनारहित पलिश्ती को जीवित परमेश्वर के वचन को चुनौती देने देगा? " आमीन! कहा, "क्या तुम उससे डरते हो? "

222 शाऊल ने कहा, "यदि तुम जाना चाहते हो, तो यहां आओ। मैं—मैं—मैं अब तुम्हें बीस वर्षों के लिए विद्यालय भेजूंगा, और मैं तुम्हें एक—

एक पीएच.डी. की डिग्री दिलाऊंगा. मैं तुम्हें बताऊंगा कि मैं क्या करूंगा, मैं तुम्हें अपनी डिग्री दूंगा।"

223 उसने कहा, "उस चीज को निकाल दो।" ओह, प्रभु! "मैं इसके साथ कुछ लेना देना नहीं चाहता।" वह परमेश्वर पर भरोसा करना चाहता था। उसने कहा, "मैं जानता हूं कि परमेश्वर ने *इसके* साथ मेरे लिए क्या किया है, और मैं इसके साथ किसी भी चीज के सामने परमेश्वर पर भरोसा करने के लिए तैयार हूं।" आमीन! यही मसीही का अनुभव है।

224 यहां तक कि शाऊल, जब उसे अपने हथियारों से छुटकारा पाना था, तो उसने कलीसिया संबंधी हथियार को उतार डाला, उसने वैसा ही किया जैसे दाऊद ने किया था। लेकिन जब शाऊल मार्ग के अंत में आया, तो उसने कहा, "मैंने अच्छी लड़ाई लड़ी है।" यह जीतने वाला अंतिम शत्रु था। "मैंने एक अच्छी लड़ाई लड़ी है, मैंने अपना दौड़ को पूरा किया है, मैंने विश्वास को बनाए रखा है। अब से लेकर आगे मेरे लिए एक मुकुट रखा गया है, कि प्रभु, धर्मी न्यायी, वो मुझे उस दिन पर देगा।" कहा, "केवल मैं ही नहीं, लेकिन वे सारे जो उसके प्रगट होने से प्रेम करते हैं।"

225 पुरानी मृत्यु ने कहा, "लेकिन मैं तुम्हे कुछ ही मिनटों में ले लूंगी।" और कब्र ने कहा, "मैं तुम्हें उस ओर सांचे में ढाल दूंगी।"

226 उसने कहा, "हे मृत्यु, तेरा डंक कहां है? कब्र, तेरी विजय कहां है? मैं जानता हूं कि मैं यहां इस रोमन कालकोठरी में पड़ा हुआ हूं, जंजीरों में बंधा हुआ, जो मेरी कलाईयों और हाथों में है, और मेरे—मेरे पीठ पर उनतीस कोड़े मारे गये है। मैं यहां बहुत अधिक अपनी आंखों के आंसू के साथ हूं, इतना तक कि मैं और नहीं देख सकता। मैं अपनी स्वाभाविक आंखों से नहीं देख सकता, लेकिन मैं वहां धार्मिकता के मुकुट को देख सकता हूं। मेरे टखने थक गए हैं। मैं पुरानी ढली हुई रोटी से बहुत उब गया हूं जो उन्होंने यहां फेंकी है, और चूहे मेरे ऊपर चलते है, और मकड़ियां और आदि–आदि, इतना तक कि मैं निर्बल हो गया हूं।" लेकिन वह मृत्यु के सामने खड़ा हो सकता था और कह सकता था, "तेरा डंक कहाँ है? कब्र, तेरी जय कहां है? " उसके हाथों में जंजीरों के साथ जो हिल रही थी। हाल्लेलुय्या! (यही है जिसकी हमें आवश्यकता है।) "कब्र, तेरी विजय कहां है? "

कब्र ने कहा, "पौलुस, मैं तुम्हें सदा दूंगी।"

227 उसने कहा, "परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो, मैंने पहले ही हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा विजय को पा लिया है।"

228 जब वह निर्बल था, उसका—उसकी कलीसिया संबंधी, उसका... उसके सारे धार्मिक रिवाज उसमें से ख़त्म हो गए थे। उसके सारे नियुक्ति के कागजात उससे छीन लिए गए थे। वह अब असेंबलियों से संबंधित नहीं था, या... उनमें से किसी के साथ भी नहीं। देखो, वह अब उनमें से किसी के साथ संबंधित नहीं था। उसने उनके विरोध में बहुत कुछ बोला था इतना तक कि उन बिशप लोगों ने... कहा, "तुम्हारे कहने का मतलब है कि एक मनुष्य जो वहां बीस वर्ष की रोमन जेल में सजा काट रहा है और हमें बता सकता है कि हमारी महिलाओं को प्रचार नहीं करने दें? ओह! हमें यह मत बताओ," कहा, "हम बेहतर जानते हैं। वहां पर वो व्यक्ति कौन है, जो भी है, जो हमें *ये*, *वो* या *कुछ* और करने के लिए बता रहा है?" कहा, "हम जानते हैं कि हम क्या कर रहे हैं।"

229 "हाँ," पौलुस ने कहा, "वहाँ मनुष्य ठीक तुम्हारे बीच में उठ खड़े होते हैं, जो बहुत जल्द एक संगठन को आरंभ करेंगे, वे उठ खड़े होंगे और इस तरह के विश्वास से अलग हो जायेंगे, क्योंकि उनके पास परमेश्वर का आत्मा नहीं है।" कहा, "वे पहले ही हमारे बीच से बाहर निकल चुके हैं, क्योंकि वे हम में से थे ही नहीं।"

230 और, क्या, क्या यह घटित हुआ? सीधे कैथोलिक कलीसिया के अंदर आ गये; कैथोलिक से लूथरन में; और आगे बचते हुए अंत तक, असेंबली ऑफ गॉड, वही काम, उसी काम को करते हुए।

हर समय, वही चीज!

231 लेकिन, ओह, एक पुरुष या महिला के लिए जो इतना निर्बल है, जो आपकी निर्बलता को समझता है, यह परमेश्वर को खुद का उपयोग करने देगा! मैं बस बोलता जा रहा हूं, मुझे लगता है कि मैं लंबे समय तक बोलता हूं।

232 अब, यह क्या था? अब, वह था... दाऊद झुंड में से सबसे अनपढ़ था। उसके पास लड़ाई करने की कोई स्कूली शिक्षा नहीं थी, वह इसके बारे में कुछ भी नहीं जानता था। इसलिए उसे ऐसी कोई शिक्षा नहीं मिली थी इस लड़ाई की जो उसके सामने रखी हुई थी, लेकिन उसने पहचान लिया कि एक परमेश्वर था। और उसने सबसे निर्बल चीज को लिया; उनके

पास भाले, हथियार, धनुष और बाकी की हर एक चीज थी, और दाऊद के पास एक छोटी सी गोफन थी जिसमें एक पत्थर था। लेकिन, देखो, वह जानता था कि वह किस पर भरोसा कर सकता है। उसने अपनी कमजोरी को स्वीकार किया, लेकिन परमेश्वर में उसका विश्वास था।

233 उसने कहा, "मैं नहीं चाहता कि मेरे ऊपर कोई ढाल हो कि कुछ भी हानि ना हो। मैं वहां पर नहीं आना चाहता हूं, कहते हुए, 'अब, क्या आप भाई लोग मेरे साथ सहयोग करेंगे? मैं असेंबली से संबंधित हूं, मैं प्रेस्बिटेरियन से हूं, मैं एक मेथोडिस्ट हूं, मैं एक बैपटिस्ट हूं, क्या आप भाई लोग मेरे साथ सहयोग करेंगे?' मैं उन बेकार की चीजों में से कुछ भी नहीं जानना चाहूंगा। 'यहां, मैं आपको अपनी जेब में दिखाऊंगा, मेरे पास मेरी डिग्री है। मैंने अभी–अभी अपनी बेचलर ऑफ आर्ट की डिग्री ली है। मैं *फलां–और–फलां* विश्वविद्यालय से हूं, मैंने—मैंने वहां पर शिक्षा पूरी की थी। मेरे पास यह सब है। ओह, मैं बोल सकता हूं! मैं *यह* हूं, *वह* हूं, या *कुछ* और हूं।'" वह इन बेकार की चीजों में से कुछ भी नहीं चाहता था!

234 वह जो चाहता था, उसने कहा, "मुझे परमेश्वर में मेरा भरोसा है और मैं यहां जाता हूं।" ऐसा ही है। और वह दानव नीचे चला गया। यह सही है।

235 आज हमें इसी की आवश्यकता है, भाई। आज हमें दाऊद जैसे पुरुषों की आवश्यकता है, ना कि विश्वविद्यालय के अनुभवों की।

236 यह छोटा सा मिकायाह था, छोटा मिकायाह, इम्ला का पुत्र, निर्धन, ठुकराया गया, सारे संप्रदायों में से निकाल दिया गया, क्योंकि परमेश्वर के लिए वो सच्चाई से खड़ा था। लेकिन वहां एक बार परमेश्वर का एक जन आया, जिसका नाम यहोशापात था, और वहां पर कहा, "मैं परमेश्वर के सच्चे वचन को जानना चाहता हूं।"

237 शाऊल ने कहा, "मेरे पास अब तक के चार सौ सबसे बेहतर हैं जिन्हें तुमने कभी जाना होगा।" कहा, "उन सभी ने अपनी–अपनी डिग्रियां हासिल की है, वे सब यहां स्कूल में प्रशिक्षित हुए हैं।" कहा, "क्यों, वे अब तक के सबसे अच्छे प्रचारक हैं जो तुमने कभी सुने हैं।" कहा, "मैं उन्हें ठीक सामने लाऊंगा और हम तुम्हारे लिए प्रभु से परामर्श करेंगे।"

238 लेकिन उसके बाद वह वहां पर आया और उसने चारों ओर देखा, यहोशापात ने कहा, "हाँ, मैंने *इसको* ऐसा कहते सुना है, और उसको भी

ऐसा कहते सुना है, लेकिन," कहा, "क्या तुम्हारे पास एक और है? क्या तुम्हारे पास कोई दूसरा नहीं है? "

239 परमेश्वर इस सच्चे हृदय के लिए एक संदेश को देने जा रहा था। वहां उनमें से केवल एक ही खड़ा हुआ था, लेकिन परमेश्वर के पास उस एक के लिए एक मनुष्य है। आमीन। यदि वहां केवल एक ही सच्चा हृदय है, कहीं तो परमेश्वर के पास उसके लिए एक मनुष्य है। यहोशापात एक सच्चा मनुष्य था, परमेश्वर का भय मानने वाला राजा, और उसके पास यह जानने के लिए इतनी समझ थी कि उनके संदेश गलत थे। वह जानता था कि यह वचन के विपरीत था, आमीन (ओह, भाई नेविल!), यहोशापात यह जानता था।

240 उसने कहा, "तो ठीक है, मैंने—मैंने सारे रिकॉर्ड को देख लिया है, यहाँ इस धर्म विद्यालय में विवरणपट है, मैं उनमें से हर एक को यहां ले आया हूं।" कहा, "तो ठीक है, यहाँ देखो, यह एक है... ठीक है, उसके पास जो डिग्री है उसे देखो। यहाँ इस एक को देखो," कहता है, "उसकी डिग्री को देखो—देखो जो उसे मिली है। यहां सिदकिय्याह को देखो, वह इस सब का प्रमुख है। क्यों, वह एक बिशप है, वह हम सब के ऊपर है। निश्चय ही तुम उसके शब्दों को मानोगे!"

यहोशापात ने कहा, "हाँ," कहा, "मैं—मैं—मैं... "

241 "तो ठीक है, देखो, देखो, बाकी के सारे उसके साथ सहमत हैं। वे सब एक बड़ी इकाई है! और आप यह नहीं कह सकते कि वे इब्रानी नहीं है। आप यह नहीं कह सकते कि वे भविष्यद्वक्ता नहीं हैं, यहां डिग्री साबित करती है कि वे हैं।"

242 यहोशापात ने कहा, "हाँ, मैं—मैं—मैं जानता हूं, आहाब।" कहा, "यह—यह सब ठीक है, लेकिन... "

243 कहा, "तुम क्या हो... तुम मुझसे एक और के लिए कैसे पूछ रहे हो? वहां तो मेरा पूरा विद्यालय है! वहां हर एक संस्था एक साथ है।"

244 "लेकिन क्या आपके पास एक भी ऐसा नहीं है जो उस झुण्ड से संबंधित नहीं हो? क्या वहां कहीं पर एक भी नहीं है? "

245 "खैर, वह क्या होगा? वह एक अशिक्षित अनपढ़ होगा! तो, तुम इस तरह के व्यक्ति से क्या चाहते हो? "

246 "लेकिन—लेकिन मैं बस ऐसे ही तुमसे पूछ रहा हूं, क्या तुम्हारे पास एक भी नहीं है, कहीं तो? "

247 "ओह," उसने कहा, "हाँ, ऐसा ही एक है।" (वहां, ओह, इसके लिए परमेश्वर का धन्यवाद हो!) "वहां एक ऐसा व्यक्ति है, लेकिन," कहा, "मैं उससे घृणा करता हूं। और बाकी के सब भी उस से घृणा करते हैं।" कहा, "हमने उसे खदेड़ दिया, और उन्होंने उसे उस संगठन से बाहर खदेड़ दिया, उनमें से हर एक ने।" कहा, "वह यहां पर एक सभा को करने के लिए आया था, हम उसे शहर से बाहर निकाल दिया हैं। जी हां, श्रीमान। उसके साथ कुछ लेना देना नहीं रखना चाहते। तो ठीक है," कहा, "वह एक निर्बल है, और वह एक बहुत ही निर्धन परिवार से आता है। उसका व्याकरण भयंकर है।" (उह–हुंह, मूडी की तरह, आप जानते हैं।) "हाँ, उसका व्याकरण भयंकर है।" और कहा, "वास्तव में, एक धर्मज्ञानी के लिए, वह सबसे निर्धन है जो मैंने कभी सुना है। मैंने उसके जैसा कुछ कभी नहीं सुना। ओह, वह बस उनके रीति–रिवाजों को ध्वस्त कर देता है। क्यों, उनके प्रेरितों के मत–सिद्धांत को उसके द्वारा टुकड़े–टुकड़े कर दिया गया। मैंने इस तरह की बात कभी नहीं सुनी! ओह, वह बस इसे उखाड़ देता है, और वे उससे घृणा करते हैं और मैं उससे घृणा करता हूं, हर कोई उससे घृणा करता है।"

248 "ओह," यहोशापात ने कहा, "राजा ऐसा ना कहे, लेकिन मैं उसे सुनना चाहता हूं।" वह जानता है कि एलीशा क्या कहेगा! वह जानता था क्या।

249 परमेश्वर ने सारे बड़े, तेज, बुद्धिमान प्रचारकों को छोड़ दिया, और अपने संदेश को एक छोटे से व्यक्ति में डाला जिसने दावा किया कि वह कुछ भी नहीं जानता है। लेकिन उसने क्या किया?

250 उन्होंने उसकी एक परीक्षा की, और कहा, "अब, तुम वही बात कहते हो जो उन्होंने की थी।"

उसने कहा, "मैं वही कहूंगा जो परमेश्वर मेरे मुंह में डालता है, बस ऐसा ही है।"

251 उसने कहा, "यदि तुम अब मजबूत होना चाहते हैं, तो याद रखना कि तुम बस... तुम—तुम यहां एक तरह से क्रम से बाहर हो, लड़के। याद रखना, तुम्हें उस संगठन से बाहर निकाल दिया गया है। वे आपकी संगति

पर फिर से विचार कर सकते हैं यदि आप इस तरह के संकट के समय में उनके साथ सहमत होते हैं। हम सब एक बड़े अभियान के लिए तैयारी कर रहे हैं," कहा, "यदि आप बस मेरे साथ सहमत होंगे।"

252 कहा, "मैं कुछ भी नहीं कहूंगा सिवाय जो परमेश्वर कहता है!" समझौता, क्या आप अपेक्षा कर सकते हैं एक परमेश्वर का जन परमेश्वर के वचन पर समझौता कर सकता है? नहीं, श्रीमान, उस पर ऐसा लागु ना करे।

253 कहा, "लेकिन तुम एक निर्बल व्यक्ति हो। तुम एक निर्धन परिवार से हो। क्यों, तुम जानते हो क्या, वे हो सकता है... "

"मैं परवाह नहीं करता कि वे क्या करते हैं।"

254 "तो ठीक है, वे तुम्हे एक देश से दूसरे देश में हवाई जहाज में ले जाएंगे। वे कुछ भी करेंगे, देखो, यदि तुम—यदि तुम बस... "

255 "नहीं, नहीं। मैं केवल वही कहूंगा जो परमेश्वर मेरे मुंह में डालता है।" परमेश्वर ने उस सारे झुण्ड को छोड़ दिया, (जी हाँ, श्रीमान, उसके सच्चाई से खड़े रहने वजह से ऐसा हुआ) चार सौ को छोड़ दिया और उसे **यहोवा यों कहता है**, वाला वचन दिया!

256 तब क्या उन्होंने इसका विश्वास किया? नहीं, श्रीमान! उन्होंने कहा, "यह **यहोवा यों कहता है** नहीं है, हमारा धर्म विद्यालय इस तरह की चीजें नहीं सिखाता है। तो ठीक है, यहाँ हमारा बिशप है, उसने वचन को कहा है, उसने धार्मिक विधियों को लिखा है। हम सब एक साथ एकत्र हुए, हमने हमारे विद्यालय बनाए। परमेश्वर हमारे साथ है! परमेश्वर हम में से कहाँ चला गया कब यह तुम्हारे पास गया? "

उसने कहा, "तुम कभी न कभी तो देखोगे।" उह–हुंह, यह सही है।

257 वह क्या था? वह निर्बल था, लेकिन वह उनमें से सबसे बलवंत था। क्यों? क्योंकि उसके पास प्रभु का वचन था। ओह, भाई, इससे क्या फर्क पड़ता है... और कुछ भी और जब तक आपके पास **यहोवा यों कहता है** वाला वचन है?

258 "कहते हैं, भाई ब्रन्हम, यदि आप यीशु के नाम से बपतिस्मे के लिए समझौता करें, तो ठीक है, हम शिकागो में या इस तरह के इन स्थानों में एक बड़ी सभा को करेंगे।" ओह! आप सोचते है कि आप ऐसा करते हैं? मैं

परवाह नहीं करता कि आप कहां एकत्र होते हैं, आप क्या करते हैं, भाई, **यहोवा यों कहता है** के साथ बने रहे।

259 मैं चाहता हूं कि उनमें से कोई आकर मुझे बताएं कि यह कहां गलत है। मुझे परमेश्वर के वचन में दिखाओ कि यह कहां गलत है। जी हां। वे इसका सामना नहीं करना चाहेंगे। नहीं, श्रीमान। लेकिन यह **यहोवा यों कहता है**! इसके साथ बने रहे, यदि उनमें से हर एक जन आपको लताड़ता है। मैं परवाह नहीं करता कि आप कितने निर्बल हो जाते हैं, "तब मैं बलवंत होता हूं।" जब वे मुझे निकाल बाहर करते हैं, तो परमेश्वर मुझे अंदर ले लेगा। ओह, जी हां। परमेश्वर... वे आपको लात मारकर बाहर निकाल देंगे, परमेश्वर आपको अंदर ले लेगा।

260 याद रखें, परमेश्वर हमेशा ही उन्हीं को चुनता है जिन्हें बेकार समझा जाता है, वे जो कुछ भी नहीं है। तब वह उन्हें अपने लिए *कुछ तो* बनाता है। हो सकता है इसे इस जीवन में ना जान पाए, लेकिन यह उस एक में होगा जो आने वाला है; देखो, यही वो एक है।

261 और उसे **यहोवा यों कहता है** दिया, किस लिए? वह वचन के साथ बना रहा। उसके पास सही संदेश था। परमेश्वर उसे दर्शन देता है। उनमें से बाकी के पास कोई दर्शन नहीं था। देखा? उसके पास एक दर्शन था। क्यों? क्योंकि वह वचन के साथ बना रहा। यही है जहां हमने चिन्ह और अद्भुत कार्य को देखा। क्योंकि... बाकी लोग भी ऐसा ही सोच रहे हैं, लेकिन वह वचन पर बना रहा। अब जल्दी करेंगे।

262 एलिय्याह, जब उसकी कलीसिया ने उसे बाहर कर दिया था और उसे आधुनिक संसार के लिए छोड़ दिया। मैं कल्पना करता हूं कि एलियाह ने वास्तव में उन पर क्रोधित होकर फटकार लगाई होगी। क्या आपको ऐसा नहीं लगता? आप जानते होंगे कि एलियाह कैसा था। मैं कल्पना करता हूं, उसकी आरंभिक सेवकाई में, उसने वहां खड़े होकर और कहा, "क्यों, तुम स्त्रियां जो प्रधान महिला की तरह बनने की कोशिश कर रही हो," वे टोपी, आप जानते हैं, "श्रीमती ईजाबेल! आप आधुनिक महिलाये, उस देश की प्रधान महिला की तरह होने पर, उसके जैसे कपड़े पहनती है, उसके जैसे व्यवहार करती है। आप प्रचारक!" ओह, प्रभु, उसने कैसे फटकार लगाई! और वे सब बस दूर होते गये इतना तक वहां कोई भी नहीं था।

263 तब उसे अपने मार्ग के अंत में पहुंचना था। अब कोई भी अब उसके

साथ समर्थन नहीं करता है। कोई भी कलीसिया उसके साथ समर्थन नहीं करती है। उसकी सारी कलीसिया ने उसे छोड़ दिया, वापस संसार में चली गयी (बिल्कुल वैसे ही ऐसा अब है), यह सही है, वापस संसार में चले गये। बस कुछ ही लोग वहां रुके हुए थे, एक यहां पर और एक वहां पर, जो देश के दूर–दराज इलाकों से आ रहे थे, जहाँ आपको उससे मिलने जाना पड़ता था, और इसी तरह इत्यादि। वह बहुत ही बुरी स्थिति में था, वह अपने ज्ञान के अंत में आ गया था।

264 उसने कहा, "प्रभु, मैं आपके वचन पर खड़ा हूं, मैंने सत्य को बताया है। और वे सब चले गए हैं, यहां कोई भी नहीं बचा है। मेरे पास कोई नहीं है, जिसे मैं प्रचार भी करूं।" आमीन। "जी हां, मैं आपके वचन पर खड़ा हुआ हूं, प्रभु, और अब देखो कि मैं अब कहां पर हूं, उनमें से कोई भी मुझे ग्रहण नहीं करेगा। मैं नगर के अंदर जाता हूं, वे कहते हैं, 'यहाँ वो बूढ़ा सनकी आया है। हाँ, हाँ, यहाँ वो बूढ़ा सनकी नगर में आ रहा है, अब वह यहां आधुनिक जीवनशैली और हर चीज के बारे में बोलना—बोलना आरंभ कर देगा।'"

265 "उसे मत लेना! पास्टर, आप उस व्यक्ति के साथ सहयोग नहीं करना! नहीं, श्रीमान!"

266 पास्टर, "अब वो पुराना कट्टरपंथी फिर से नगर में है। देखो, वह एलिय्याह वहां पर था, वो बूढ़ा गंजे सिर वाला व्यक्ति। आप उस बूढ़े व्यक्ति की ओर ध्यान नही दे। उसकी ओर देखो, वह यहां तक कि एक पादरीगण के जैसे कपड़े भी नहीं पहनता है याजकीय वस्त्र मेरे जैसे पहने हुए है (उसकी टोपी, आप जानते होंगे; और सामने खड़े होकर, और गोल कॉलर होता है, आप जानते होंगे)।" कहा, "वह नहीं... " कहा, "वह—वह... वे... वह एक भिन्न प्रकार का है... वह—वह एक विचित्र सा व्यक्ति है।"

267 और मैं कल्पना करता हूं कि कुछ बड़े–बड़े लोगों ने कहा, "आप जानते हैं क्या? वह—वह एक दिमागी रोगी है। उह–हुंह, हां, वह—वह एक दिमागी रोगी है, वहां जंगल में रह रहा है, अपने अधिकांश समय जंगल में ही रहता है, भेड़ की खाल का एक टुकड़ा उसके चारों ओर लपेटे हुये आता है। ओह, प्रभु! और फिर उन स्त्रियों को दोषी ठहराता है! मैंने इस तरह की चीज कभी नहीं देखी। क्या आप... नहीं—नही—नही आप उसके साथ कोई लेना–देना नहीं रखना, बिल्कुल भी नहीं! सहयोग ना

करना!"

268 तो ठीक है, सेवकों की सभा एक साथ इकट्ठी हुई, आप जानते हैं, कहा, "आप सभी लोग उसके साथ कुछ भी नही—भी नहीं... उसे जाने दो, वह अंत में... वह अपनी बुद्धि के समाप्ति पर आ जाएगा। उसे—उसे अपनी सारी शक्ति से चिल्लाने दो। बात ख़त्म, उसे जाने दो।"

269 लेकिन बूढ़ा एलिय्याह, परमेश्वर के साथ सच्चाई से चल रहा था, (ओह, प्रभु।) ठीक वचन के साथ बना रहा। वे वहाँ एक छोटी सी सभा करते थे, और वह श्रोतागणों की ओर देखते हुए कहते थे, "तुम सभी ईजाबेलो!"

270 "ओह, वही साहस! मैं उस व्यक्ति को फिर कभी सुनने नहीं जाऊंगा! नहीं, श्रीमान, मैं किसी को नहीं सुनूंगा!"

271 इस बात ने उसे नहीं रोका, वह ठीक वहीं पर वैसे ही बना रहा। जब उसने अपनी कलीसिया को खो दिया, जब उसके... सारे संप्रदाय उसके विरोध में हो गए, ऐसा तब था (जब वह निर्बल हो गया) उसने कहा, "मैं केवल अकेला ही बचा हूं, और वे मुझे मारने के देख रहे हैं।" कहा, "वे मुझे मार डालेंगे यदि उन्हें ये मौका मिल जाये।" उह–हुंह। देखा? "लेकिन मैं... वे मेरे जीवन को लेने की कोशिश रहे हैं। और केवल मैं ही बचा हूं, प्रभु, मैं क्या कर सकता हूं? "

272 यह तब था, जब वह निर्बल हो गया (फिर भी सच्चा खड़ा रहा, अपनी निर्बलता और हर एक चीज को स्वीकार करते हुए), कि परमेश्वर ने कहा, "ऊपर पहाड़ पर आ जाओ, मैं तुम्हें एक नया संदेश देने जा रहा हूं। अब मैं तुम्हें एक नया संदेश भेजने जा रहा हूं। मैंने तुम्हें पहले ही बता दिया है, 'जाकर इन बातों को दोषी ठहराओ,' अब मैं तुम्हें किसी चीज के साथ वापस भेजने जा रहा हूं जिससे कि साबित हो जाए कि यह सही था।" कहा, "तूने अच्छा काम किया, एलिय्याह। तूने उन्हें प्रधान महिला के बारे में बताया, और वह सब के विषय में, और उन्होंने कैसे किया। तुमने आहाब और उसकी सारी आधुनिक बेहूदा चीजों को दोषी ठहराया और सारी आधुनिक कलीसियाओ को, और हमने उन प्रचारकों को बताया कि वे कहां से संबंध रखते हैं। तुम एक उदाहरण थे। तुम वहां बिना किसी सहयोग के खड़े थे, कोई भी संस्था, तुम्हारे समर्थन में कुछ भी नहीं था, लेकिन तुम मेरे वचन के साथ बने रहे। अब मैं तुम्हें कुछ देने जा रहा हूं।

वहां पर जाकर और उस ढोंगी को बताओ, '**यहोवा यों कहता है**! यहां तक कि स्वर्ग से ओस भी नहीं गिरेगी, जब तक मैं इसके लिए नहीं मांगता हूं।'" ओह! ओह! उसे कुछ तो दिखाने के लिए पहाड़ की चोटी पर ले गया!

273 ओह, मैं उस सुबह उसे देख सकता हूं, आते हुए, उस सामरिया के मार्ग पर चलते हुए। वह देखने में इतना आकर्षित नहीं था, निश्चय ही, वह गंजा सिर सूर्य के प्रकाश से चमक रहा था, सफेद बाल और मूंछे उसके चेहरे पर लटक रही थी, भेड़ की खाल का टुकड़ा। बाईबल कहती है कि वह "बालों वाला" था, उसके पूरे शरीर पर बाल थे, मैं कल्पना करता हूं कि उसे देखना अजीब रहा होगा; वो छोटी सी छड़ी उसके हाथ में थी, उन छोटी बूढ़ी आंखों के साथ, जो सीधे आसमान की ओर देख रही थी, सड़क पर चलते हुए जा रहा था। और आप... वह... मैं समझता हूं उसने सत्रह वर्ष की आयु के समान व्यवहार कर रहा था जब कि वह लगभग अस्सी वर्ष का था। यहाँ वह आ रहा था, सीधे सामरिया के लिए रास्ते पर चलते हुए आ रहा था। भाई, वह तब अपनी निर्बलता में बलवंत हो गया था, "मेरी सामर्थ काफी है। संगठनों के बारे में चिंता मत करो, एलिय्याह। उनके बारे में चिंता मत करो, तुम्हे केवल मेरी सामर्थ की आवश्यकता है।"

274 मुझे याद है एक बार एक बड़े मंदिर के पास खड़ा हुआ था, और मैंने कहा, "प्रभु, मैं पसंद नहीं करता कि वे मेरे—मेरे ऑफिस में आये।"

उसने कहा, "मैं तुम्हारा भाग हूं।" देखा? "मैं तुम्हारा भाग हूं।"

275 "निर्बलता में—में तब मैं—मैं... मेरी सामर्थ बलवंत होती है। मेरी सिद्ध इच्छा पूरी हो सकती है (पौलुस, या एलिय्याह, तुम जो भी हो) जब तुम मार्ग से हट जाते हो।" देखा? "तुम्हारी निर्बलता में, तब मैं बलवंत हूं। मैं ही वो एक हूं! मैं वो एक बलवंत हूं जो अंदर आकर और भर देता है।"

276 मैं उसे उस सामरिया के रास्ते पर चलते हुए देख सकता हूं, वे छोटी बूढ़ी आंखें *इस* तरह से देख रही हैं, लड़के, उसके चेहरे पर एक प्रकार की आधी मुस्कान थी। भाई, वह सीधे आहाब के सामने चला गया। वह कभी हकलाया नहीं, वह कभी भी अटक–अटक कर नहीं बोला। नहीं, नहीं! उस छोटी सी पुरानी दुबली छाती के नीचे धड़क रहा था एक हृदय जो पवित्र आत्मा के साथ उसमें रह रहा था। हाँ, सचमुच! उस रास्ते पर चलते हुए, आहाब के सामने चलकर आया, और कहा, "यहां तक कि ओस की एक बूंद भी नहीं गिरेगी, जब तक मैं इसके लिए ना कहूं।"

277 अपने पैरों को जोर से पटका और, घूमा, वापस जंगल में चला गया। कहा, "यह एक अच्छा काम था, एलिय्याह। यहाँ ऊपर आ जाओ, मैंने सारे कौवे को आज्ञा दी है कि अब तुम्हें खिलाये, और... और यहाँ थोडे समय के लिए बैठो।" ओह, प्रभु!

278 जब वह निर्बल था, तब वह बलवंत बन गया। जी हां, श्रीमान। उसने आकाश को बन्द कर दिया कि वर्षा ना हो। यही है जब वह बलवंत हुआ, जब उसने अपनी कलीसिया को खो दिया, उसके पास जो कुछ भी था, सब कुछ खो चूका था। लेकिन वह परमेश्वर के वचन के साथ बना रहा, तब उसके पास आकाश को बंद करने की सामर्थ थी।

279 जब याकूब ने अपनी सारी शक्ति को खो दिया, तब परमेश्वर ने उसे एक राजकुमार बनने की सामर्थ दी। समझे?

280 जब पौलुस ने अपनी शिक्षा और उसके सारे धर्मज्ञान को खो दिया, तो परमेश्वर ने उसे अन्यजातियों के लिए एक मिशनरी बनाया।

281 जब मूसा ने अपनी सारी योग्यता को खो दिया और निर्बल बन गया, परमेश्वर ने उसे सामर्थवान बनाया और उसे आत्मा के सामर्थ में मिस्र को भेजा, अस्सी वर्ष की उम्र में; दाड़ी लटक रही है, उसकी पत्नी खच्चर पर बैठी है और एक छोटा बालक उसके कूल्हे पर बैठा हुआ है, और मूसा के हाथ में एक छड़ी है, वहां नीचे गया और मिस्त्र को जीत लिया। जी हां। देखा? ना ही उसके पीछे–पीछे आती हुई एक सेना के साथ, जैसे वह जाना चाहता था, लेकिन आत्मा की सामर्थ में। आमीन!

जब आप निर्बल होते हैं तब आप बलवंत होते हैं।

282 बस उस रास्ते पर नीचे चलकर जाते हुए, वह हकलाया नहीं, वह लड़खड़ाया नहीं, उसने कुछ भी नहीं किया, सीधे आहाब के पास चलकर गया, और कहा, "मेरे पास प्रभु का वचन है।"

उसने कहा, "तू ही एक है जो इस्राएल को परेशानी में डालता है।"

283 उसने कहा, "तू ही एक है जो इस्राएल को परेशान कर रहा है।" जी हां, श्रीमान। ओह, भाई! जी हां, श्रीमान। "उन बुद्धिमान याजको को बाहर लाओ जो यहाँ तुम्हारे पास हैं, और आओ देखते हैं कि परमेश्वर कौन है।" आप वहां है। "ऊपर कार्मेल पर्वत पर चढ़ो, परमेश्वर जिसने पेंटीकोस्ट पर उत्तर दिया, उसे फिर से उत्तर देने दो। आओ देखें कि क्या परमेश्वर अब

भी वही परमेश्वर है, यदि यीशु कल, आज और युगानुयुग एक सा है।" वह पहाड़ से नीचे उतर आया, उसके पास एक संदेश था। जी हां। वह पहले ही बहुत ही निर्बल हो गया था, हालांकि, उसने ऐसा करने से पहले सब कुछ खो दिया था। उसे निर्बल होना था, इससे पहले कि वह बलवंत हो जाए।

284 यह सुसमाचार की सादगी है जो लोगों को डगमगाती है। वे इसे एक बड़ा बौद्धिक कुछ और बनाने की कोशिश करते हैं, जबकि यह सादगी है। लेकिन परमेश्वर नम्रता और निर्बलता और सादगी के औजार को लेता है, जिससे कि उसके कामो को कर सके। यही केवल एक औजार है जो परमेश्वर के हाथ में है।

285 यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला, उसका संदेश, मसीह का अग्रदूत, इतना साधारण कि यह लोगों के सिर के ऊपर से चला गया। बस एक मिनट सुनना। (मैं आशा करता हूं कि मैं आपको अधिक समय तक नहीं रोके रखूंगा, आप दीवारों के सहारे खड़े हुए हैं, देखो।) देखो! यूहन्ना, जब... सारे भविष्यद्वक्ताओं ने आने वाले मसीहा की गवाही दी। उनमें से एक ने कहा कि "पहाड़ छोटे मेढो की तरह उछलेंगे।" दूसरों ने कहा, "पत्ते उनके हाथों से ताली बजाएंगे।" एक ने कहा, "सारे नीचले स्थान ऊंचे किये जायेंगे, और ऊँचे स्थान नीचे किये जायेंगे।" ओह, प्रभु! क्या ही दिन है!

286 क्या आपने भविष्यवक्ताओं के विद्यालय की कल्पना की और उस की बौद्धिक धारणा की? ओह, प्रभु, उनके पास सब कुछ बहुत ही सर्वश्रेष्ठ था! लेकिन जब यह घटित हुआ, जंगल में से एक बूढ़ा प्रचारक बाहर आया, जिसे उसके जीवन में एक भी दिन स्कूली शिक्षा नहीं मिली थी, शायद उसका व्याकरण बहुत ही खराब था। उसके पिता एक याजक थे, लेकिन परमेश्वर ने उसे इससे दूर कर दिया। (यह हमने पिछले रविवार के पाठ में लिया था।) उसे उन संप्रदायों के साथ मिश्रित नहीं होने दिया, और उसे अपने आप से प्रशिक्षित होने के लिए वहां जंगल में लेकर गया। यही वो वर्ग है—यही वो वर्ग है जो परमेश्वर के वचन के साथ बना रहेगा।

287 जंगल में से बाहर आया, लगभग तीस वर्ष का; मैं कल्पना करता हूं कि एक काली दाढ़ी उसके चेहरे के चारों ओर लटक रही थी, मैला सा; भेड़ की खाल का एक बड़ा टुकड़ा उसके चारों ओर लपेटा हुआ था; उसके घुटनों तक कीचड़ में खड़ा हुआ था; कहा, "मैं ही वो एक हूं जिसके लिए

भविष्यवक्ता यशायाह के द्वारा बोला गया था।" और कुछ संप्रदाय बाहर निकल आये; उसने कहा, "अपने ही मन में कहने के लिए मत सोचो, 'हमारे पास *यह* है और *वह* है,' परमेश्वर इन पत्थरों से अब्राहम के लिए सन्तान को उत्पन्न कर सकता है!" ओह, प्रभु! क्यों? उसके पास **यहोवा यों कहता है**, वाला वचन था! उसके पास संदेश था। परमेश्वर ने पहले ही बता दिया था कि वह आ रहा है। और कारण... यह इतनी सादगी में आया, यह उनके सिर के ऊपर से चला गया।

288 जब यीशु आया, उसने कहा, "तुम क्या देखने के लिए वहां गए थे, एक बुद्धिमान बोलने वाला वक्ता जिसे मेथोडिस्ट से एक बैपटिस्ट में बदला जा सकता है, और एक बैपटिस्ट से एक प्रेस्बिटेरियन में बदला जा सकता है, एक प्रेस्बिटेरियन से एक पेंटीकोस्टल में, और एक पेंटीकोस्टल से कुछ तो और में? क्या तुम किसी हवा से हिलते हुए सरकंडे को देखने के लिए वहां गए थे? यूहन्ना को नहीं!" कहा, "क्या तब तुम एक मनुष्य को देखने के लिए वहां गए थे, जो बढ़िया मलमल के वस्त्र पहने हुए है? " उसने कहा, "वे राजा के महलों में हैं, उस तरह के सेवक।" उसने कहा, "तुम वहां क्या देखने गए थे, एक भविष्यव्यक्ता? " उसने कहा, "एक भविष्यव्यक्ता से भी बढ़कर!"

289 यूहन्ना एक भविष्यवक्ता से बढ़कर था। और, देखो, वह उन सभी में सबसे नम्र है। लेकिन वह भविष्यव्यक्ता से बढ़कर था। आप जानते हैं कि यूहन्ना क्या था? वह वाचा का एक संदेशवाहक था। निश्चय ही, वह था। वह भविष्यवक्ता से भी आगे चला गया। एक *भविष्यवक्ता* एक द्रष्टा है जो चीजों को देखता है। यूहन्ना ने भी देखा, लेकिन वह इससे भी आगे था। वह वाचा का एक संदेशवाहक था। उसने कहा, "हाँ, यह वो एक है जिसके लिए कहा गया था, 'मैं अपने संदेशवाहक को तेरे आगे–आगे भेजूंगा।'" यही है जो यह था, वह वाचा का एक संदेशवाहक था। निश्चय ही। उसके आने के साधारण तरीके से, इसने तब बुद्धिजीवियों को अंधा कर दिया।

290 अब हमें बहुत जल्द ही बंद करना होगा, लगभग कुछ मिनट और, यहां कुछ बातें है जो मैं कहना चाहता हूं, कुछ वचन और कुछ बातों को लिखकर रखा है।

291 उस विधवा के विषय में क्या है जो मुट्ठी भर भोजन के साथ है? वह अपनी निर्बलता में आ गई थी, उसने शायद खुद को भूखा मरने के लिए

रखा था। उसके पास भोजन नहीं था। वह कहीं और नहीं जा सकती थी और किसी से भी भोजन उधार नहीं ले सकती थी, किसी और के पास भी कुछ नहीं था। लेकिन वह एक स्थान पर आ गई, एक महान विश्वासी, उसका पति परमेश्वर का एक महान व्यक्ति रहा था। और वह एक विधवा थी, उसका एक बालक था। और उसके पास बस कुछ मुट्ठी भर भोजन था, लेकिन यह काफी था, उसे बस इतना ही चाहिए था; परमेश्वर के हाथों में समर्पित, वो इस पर तीन वर्ष और छह महीने तक जीवित रही, मुट्ठी भर भोजन के साथ। वह कमजोर हो गई।

292 वह उस सुबह दो लकड़ियों को लेने के लिए बाहर गई, और उन्हें तोड़कर और एक साथ रख दिया। देखो, दो लकड़ी क्रूस है। देखा? तोड़... उसने कहा, "मैं दो लकड़ियों को लेने जा रही हूं।" उसने कभी नहीं कहा, "मैं एक लकड़ी का गट्ठा लेने जा रही हूं," अब, बस दो लकड़ियां। ऐसा ही है। चिन्ह को देखा?

293 और, हाँ, पुराना प्राचीन तरीका... अब ऐसा आग को जलाने का तरीका होता है, लट्ठों को लेकर और उन्हें क्रूस की तरह रखना, उन्हें ठीक बीच में जलाना होता है। जब मैं बाहर तंबू लगाकर रहता हूं, मैं... रात के समय पहाड़ों में, ठंड से बचने के लिए, मैं एक लकड़ी को *इस* तरह से रखता हूं और एक लकड़ी को *उस* तरह से रखता हूं, और रात भर बस लकड़ी के सिरों को आगे की ओर धकेलते रहते है, और यह इसे ठीक तरह से जला देता है जैसे आप ऊपर रखते हैं, देखो, ठीक क्रूस की तरह एक के ऊपर एक रखते है।

294 "मेरे पास दो लकड़ियां हैं। मैं रोटी बनाने जा रही हूं, इस भोजन को तैयार करने, इस थोड़े से मुट्ठी भर आटे को लेकर, और अपने पुत्र के लिए एक रोटी बनाऊँगी। हम इसे खाकर और मर जायेंगे।" वह वास्तव में निर्बलता में थी, क्या वह नहीं थी? उसने कहा... और वह मुड़कर और चलकर वापस जाने लगी। ओह, वो गर्म सुबह! ओह, यह बहुत समय हो गया था तब बिना किसी चीज के। सब कुछ... कोई पानी नहीं, और लोग चिल्ला रहे थे, लोग हर जगह मर रहे थे; कहीं भी उधार लेने के लिए कुछ नहीं था, करने के लिए कुछ नहीं। वह मार्ग के अंत में आ गई थी। वह अपनी निर्बलता में थी। उसने कहा, "मैं इसे अपने लिए और मेरे बेटे के लिए तैयार करने जा रही हूं, और फिर हम खाकर और मर जाएंगे।" सो

वह घूमी और उसने कहा...

295 "बस एक मिनट!" उसने पीछे की ओर देखा। और वो पुराना मुरझाया सा चेहरा वहां द्वार के पार झांक रहा था, कहा, "जाकर पहले मेरे लिए एक छोटी सी रोटी बनाओ, और इसे मेरे लिए लेकर आओ।" ओह! "जाकर अपने हाथ में थोड़ा सा पानी और रोटी का एक टुकड़ा मुझे दो, क्योंकि, **यहोवा यों कहता है**।" ओह, उस एक ने ऐसा किया। ओह, प्रभु! जो कुछ थोड़ा सा उसके पास था, देखो, उसने इसे परमेश्वर को समर्पित किया। इतना उसे बाकी समय खिलाने के लिए पर्याप्त था। हाँ। देखो, जब वह निर्बल थी, तब वह बलवंत थी।

296 उस एक के पास बस एक बर्तन था जिसमें थोड़ा सा तेल था। और उसके पास कुछ भी नहीं था, उसके दो पुत्र गुलामी के लिए बेचे जाने वाले थे। वे तेल के इस छोटे से बर्तन के साथ और कुछ नहीं कर सकती थी। जो बहुत अधिक नहीं थी, वह अंत में थी।

एलिय्याह ने उससे कहा, "तुम्हारे घर में क्या रखा है? "

कहा, "एक बर्तन में थोड़ा सा तेल है।"

कहा, "अपने पड़ोसियों के पास जा, उनसे बहुत सा उधार मांग कर ले आ।"

297 वहां, देखो, इससे पहले कि कुछ घटित हो, पहले से ही तैयारी हो रही है। हाँ? तैयार हो जाओ! दाऊद ने शहतूत की झाड़ियों में उस आवाज को सुना। एलिय्याह ने एक हाथ के आकार के बादल को देखा, कहा, "मैं बहुत अधिक वर्षा की आवाज़ का शब्द सुनता हूं।" क्या परमेश्वर केवल कुछ खाली बर्तनो को ले सकता है! यह सही है।

उसने कहा, "घर को उन से भर दो।" आमीन!

298 देखा परमेश्वर क्या चाहता है? परमेश्वर के पास खाली बर्तन होना है। सुनना! हमारे पास बहुत सारी शिक्षा थी, इतनी सारी कलीसिया की बेकार की बातें, जब तक हम बर्तन के अंत में नीचे तक नही आ जाते हैं। केवल एक ही चीज बची है, परमेश्वर और उसके वचन की ओर फिरे। और यदि आप ऐसा करेंगे, तो कुछ खाली बर्तनो को ले ले। उनमें से सारे मेथोडिस्ट को बाहर निकालो, उन में से सारे पेंटीकोस्टल को, और उनमें से सारे बैपटिस्ट को बाहर निकालो, और बस उन्हें बर्तन बनने दो, और उन्हें घर

में स्थापित होने दो। और फिर इस बर्तन से लेकर और उंडेलना आरंभ करें, आमीन, बस उंडेलना आरंभ करें।

299 उसके पास अपना और अपने बच्चों का तथा अन्य सभी चीजों का ध्यान रखने के लिए पर्याप्त था तथा सारे कर्ज चुकाने के लिए। क्यों? क्यों? उसके पास बस जो कुछ भी थोडा था, परमेश्वर के लिए समर्पित, और इस भविष्यवक्ता के वचन का अनुकरण करते हुए, वह सही रास्ते पर आई।

300 परमेश्वर, हमारे लिए एक भविष्यवक्ता को भेजेगा जो परमेश्वर के वचन को लेगा, जो कुछ *कुछ भी और* नहीं ले, लेकिन बस खाली बर्तन ले लेगा। यदि परमेश्वर केवल खाली बर्तन को ले सकता है, और फिर परमेश्वर के वचन को लेकर और इसे व्यक्ति में उंडेल सकता है।

301 ना ही ऐसे कुछ जो कहते हैं, "ओह, जब मैंने इसे पाया तो मैं हिलने लगा। जब मैंने इसे पाया तो मैंने अन्य जुबान में बोला। मैं आत्मा में नाचा।" इसे भूल जाये, देखो, इसे भूल जाये!

302 बस वहां पर बने रहे जब तक ये ना आ जाए, बस ऐसा ही है, जब तक बर्तन भर ना जाए। यही है। इसी तरह से आप इसे करते हैं। जी हाँ, श्रीमान, इसका सादगीपन! "बर्तन भरे हुए थे," हम उस पर कैसे बने रह सकते हैं!

303 यह वे चेले थे, एक दिन सब घबरा गए, यीशु ने उनसे कहा, कहा, "यहां पांच हजार लोग हैं," और कहा, "वे बेसुध हो रहे हैं, वे भूखे मर रहे हैं।" ओह, मैं उस बात पर और एक घंटा बने रह सकता हूं। "पांच हजार, भूखे मर रहे हैं," वहां एक सौ अरब भूखे मर रहे हैं!

कहा, "उन्हें यहाँ वहां भेजो।"

कहा, "ऐसा करने की कोई आवश्यकता नहीं है।" कहा, "तुम उन्हें खिलाओ।"

304 ओह, प्रभु! मैं कल्पना कर सकता हूं कि हर एक चीज को जुटाने में लग गये जो कुछ भी उन्हें मिल सकता था और आप जानते हैं कि जब उन्होंने सब कुछ ले लिया (हर एक चीज) जुटा लिया था... इस अभिव्यक्ति के लिए क्षमा करें, "जुटा लिया।" लेकिन उनके पास सब कुछ था, उन्होंने कहा, "अब, यहाँ, हम सारे छावनी में से होकर गये हैं। हमारे पास एक पैसा भी

नहीं है, सो हमारे पास अभियान नहीं हो सकता है।" आप समझे? "तो हमारे पास यहां केवल जो चीज है, पर बस इतना ही हमारे पास है वो है बस पांच छोटी रोटियां, और दो छोटी मछलियां एक छोटे से गुलाबी लड़के से मिली" जैसे दाऊद था, जो उस ओर जंगल से बाहर आया था। "हमारे पास बस यही है। बस इतना ही हमारे पास है। हम अपनी बुद्धि के अंत पर हैं। हम और कुछ नहीं कर सकते, यूहन्ना।" पतरस ने कहा, "यही सब है जो हम कर सकते हैं। यही सब है जो हम कर सकते हैं। हम अपनी बुद्धि के अंत पर हैं। भोजन की पंक्ति में केवल यही एक चीज है जो हमारे पास है।"

305 तो ठीक है, मैं अब एक छोटा सा वचन ले सकता हूं, प्रेरितों के काम 2:38, और हमें बस इसी की आवश्यकता है, बस इसका पालन करें। आपको धर्म विद्यालय को सीखने की आवश्यकता नहीं है, *इसके, उसके, इत्यादि* सब के बारे में, बस उसे ले। जी हाँ, बस—बस इसे ले, यही है जिसकी आपको आवश्यकता है, "तुम में से हर एक जन पश्चाताप करे, और अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा ले, और तुम तेल से भर जाओगे।" देखा? बस खाली हो जाये, उस एक के लिए तैयार हो जाये, बस आपको यही करने की आवश्यकता है। बस इसमें एक बूंद डालें, इसे भरते हुए देखें।

306 आप जानते हैं, उस बर्तन में तो शायद हर एक में एक बूंद डालने जितना भी नहीं था। हो सकता है उसने अपनी उंगली को *इस* तरह से लिया, बस इसे हर एक में इस तरह से गिराया; वापस मुड़कर देखा और यह भरा हुआ था। बस इसे छोड़ दिया, देखो, उसे बस यही चाहिए, क्योंकि यह धन्य तेल था।

307 किसी धर्म विद्यालय के अनुभव को ना ले। परमेश्वर के वचन को लें और इसे वहां पर छोड़ दें, देखें कि यह कैसे भर जायेगा।

308 उसने कहा, "तो ठीक है, हमें किस तरह की एक बूंद को बनाना चाहिए? हो सकता है हम भजन संहिता में से कुछ तो निकाल सके।"

309 आप वो ले जो मैंने आपको बताया, "पश्चाताप करो, और पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लो, और तुम उस बूंद से भर जाओगे।" बस इसे वहां पर छोड़ दो, और तुम उस बूंद से भर जाओगे। यही वो बूंद है जिसका उपयोग पतरस ने पेंटीकोस्ट के दिन किया था। यही वो बूंद है जिसका पौलुस ने प्रयोग किया। यही वो बूंद है जिसे सारे चेलो

ने प्रयोग किया। बाकी सब जुड़ जाएगा, तुम बस वो बूंद लो और उसका अनुसरण करते रहो, बाकी का सब सही हो जाएगा।

310 निर्बल हो जाओ! खाली हो जाओ! पूरी तरह से खाली हो जाए, और तब से यह बूंद–बूंद गिरता रहेगा, और परमेश्वर बाकी का बूंद–बूंद गिरायेगा। आप बस ऐसा करें। आप अपने घुटनों के बल जाकर और इसे अपने पूरे ह्रदय से ग्रहण करें। ठीक अभी अपने ह्रदय में डाले और कहे, "परमेश्वर, मैं इसे अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करता हूं!" परमेश्वर बाकी की बूंदों को देख लेगा, यह भर जाएगा, "तुम भर–... पवित्र आत्मा से भर दिए जाओगे।"

311 अब उनके पास पांच छोटी रोटियां और दो मछलियां थी। तो वे क्या करने जा रहे थे? सो उन्होंने आकर और कहा, "यही सब हम एकत्र कर सकते हैं। हम अपनी बुद्धि के अंत में हैं। हमेंशा रोटी का एक और टुकड़ा कहीं नहीं मिल सकता हैं, वहां कोई भी नहीं है। और यह छोटा लड़का, संभवत: चित्रित कर रहा हूं... खेल रहा है, आज सुबह स्कूल गया हुआ है, और स्कूल जाने से चूक गया और यहाँ मछली पकड़ने चला गया। और हमने उसे यहाँ नीचे नदी पर से लिया, वह सुनने के लिए आया है। और, वहाँ, उसके पास पाँच मछलियाँ है।" उस छोटे लड़के के लिए परमेश्वर का धन्यवाद हो! जी हां, श्रीमान। कहा, "हम... जीवन की पंक्ति में केवल एक चीज जो हमारे पास है वह यह छोटी सी बूंद है।" कहा...

312 यीशु ने कहा, "बस इतना ही काफी है। उन्हें यहां लाओ।" देखा? "इसे यहां लाओ, इसे मुझे दे दो। मुझे उस छोटी सी बूंद को लेने दो, मैं बाकी का देख लूंगा। अब, तुम बस सबको बांटते रहो जैसे–जैसे मैं तुम्हें इस बूंद से देता हूं।"

313 और आप में से हर एक जन प्रेरितों के काम 2:38 की बूंद को आज सुबह अपने ह्रदय में ले, और बस वहां से ले और उसकी ओर देखे कि वह आपके लिए जीवन की रोटी को तोड़ना आरंभ कर रहा है। आप पश्चाताप करें, अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लें, और फिर देखो क्या पवित्र आत्मा अंदर नहीं आता है, तो *इस* पर बूंद को गिराते रहे और *उस* पर गिरते रहे, *यहाँ* बूंद को गिराते रहे और *वहाँ* बूंद को गिराते रहे, और *वहाँ* गिर रहा है, और वहाँ पवित्र आत्मा का भरना होगा! सही है!

314 आपको धर्म विद्यालय जाने की आवश्यकता नहीं है। आपको चतुर

होने की आवश्यकता नहीं है। आपको केवल एक ही चीज को करना है कि पहचानना है कि आप कुछ भी नहीं जानते हैं। परमेश्वर को आप पर अधिकार करने दो, वह बाकी का वो देख लेगा।

315 तो ठीक है, तब आवाज ने कहा, "उन्हें यहां लाओ।" यही है जो आज सुबह परमेश्वर चाहता है, कि उसके लिए खाली बर्तनों का एक झुण्ड लेकर आये। वह बाकी का देख लेगा। जी हां, श्रीमान।

316 अंधा बरतमई फाटक के पास बैठा हुआ है, चिथड़ी अवस्था, ठंडा, ओह, उसका सबसे निर्बल समय में, जब उसने एक आवाज को सुना, कहा, "उसे यहां लाओ।" यह ठीक बात है, यह, कभी–कभी, यह आपका सबसे निर्बल समय होता है।

317 कब्र पर मरियम थी, उसका ह्रदय टूटा हुआ था, उसका बालक, उसका बेटा मारा गया था, हर एक चीज, सारी आशाये जा चुकी थी। और वह उसके शरीर को लगाने के लिए चली गई, और यहां तक कि उसका शरीर भी वहां पर नहीं था। और उसने एक आवाज को कहते सुना, "तू क्यों रोती है, स्त्री? "

318 उसने कहा, "वे मेरे प्रभु को उठा कर ले गये है। और मैं... " बेचारी छोटी चीज, उसके बालक को अपमानित किया गया था; उसे निवस्त्र करके पूरी तरह नग्न किया गया और उसे वहां एक क्रूस पर लटका दिया गया, और उसे क्रूस पर चढ़ाकर और उसे वहां पर कीलों से ठोका, उसके द्वारा मसीहा होने का दावा करने के बाद, जब वह जानती थी कि पवित्र आत्मा ने उस पर छाया किया और इस बालक को जन्म दिया। यह परमेश्वर का बालक था। मरियम ने उसके कामों को देखा था, और हर एक चीज, और ठीक सबसे कमजोर समय में देखा...

319 और वहां यीशु बुराई के विरोध में खड़ा हुआ था, उन संगठनों के विरोध में खड़ा हुआ, उन फरीसियों के विरोध में खड़ा हुआ; और निर्बल हो गया और अपने आप को मृत्यु के हवाले कर दिया, और क्रूस पर हमारे पापों को उठाकर, एक पापी के समान मर गया। वही भजन संहिता, वही भविष्यद्वक्ता जिन पर उन्होंने विश्वास किया, हवाला दिया था (सैकड़ों वर्ष पहले) वही वचन जो उसने कलवरी पर कहे, और वे इसे देखने से चुक गये। उनकी बड़ी कली–...

320 "मेरे परमेश्वर," दाऊद ने कहा, "मेरे परमेश्वर, तूने मुझे क्यों छोड़

दिया?" भजन संहिता 22, "मेरी सारी हड्डियां, वे मुझे घूरते हैं, उनमें से एक भी नहीं टूटी। वे अपने सिर को हिलाते हैं और कहते हैं, 'उसने दूसरों पर भरोसा किया... उसने—उसने दूसरों को बचाया, वह खुद को नहीं बचा सकता है।'" और वे सारी बातें जो भविष्यवक्ताओं ने कही थी, ठीक वहां पर थी! और यीशु, मर रहा है, उस वचन को थामे हुए, स्वयं को सौंप दिया। परमेश्वर, इम्मेनुएल, इतना निर्बल हो गया कि उसने खुद को मृत्यु के लिए, और कब्र के लिए, और उसका प्राण को अधोलोक के लिए सौंप दिया। निर्बलता! लेकिन उस पुरे समर्पण में से... उस ईस्टर की सुबह को वो आगे आया, अपने स्थिति को सबसे निचले से ऊपर की ओर बदलता चला गया।

321 वह सबसे ऊंचे पर था, और सबसे नीचा बन गया। वह सबसे निचले लोगों के पास आया, सबसे निचले शहर में चला गया। और नगर का छोटे से छोटे व्यक्ति उसकी ओर नीचा देखना था। वहां से मृत्यु की ओर चला गया, और मृत्यु से कब्र में, और कब्र से अधोलोक में; जो सबसे निचला स्तर हो सकता था, जिस सबसे नीचले अधोलोक की कल्पना की जा सकती थी, वह वहां तक गया।

322 लेकिन उसके बाद, वहां से, परमेश्वर ने उसे ऊपर उठाना आरंभ किया। स्वर्गलोक में से होते हुए, वहां से—से कब्र तक, और कब्र से महिमा की ओर, और इतना ऊँचा कि उसे स्वर्ग को देखने के लिए नीचे देखना पड़ता है। स्वर्ग में उसके सिंहासनों को ऊंचा किया!

323 वह छोटी सी टूटी हृदय के साथ मां, यह नहीं जानते हुए, वहां पर खड़ी हुई थी, "वे मेरे प्रभु को उठा कर ले गये है, और मैं नहीं जानती कहां पर।" वह... अब तक की उसकी सबसे निर्बल घड़ी थी। उसका—उसका प्रभु चला गया था। उन्होंने उसे क्रूस पर चढ़ाया था, फिर भी उसने इसे... उन लोगों के सामने नग्न अवस्था में क्रूस पर लटकाने की लज्जा में उसे क्रूस पर चढ़ने दिया; और उसकी बगल में भाला छेदा, और लहू बहने लगा, और उसे क्रूस पर चिल्लाते हुए सुना, और धरती को हिलते हुए देखा, और सारे आकाश ने जान लिया कि वह मरा हुआ था। उसे नीचे ले उतार, शरीर कड़ा और ठंडा था, और उसे कब्र में रख दिया। मरियम ने सोचा, "आखिरी सम्मान जो मैं अपने प्रिय बालक के लिए कर सकती हूं, कि आकर और उसके शरीर में लेप को लगाऊं, और अब वे उसे उठाकर ले

गये है।" और वह वहां खड़ी हुई रो रही थी, वह छोटी मां वहां खड़ी रो रही थी, सुबक रही थी। ओह, सबसे निर्बल क्षण!

"तू क्यों रोती है, स्त्री? " उसके पीछे से यह आवाज आई थी।

324 उसने सोचा कि यह कब्रिस्तान में देख–भाल करनेवाला है, कहा, "ओह, वे उठा कर ले गये है... " वह यहाँ तक मुड़ भी नहीं सकती थी, वह बहुत ही कमजोर हो गयी थी। उसने कहा, "मैं अब इन तीन दिनों और रातों से जाग रही हूं। मैंने खड़े होकर और उसे क्रूस पर चढ़ते हुए देखा, मैंने अपने खुद के प्रिय को देखा, जो मैं जानती हूं कि वह परमेश्वर का पुत्र था। मैं जानती हूं कि वह था! और फिर भी वे... " (दूसरी ओर देख रही हैं, और वो पीछे था।) "और वे उसे उठा कर ले गये और उन्होंने उसे क्रूस पर चढ़ाया। मैंने उसे मरे हुओं को कब्र में से जिलाते हुए देखा। मैंने उसे अद्भुत कार्यो के बाद अद्भुत कार्यो को करते हुए देखा है। और मैं जानती हूं पवित्र आत्मा... परमेश्वर मेरे हृदय को जानता है, मैं हर एक चीज के लिए निर्दोष थी, और पवित्र आत्मा ने मुझे उस बालक को दिया, बिना किसी पुरुष को जाने। मैं किस तरह से जानती हूं कि यह सच था! और मैंने उसे अपमानित होते देखा और... उसे निवस्त्र कर दिया, और उसे वहां पर लटका दिया और उसे नीचे उतारा। वह सबसे भयानक मृत्यु मरा। मैं उससे प्रेम करती हूं, मैं परवाह नहीं करती कि उसके साथ क्या हुआ। मैं अब भी उसे दफनाना चाहती हूं, मैं—मैं चाहती हूं उसे सही प्रकार से दफनाना चाहती हूं, और वे उसे उठा कर ले गये है। मैं कई दिनों से इस स्थिति में हूँ, मेरा हृदय टूट गया है। मैं बस इस अवस्था में खडी हूं। मैं नहीं जानती कि उन्होंने मेरे प्रभु के साथ क्या किया है।"

325 उसने कहा, "मरियम।" और तब वह बलवंत हुई थी। आमीन! "जाकर मेरे चेलों से कहो कि मैं उनसे गलील में मिलूंगा।" ओह, प्रभु!

326 निर्बलता में तब हम बलवंत बनते हैं। जब आप निर्बल होते हैं, तब आप सामर्थी बन जाते हैं।

327 पतरस, वहां मछली पकड़ने के बाद, वह... उसका व्यवसाय मछली पकड़ना था। मैं एक प्रकार से उसके व्यवसाय को पसंद करता हूं। और सो, वह वहां मछली पकड़ रहा था, पूरी तरह से निराश, जानता था कि उसने मसीह का इन्कार किया था। ओह, प्रभु! सुना कि भविष्यवक्ता वहां खड़ा है और उससे कहता है, "पतरस, क्या तुम कहते हो कि तुम मुझसे

प्रेम करते हो? ”

328 उसने कहा, “हे प्रभु, आप जानते हैं कि मैं आपसे प्रेम करता हूं।” उसने कहा, “मैं आपसे प्रेम करता हूं। मैं आपके लिए मरने को तैयार हूं।”

329 उसने कहा, “पतरस, तुम सोचते हो कि तू यही चाहता है, परंतु तुम इससे पहले तीन बार मेरा इन्कार करोगे... इससे पहले कि मुर्ग तीसरी बार बांग दे, तू मेरा इन्कार करोगे। देखो, तुम मुर्ग के बांग देने से पहले तीन बार मेरा इन्कार करोगे।”

330 और फिर इसे पूरा होते हुए देखते हुए, जब वह वहां खड़ा हुआ था और कहा, “मैं उसे नहीं जानता। नहीं, मैं उन पेंटेकोस्टल लोगों के बारे में कुछ नहीं जानता।”

331 यह प्रचार को बंद करने का समय नहीं है, यह बस मेरी घड़ी है जिसमें संकेत दे रहा है। [भाई ब्रन्हम की घड़ी पर अलार्म बजता है—सम्पा।] देखा? कहा कि, “मैं—मैं जानता हूं... ” मुझे—मुझे अब रुकना चाहिए, लेकिन मैं—मैं ठीक इस समय पर नहीं रुक सकता, देखो, इसलिए मुझे इसे यहां कुछ मिनट के लिए समाप्त करना होगा।

332 कहा, “मैं—मैं—मैं—मैं जानता हूं कि मैंने उसका इन्कार किया है। मैंने पिलातुस के सामने उसका इन्कार किया। जब वह छोटी महिला मेरे पास आई मैंने उसके सामने इन्कार किया, उसने कहा, ‘क्या तुम उनमें से एक नहीं हो?’ ‘नहीं!’ और यहाँ तक शापित किया!” ओह, वो एक भयानक स्थिति में था। कहा, “मैं—मैं—मैं... ” उसने इन्कार किया... उसने उसका इन्कार किया था। और उसने यीशु को खड़ा हुआ देखा था और वहां पर देखा, उसके बाद जब मुर्गे ने बाँग दी, उसने पतरस की ओर देखा। वह बाहर निकल गया। ओह, वह अपने आप से निराश था, कहा, “मैं अब और क्यों जीवित रहूं? ”

333 और फिर, इसके अलावा, उसने कहा, “मैं सोचता हूं कि मैं वापस जाकर और फिर से मछली पकडूँगा। मैं अब और प्रचार नहीं कर सकता, इसलिए मैं बस वापस जाकर और मछली पकड़ना आरंभ करूंगा।” उसने अपने जाल को अंदर फेंका और सारी रात डाले रखा, उसे कोई मछली नहीं मिली थी। और वह एक कमजोर स्थान पर था, उसे कुछ भी नहीं मिला, अपने आप से निराश होकर, अपनी क्षमताओं के अंत पर आ गया था।

334 तो ठीक है, उसने सोचा कि वह एक बड़ा व्यक्ति था, महायाजक के पुत्र के कान इस तरह से काटा था। तो, उसने सोचा कि वह एक बड़ा व्यक्ति था, आप जानते हैं, उसने कुछ तो सीखा था। लेकिन उसे कुछ भी पता नहीं था! उसे सब कुछ भूलना था।

335 और वह वहां पर था, कहा, "ठीक है, मैं एक बात जानता हूं, मैं एक मछुआरा हूं। मैं अभी भी मछली पकड़कर अपनी जीविका चला सकता हूं।" उसने सारी रात डाली और कुछ भी नहीं पाया। ओह, क्या ही निराशाजनक बात है! हर बार वह उसे जाल को ऊपर खींचता, एक खाली होती। और वह बहुत ही निराश था! वह सबसे निर्बलता की स्थिति में था, कहा, "मुझे तो नाव से कूद जाने का मन कर रहा है। वैसे भी मैं किसी योग्य नहीं हूँ।"

उसने कहा, "क्या तुम्हे कोई मछली मिली, बच्चों? "

336 समुंद्र किनारे पर देखा, और वहां एक मनुष्य खड़ा हुआ था। उसने कहा, "नहीं, हमने सारी रात परिश्रम किया है और कुछ भी नहीं मिला है। मैंने सोचा कि मैं एक मछुआरा हूं।"

"क्या यह तुम हो, शमौन? "

337 "हाँ। तो, मैंने सारी रात परिश्रम किया और कुछ भी नहीं पाया। ओह, मैं—मैं... हमारे यहां कोई मछली नहीं मिली।"

उसने कहा, "तो ठीक है, अपना जाल दूसरी ओर डालो।"

338 "हमने डाला... क्या? " तब वह–... कहा, "दूसरी ओर डालूं? हम ऐसा ही करते रहे हैं!"

"इसे दूसरी ओर डाल दो।"

339 उसने अपने जाल उस ओर फेंके, और उसने खींचा। उसने कहा... तब वह बलवंत हो गया। ओह, प्रभु! उसने अपने पुराने तैरने के कोट को लिया और इसे उसके चारों ओर डाला, और कहा, "भाइयों, यही है वो!" और वह दूसरों की नावों को चलाने की गति से कहीं अधिक तेजी से किनारे पर पहुंच गया, यहां तक कि वे तैरने के कोट को पहने हुए भी थे, और वो उनसे पहले किनारे पर पहुंच गया। क्यों? जब वह बलवंत था। जब वह बलवंत था तो वह कुछ नहीं कर सकता था, परंतु जब वह निर्बल हो गया तब वह बलवंत हो गया था। जी हां, श्रीमान।

340 ओह, परमेश्वर की रणनीति है कि मनुष्य के खाली बर्तन को लेकर और उनके साथ संसार को हिला देता है। (अब, बस थोड़ा सा और उसके बाद हम चले जायेंगे।) जैसे की पेंटीकोस्ट पर, पेंटीकोस्ट पर, उसने क्या किया? उन सब को खाली होने में दस दिन लगे। लेकिन वे सब वहां उनके बर्तनों को उठाकर खड़े थे, और परमेश्वर ने खुद को लिया और उन्हें भर दिया। बस इतना ही! उन्होंने संसार को हिला दिया; उसने अपने आप को उनमें उंडेल दिया।

341 यही आज की आवश्यकता है। यही है जिसकी आज हमें आवश्यकता है, वो है खाली बर्तन, जी हां, श्रीमान, क्योंकि परमेश्वर उन्हें भर सकता है। और आप उन्हें नहीं ले सकते... मुझे यहाँ बहुत कुछ छोड़कर आगे जाना है। परमेश्वर उनका उपयोग नहीं कर सकता जब तक वे पहले से ही भरे हुए हैं। यदि आप धर्मज्ञान के प्रशिक्षण से भरे हुए हैं, तो परमेश्वर आपका उपयोग नहीं कर सकता है। परमेश्वर के पास खाली बर्तन होने चाहिए ताकि *वह* उन्हें भर सके।

342 अब, एलिय्याह ने यह नहीं कहा, "जाकर कुछ बर्तन ले और बहुत सारा तेल उधार लेकर आ, और हम देखेंगे कि क्या हमें इस पर अच्छा बिक्री का दाम नहीं मिल सकता है, और तुम्हें थोड़ा और मिल जाता है और तुम इस तरह पड़ोसी को चुका सकती हो।" उसने कहा, "बस *खाली* बर्तन ले आओ। आपको बस यही आवश्यकता है।"

343 ऐसा ही है जो पेंटीकोस्ट पर था, उनके पास खाली बर्तन थे जिससे कि परमेश्वर उन्हें भर सके। भाई, इस दिन की यह मांग है। इस दिन; यह होना ही है। हमारे पास यह होना है या तो नाश हो जायेंगे। मैं अब बंद करने जा रहा हूं, सुनना। हमारे पास यह होना है या तो नाश हो जायेगे। जी हां, श्रीमान।

344 हमारे पास जो बड़ी–बडी कलीसिया संबंधित मशीने है, बड़ी कलीसिया की मशीने कार्बन चढ़ा हुआ है, इसमें एक आत्मिक आधात हुआ है। भाई कोलिन्स यहीं कहीं पर है, और भाई हिकरसन। मैं सोचता हूं इंजिन का यांत्रिकी सामान खराब है। कुछ तो गलत हुआ है। वे गलत प्रकार के इंधन का उपयोग करते हैं, वह पूरी तरह से कार्बन से भर गया है। वे पवित्र आत्मा के बजाये स्कूली धर्मज्ञान के अनुभव का उपयोग करते हैं।

345 हमारे देश की महान बेदारियां, हमारे महान पुरुष, हमारे चंगाई के

अभियान, सब विफल हो गए हैं। हम जानते हैं कि ऐसा है। हमारे महान सुसमाचार प्रचारक बिली ग्राहम को देखो, जिन्होंने देश के एक छोर से दूसरे छोर तक बार–बार यात्रा की। इससे क्या भला हुआ? ओरल रॉबर्ट्स, उन्होंने हर जगह चंगाई के अभियान किये, और यह हर समय खराब होता जा रहा है।

346 क्योंकि यह सब बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, असेंबली ऑफ गॉड, ये सारे दूसरे भिन्न–भिन्न संगठनाए, उन सब को एक साथ मिलाते है, यह क्या है? एक बड़ी कलीसिया संबंधी की मशीन, और परमेश्वर ने इसे आपके लिए कार्बन से भर दिया है। अब वह बस कच–कच की आवाज़ कर रही है, "कच," पम्प, पम्प, पम्प, "कच," पम्प, पम्प, पम्प, थोड़ा सा इधर–उधर। वह ख़त्म हो चुकी है! वह समाप्त हो गई है! इंधन खत्म हो गया, आपने उसमें पानी डाल दिया। सब कुछ जा चूका है (जी हां, श्रीमान), दोनों ओर सपाट टायर हो गये है। हम एक भयानक स्थिति में हैं। कलीसिया संबंधी मशीन बंद पड़ गई है।

347 और, भाई, नरक से ढक्कन खुल कर उतर आया है। यह सही है। और हर कहीं से दुष्ट की शक्ति की धाराये बह रही है। इसने राष्ट्रों पर जय पाया है। इसने राजनीति को जय पाया है, इतना तक कि यह अंदर तक सड़ा हुआ है। इसने कलीसियाओ पर जय पाया है इतना तक कि वे सिवाये संप्रदाय के कुछ भी नहीं जानते।

आप कहते हैं, "क्या आप एक मसीही हैं? "

"मैं एक मेथोडिस्ट हूं।"

"क्या आप एक मसीही है? "

"मैं—मैं पेंटीकोस्टल हूं।"

348 इसका कोई मतलब नहीं है, जैसा कि मैंने उस दिन कहा था, एक सुअर, या एक सूअरी, या एक घोड़ा, या कुछ और होने के जैसा ही है। इसका इसके साथ कोई लेना–देना नहीं है। आप एक मसीही है जब आप नया जन्म लेते है और पवित्र आत्मा से भरते है, तब तक आप मसीही नहीं है, और आप पूरी तरह से आत्मा के लिए समर्पित हो जाते हैं। यदि आप आत्मा के लिए समर्पित नहीं होते हैं, तो आप फिर से जन्म नहीं लेते हैं और आपके पास पवित्र आत्मा नहीं है। आप अन्य जुबान में बोल सकते हैं और कांप सकते हैं, और कूद सकते हैं, और सब प्रकार के...

349 पौलुस ने कहा, "मैं विश्वास के साथ पहाड़ों को हिला सकता हूं, मैं बीमारों को चंगा कर सकता हूं, मुझे बाईबल का ज्ञान हो सकता है, मैं एक धर्म विद्यालय में जा सकता हूं और यह सारी चीजें सीख सकता हूं, हर एक चीज," कहा, "मैं फिर भी कुछ भी नहीं हूं!" हाल्लेलुय्या!

350 ओह, प्रभु, केतली के ढक्कन के बारे में बात करें! दुष्ट आत्माये यहाँ–वहां जा रही है, शैतान की सामर्थ, मसीहत के नाम में, "मनुष्यों की आज्ञाओं को शिक्षा के लिए सिखाते है," जो धर्मज्ञानी सेमिनरी के सिद्धांत, केवल बाईबल को छोड़कर।

351 हाल्लेलुय्या! कौन ऐसा करने में सक्षम है, कौन पर्याप्त रूप से मजबूत है, कौन पर्याप्त रूप से बुद्धिमान है? कौन इतना शक्तिशाली है कि हमारी महिलाओं के निवस्त्र करने वाली इस सेना को वश में कर सके, प्रचारकों के नाम पर, मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, और यहां तक कि पेंटीकोस्टल के नाम पर? ईजाबेल की तरह अपने चेहरे को रंगती है, और अपने बालों को काट रही है, और बिल्कुल पुरुषों की तरह पैंट पहनती है। हमारे प्रचारक, उन्हें इसके बारे में बताने के लिए पर्याप्त रूप से विकसित नहीं हैं। शैतान से ग्रस्त है! यह वो विशाल संख्या थी जिसने उसके कपड़े उतरवा दिए थे। यह गरजता हुआ शैतान कौन है?

352 कौन इतना मजबूत है? किस प्रकार का एक—एक संप्रदाय इन संप्रदायों की कब्रों के बीच से ऊपर–नीचे चलते हुए उस पर विजय प्राप्त करने में सक्षम है, जो चिल्ला रहा है, "अद्भुत कार्यो के दिन बीत चुके हैं, और हमें पवित्र आत्मा की आवश्यकता नहीं है"?

353 और कौन उस शैतान को वश में कर सकता है? परमेश्वर! हम इसे संप्रदाय के द्वारा नहीं कर सकते। हम इसे कलीसिया संबंधी शक्तियों के द्वारा नहीं कर सकते। लेकिन एक समय एक आवाज थी जिसने ऐसा किया, आमीन, जिसने उन शैतानों को वश में किया, उन्हें उनके सही दिमाग में डाला और उन पर कपड़े डाले। वही आवाज हमें एक प्रतिज्ञा देती है, "जो काम मैं करता हूं तुम भी करोगे।" आप इसे कार्बन युक्त कार में कलीसिया संबंधी इंधन के नीचे कभी नहीं कर पायेंगे। आप इसे किसी संगठन में कभी नहीं कर पायेंगे। आप इसे तब करेंगे जब आप खाली हो जाते हैं और निर्बल बन जाते हैं, अपने आप को पूरी तरह बाहर उंडेल दे, और पवित्र आत्मा को अंदर आने दे और आपके हर एक भाग को धड़कने दे, आपके शरीर

के हर एक ढक्कन को भर दे। केवल यही है... इसे करें। हमें एक नए संगठन की आवश्यकता नहीं है।

354 हे परमेश्वर, हमें क्या आवश्यकता है, मैं महसूस करता हूं कि यह अब यहां से होते हुए उंडेला जा रहा है। हमें परमेश्वर के भविष्यव्यक्ता की आवश्यकता है जो कि परमेश्वर की बिजली की गर्जना के साथ उठे, आत्मिक बिजली जो इस संसार को लज्जित करने के लिए हिला देगी! हाल्लेलुय्या! खाली बर्तन ही वे है जिसकी उसे आवश्यकता है, यह सही है, एक बाहर बुलाई हुई कलीसिया, एक थोड़े से कम संख्या के लोग जो परमेश्वर की सामर्थ और आशीषे और उसके संदेश को ग्रहण करेगा। हाल्लेलुय्या! यही है जो हमें जिसकी आवश्यकता है।

355 निर्बल हो जाये ताकि आप बलवंत हो सके। यह हर शैतान को जीत लेगा। यह ज्ञानी को लज्जित करेगा। यह उन पुरुषों और महिलाओं को लाएगा जिन्हें परमेश्वर ने बुलाया है, और केवल उन्ही को।

356 याद रखें, "जैसा कि यह नूह के दिनों में था, ऐसा ही मनुष्य के पुत्र के आने के दिनों में होगा, आठ प्राण बच गए थे।" एलिय्याह के दिनों में केवल सात हज़ार लोगों के पास ही यह था। ओह, ज़रा सोचिए कि हम अब कहाँ रह रहे हैं। जब यूहन्ना दृश्य पर आया, तो छोटी सी कलीसिया निश्चित रूप से अल्प संख्या में थी, लेकिन वहां तेल को उंडेलने के लिए खाली बर्तन थे। हाल्लेलुय्या!

परमेश्वर, हम अपने आप को खाली कर दें।

357 खाली हो जाओ, मित्रो। निर्बल हो जाओ! अपनी खुद की क्षमता को अस्वीकार करें! और आप बाहर रेडियो में... ना ही रेडियो में, लेकिन वहां बाहर... जो इन टेपों को सुनते हैं, जहां भी वे आते हैं, अपने आप को खाली करे। अपने आप को एक बलिदान के रूप में परमेश्वर की वेदी पर उंडेल दें। दूत को कोयले के अग्नि के साथ आने दो, उस बर्तन को सर्वशक्तिमान परमेश्वर की सामर्थ से भरने दो। हो जाए... तब वह आपको सामर्थी बनाएगा, वो आपको खड़े होने के लिए अनुग्रह को देगा।

आइए हम कुछ मिनट के लिए अपने सिरों को झुकाएं।

358 हे प्रभु, एक और रविवार की सुबह बीत चुकी है, और हम इस पवित्र सभा में बैठे हुए हैं, जहां पुरुष और स्त्रियां है जो आपको जानते हैं, जहां आपका आत्मा उनके हृदय में वास करता है, और वे आप पर विश्वास करते

हैं और उन्होंने हर एक वचन पर प्रतिक्रिया को किया है जो आपने—जो आपने हमें करने की आज्ञा दी है। और हम आपको इन लोगों के लिए धन्यवाद देते हैं।

359 और हो सकता है बाहर देश में दूसरे लोग भी है जहां ये टेप जाएंगे, जहां छोटी नम्र स्त्रियां और पुरुष उन टेपों को घरों में और जातियों में और बाहर दूसरे देशों में लेकर जायेंगे। और होने पाए वे सुने, प्रभु, और समझे, अपने आप को खाली कर दे ताकि पवित्र आत्मा उन्हें भर सके।

360 हो सकता है आज सुबह यहां भी कुछ लोग है, प्रभु, जो... जब से हमने बोलना आरंभ किया है अपने आप को खाली कर चुके है, जो यह समझ गये है कि उन्होंने अपने विचारों पर बहुत अधिक भरोसा किया है, अपने स्वयं के, वे... अपनी योग्यता पर, उनके अपने साधारण मनुष्य के दिमाग की उस—उस चतुराई में भरोसा करते है, जो कि परमेश्वर के सामने गंदगी के अलावा और कुछ नहीं है। हे परमेश्वर, होने पाए वे अपने आप को अब बस खाली कर दें, नम्रता से अपने आप को समर्पित करें और आत्मा से भरने के लिए आगे आये। इसे प्रदान करें, प्रभु।

इसने बाईबल में कहा, "जितनो ने विश्वास किया बपतिस्मा लिया।"

361 आज सुबह इस इमारत में एक छोटी सी महिला बैठी हुई है, पिता, यहाँ पीछे बैठी हुई है, और मुझे याद है कि एक रात श्रीमती हिक्स मेरे पीछे आई और वहां वो पड़ी हुई थी जो हड्डियों के अलावा कुछ भी नहीं थी, उसकी नसें, छोटी–छोटी नसें उसकी त्वचा पर फैली हुई थीं, कैंसर ने उसे खा लिया था; उसका पति, जो अभी तक मसीही नहीं बना था। और मुझे वह प्रार्थना याद है जो मैंने उस रात प्रार्थना की थी: "परमेश्वर, आपने छोटे दाऊद को शेर के पीछे भेजा, एक साधारण सी गोफन के साथ, और वह मेमने को वापस ले आया।" मैंने कहा, "इस कैंसर ने मेरी बहन को पकड़ लिया है; वह एक शैतान है। मैं जानता हूं कि आप परमेश्वर है। मैंने आपको देखा है, प्रभु, और मैं जानता हूं। मैंने आपके साथ बात की है, और आपने वापस उत्तर दिया है।" "मैं परमेश्वर की भेड़ों के पीछे–पीछे आता हूं; कैंसर, तू उसे छोड़ दे!" तब उस महिला यीशु मसीह के नाम में आज्ञा दी कि "घर जाओ।" और उसका पति, जो अब तक समर्पित नहीं हुआ था, उसने उस वचन का विश्वास किया और अपनी पत्नी को घर ले गया। आज सुबह वो यहाँ पर है, एक महान मजबूत स्वस्थ महिला, कैंसर

जा चुका है, वह आज सुबह यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लेने के लिए आ रही है। हे परमेश्वर, उस खाली बर्तन के लिए धन्यवाद जो भरने के लिए तैयार है। परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप उस प्राण को आशीष देंगे।

362 प्रभु, यह तो अन्य अनेक उदाहरणों में से एक उदाहरण मात्र है। मैं प्रार्थना करता हूं कि आपकी आशीषे इस श्रोतागण पर बनी रहे, सत्यनिष्ठापूर्वक, परमेश्वर, सत्यनिष्ठापूर्वक। यदि...

363 केवल एक ही चीज बची है, पिता, जिसे मैं देख सकता हूं, वह यह कि या तो आप कहीं खाली बर्तनों के साथ उठ खड़े होंगे और इस संसार को अपने आप में लज्जित करे, या यीशु को तुरंत भेज दे। प्रभु, अंत आ गया है, अब केवल दो काम बाकी हैं (और हमें इसे तुरंत अवश्य ही देखना होगा) क्योंकि हम जानते हैं कि यह अंत के कगार में है; या तो हम कुछ तो सामर्थी चीज को तुरंत ही ऊपर उठते हुए देखेंगे, या हम प्रभु के आगमन को देखेंगे।

364 सारी भविष्यवाणी पूरी हुई। चर्च के पुनरुत्थान से पहले अंतिम बात, प्रकाशितवाक्य के 3रे अध्याय में उसे ऊपर उठाया गया था, लौदिकिया कलीसिया युग में एक संदेशवाहक का आगमन था, जो "लोगों के ह्रदय को आरंभ के पूर्व पिताओं की ओर फेरेगा," उन्हें नियमित पेंटीकोस्ट पर वापस लायेगा, जो उनके पास होने का दावा करते है। वहां हजारों गुना हजारों होंगे, जैसे कि यह नूह के दिन में था, प्रभु, नष्ट हो जायेंगे। उनमें से बहुत से नष्ट हो जायेंगे। हम देखते हैं कि यह पहले ही पूरा हो चुका है, पिता।

365 प्रभु यीशु आ, अपनी कलीसिया को उठा लिजिये। और यदि यह आपकी इच्छा है, प्रभु, इससे पहले कि कलीसिया का रेपचर हो, होने पाए वहां सामर्थ उठे। हे परमेश्वर, इन बर्तनों को भर दे। उन्हें ऊपर उठाये, प्रभु! इस संसार को एक बार फिर से हिला दीजिये! हम जानते हैं कि यह समय बीत चूका होगा, तब कोई पश्चाताप नहीं होगा, तब वह समय उनके लिए बहुत दूर होगा। लेकिन अपनी सामर्थ को दिखाये, प्रभु, उन बर्तनों को भर दीजिये और इस संसार को ऐसे हिला दीजिये जैसे इसे पहले कभी नहीं हिलाया गया हो! तब अपनी कलीसिया को ले लीजिये। संसार को उसकी अव्यवस्थित स्थिति में छोड़ दो, जिसमें वह बनी हुई है, हे परमेश्वर, वे

संघर्ष करते हैं।

366 तब हम जानते हैं कि वो महान पवित्र आत्मा उसके बाद यहूदियों के पास आएगा। जब हमने एक लाख चवालीस हजार को सीनय पर्वत पर खड़े हुए देखा, मेम्ने के साथ खड़े हुए, लेकिन दुल्हन पहले से ही स्वर्ग में थी। उसे पहले ही उठा लिया गया था, और मेम्ना वापस आया था (यूसुफ) कि अपने आप को उसके लोगों पर प्रकट करे। और बाईबल ने कहा कि उनके बीच में टूटना होगा जब वे उसकी ओर देखेंगे और उसे वहां खड़े हुए देखेंगे। जब वह स्वयं को प्रगट करता है, वे कहेंगे, "तुम्हे ये घाव के निशान कहां से मिले? "

उसने कहा, "मेरे मित्रों के घर में से।"

तब वे कहेंगे, "यह वही है जिसे हमने क्रूस पर चढ़ाया था।"

367 और वह कहेगा जैसे युसूफ ने कहा, "चिंता मत करो, क्योंकि परमेश्वर ने अन्यजातियों के जीवन को बचाने के लिए ऐसा किया है। यह तुम्हारी गलती नहीं थी।" तब उन्होंने कहा कि वे एक परिवार को दूसरे परिवार से अलग कर देंगे, वे ऐसा विलाप करेंगे जैसे इकलौता पुत्र घर से निकाल दिया गया हो।

368 ओह पिता, वह दिन नजदीक है, यही उन सत्तर सप्ताहों का अंत है। यही वो समय है जो निकट है, प्रभु।

369 ओह परमेश्वर, होने पाए परमेश्वर के सच्चे भविष्यद्वक्ताओं की वो आवाज—वो आवाज को आज के आधुनिक महिला के विरोध में चिल्ला उठे, इस आधुनिक कलीसिया के, इस आधुनिक कलीसिया के धर्मज्ञान के विरुद्ध।

370 इन प्रचारकों को हिला दे जो सत्य को कहने से डरते हैं। हे परमेश्वर, इन लोगों को लेकर और उन्हें ऐसे हिलाये जैसे पहले कभी नहीं हिलाया हो, उन्हें अपने आप में लज्जित करें।

371 लेकिन हम इस एक बात को जानते हैं, और हम पूरे विश्वास के साथ विश्राम कर सके, कि, "कोई भी मनुष्य नहीं आएगा जब तक पिता उसे ना खींच लाये। और वे सब जो पिता ने दिया है वे आयेंगे।" वे उतनी ही दूर तक पहुंचेंगे, जहां तक आप पहुंचने का अभिप्राय रखते हैं। लेकिन आपने कहा, "डरो मत, छोटे झुंड, यह तुम्हारे पिता की भली इच्छा है कि तुम्हें

राज्य को दे।" हम जानते हैं कि यह सच है। आपने हमेशा ही हमें चेतावनी दी है कि वहां पर बहुत, बहुत थोड़े ही होंगे जो उस समय आने पर तैयार होंगे। तब वहां एक महान पुनरुत्थान होगा, और वे सारे छुड़ाए हुए जो सारे युगों में से होते हुए छुड़ाए गए थे, वे जी उठेंगे। लेकिन इस अंतिम दिन में, बस अंत समय में, वहां कलीसिया निश्चित रूप से कम संख्या में होगी।

372 इसलिए हम इसे देखते हैं, पिता, हम इस दिन के संदेश को देखते हैं। हम इसे अस्वीकार करते हुए देखते हैं, हम संबंधो को टूटते देखते हैं, हम इन सारी चीजों को देखते हैं।

373 हम पाते हैं कि आपके लोग स्वीकार करते हैं कि वे नहीं... वे "कुछ भी नहीं" हैं। वे बस आपसे भरना चाहते हैं, प्रभु। अब, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप उनके द्वारा संसार को हिला देंगे, बस प्रभु के आगमन से कुछ ही दिन पहले।

374 अब हमारे बीच में बीमारी है, ऐसे लोग हैं जिन्हें शारीरिक चंगाई की आवश्यकता है। हम उन्हें छोड़ नहीं देंगे, प्रभु, क्योंकि यह कहा गया है, "उसके सब उपकारों को मत भूलना: जो तुम्हारे सारे अधर्म को क्षमा करता है; और वह हमारे सारे रोगों को चंगा करता है।" हम प्रार्थना करते हैं कि उसकी महान चंगाई की सामर्थ यहां पर हर एक के ऊपर होगी। यदि आप बिना कोई कदम उठाए एक प्राण को बचा सकते हैं, केवल उसका हृदय आपकी ओर मुड़ा हुआ होता है, तो आप एक शरीर को कितना अधिक चंगा कर सकते हैं!

375 यहाँ पर रूमाल रखे हुए हैं। मैं उन्हें प्रभु यीशु के नाम में आशीषित करता हूं, जैसे महान प्रेरित पौलुस ने किया। होने पाए जो कभी इन रूमालो को पहनता है वह चंगा हो जाए। होने पाए टूटे हुए घरो को फिर से स्थापित करे। होने पाए छोटे बच्चे, बिना पिता के, बिना माता के, और वे अलग हो गए है, होने पाए वो घर फिर से एक हो जाए। इसे प्रदान करें, प्रभु। अब सारे बीमारों को और पीड़ितों को चंगा करो, आपके निमित महिमा को पाये।

376 और, प्रभु, हम जो अपने बर्तनों को ऊपर उठाये रखने का प्रयास कर रहे हैं, हमारी आंखें ऊपर की ओर, हमारे हृदय आपकी ओर ऊपर बनाये रखे हैं, इस बात से इंकार करते हुए कि हम इस संसार में जुड़े भी हुए हैं। बाईबल ने कहा कि "अब्राहम अपने घर से निकल गया, अपने नगर से बाहर निकल गया, कि प्रतिज्ञा किए हुए देश में परदेशी होकर रहे, यह स्वीकार

करते हुए कि वह 'इस संसार का नहीं' था, लेकिन वह 'एक मुसाफिर और एक अजनबी था।'" अब्राहम और इसहाक और याकूब, वे सारे जिनके पास यह गवाही थी कि वे "इस संसार के नहीं हैं," वे मात्र यह घोषणा कर रहे थे कि एक नगर है जिसका बनाने वाला और रचने वाला परमेश्वर है, और वे उस मार्ग पर जा रहे हैं।

377 होने पाये हृदय ठीक अभी परिवर्तन हो जाये, जब मैं प्रार्थना कर रहा हूँ, पिता, और होने पाए उनके बर्ताव बदल दिए जाये। और जब बपतिस्मे की सभाये होती है, होने पाए लोगों के बीच ऐसी एक हलचल हो, होने पाए ऐसे लोग भी हो जिन्होंने इसके बारे में पहले कभी नहीं सोचा था, होने पाए इसे प्रकट किया जाए। और आपने कहा वे सब जिसे आपने बुलाया था, आप—आप भेजेंगे।

378 अब, मैं यह सब आपको समर्पित करता हूं, प्रभु, इस छोटे से टूटे-फूटे हुए संदेश के साथ एक दीन बर्तन में से, इसमें कुछ भी नहीं है, प्रभु। मैं प्रार्थना करता हूं कि आप बस उन वचनों को लें और उन्हें लोगों के हृदय में घोल दें, और होने पाए वे कभी भी इससे दूर ना हो सके। इसे प्रदान करें, प्रभु। इसे अब आपको सौपते हुए, यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

[एक भाई संदेश देता है—सम्पा।]

379 जब आप अपना निर्णय ले रहे होते हैं, तो आप निर्णय ले। "तुम दो मतों के बीच क्यों रुके हो?" आपने सुना कि उसने क्या कहा। यदि परमेश्वर, परमेश्वर है, तो उसकी सेवा करें; यदि संसार परमेश्वर है, तो बस ऐसे ही चलते रहे। देखा? यदि संप्रदाय का मार्ग सही है, तो इसके साथ आगे बढ़ें; लेकिन यदि बाईबल सही है, तो उसके पास आ जाये। देखा? इस घड़ी आप चुनाव को कर ले कि आप किसकी सेवा करेंगे।

380 आइए बस, आत्मा में, अब एक स्तुती गीत को गाये। बाईबल ने कहा, "उन्होंने एक स्तुती गीत गाया और बाहर निकल पड़े।" आइए इस प्रसिद्ध पुराने गीत को गाये, *मैं उससे प्रेम करता हूं*, अपने सिर और हृदय को उसके सामने झुकाए हुए।

मैं उससे प्रेम करता हूं,
अब निर्णय ले कि आप क्या करेंगे।
मैं उससे प्रेम करता हूं

क्योंकि उसने पहले मुझसे प्रेम किया
और मेरे उद्धार को खरीद लिया
कलवरी के पेड़ पर।

381 [भाई ब्रंहम गुनगुनाते हैं, *मैं उससे प्रेम करता हूं*—सम्पा।] क्या आप मसीह के लिए अपने निर्णय को ले सकते हैं? ना ही एक निर्णय, वास्तव में, बस अपने आप को खाली करे, "प्रभु, मैं अच्छा नहीं हूं। मुझ में कुछ भी अच्छाई नहीं है। मैं वह सब भूल जाऊं जो मैंने कभी जाना था। अब आये, प्रभु यीशु, इसे मेरे सिर के ऊपर से ना जाने देना। मैं इसे ग्रहण करूं और आपकी आत्मा से भर जाऊं, प्रभु। आज के दिन से, मैं पूरी तरह से आपका हो जाऊं।" अब बस प्रार्थना करें, परमेश्वर से बस एक छोटी सी प्रार्थना; साधारण सी, इस प्रार्थना को, बालकों, सभी जन।

तू कलवरी के मेमने,
दिव्य उद्धारकर्ता;

बस अपने ह्रदय में पश्चाताप करें।

... जब मैं प्रार्थना करता हूं, मेरी सुन ले,
मेरे सारे पापों को दूर करे,
हे मैं आज के दिन से लेकर
पूरी तरह से तेरा हो जाऊं!

जबकि जीवन की अंधेरी भूल भुलैया में मैं चल रहा हूं,
और मेरे चारों ओर दु:ख फैला हुआ है,
तू मेरा मार्गदर्शक हो;
आज्ञा दे अंधकार दिन में बदल जाए,
दु:ख को मिटाकर, भय को दूर कर,
ना ही मुझे कभी भटकने देना
तुझसे अलग।

382 [भाई ब्रंहम गुनगुनाते हैं, *मेरा विश्वास तेरी ओर देखता है*—सम्पा।] ये जिन्होंने विश्वास किया है, अपने आप को परमेश्वर के सामने खाली कर दिया है, और ठान लिया है कि कोई भी चीज आपको अब और नहीं रोकेगी, आप कभी भी किसी योग्यता को स्वीकार नहीं करें, और आप इसे परमेश्वर के साथ एक स्पष्ट, साफ़ सच्चा रिश्ता बनाना चाहते हैं, उस तालाब में पानी है, जो बपतिस्मे के लिए तैयार हो रहा है। स्त्रियों को मेरे

दाहिनी ओर भेजे, और पुरुषों को मेरी बाईं ओर भेजे। बपतिस्मा की सभा कुछ ही समय में होगी। वे जो खाली हो गए हैं, आप तैयार हैं ना विश्वास करने के लिए कि सेवक क्या कहते हैं, कलीसिया संबंधी मत क्या कहते हैं, संप्रदाय क्या कहते हैं, लेकिन प्रभु के मार्ग को ले लें, **यहोवा यों कहता है** का विश्वास करें, अब आगे आये।

जबकि जीवन की अंधेरी भूल भुलैया में मैं चल रहा हूं,

ये *यहाँ* पर स्त्रियाँ होंगी, यहाँ पर *पुरुष* होंगे। यह आपकी वेदी की पुकार है, "जितनो ने विश्वास किया, आकर और बपतिस्मा लिया।"

... मेरा मार्गदर्शक;
आज्ञा दे अंधकार दिन में बदल जाए,
दु:ख के आंसू पोछ दे,
ना ही मुझे कभी भटकने देना
तुझसे अलग।

383 आज सुबह यहां कितनी महिलाएं है... मैं इसे प्रभु यीशु के नाम में कहता हूं! आप में से कितने लोग अपने छोटे बालों के लिए लज्जित हैं, जो आपने रखे हुए हैं, चाहते हैं कि परमेश्वर उसके अनुग्रह के द्वारा इसे आपके लिए बढ़ने दे? परमेश्वर आपको आशीष दे।

384 कितने पुरुष इस बात से लज्जित होते हैं कि आप अपनी पत्नी को सिगरेट पीने देते हैं, और पतलून पहनते हैं जो वास्तव में आपकी है?

385 और बाईबल ने कहा, "यह परमेश्वर की दृष्टि में घृणित बात है।" क्या आप जानते हैं कि परमेश्वर नहीं बदल सकता? वह नहीं बदल सकता। उसका एक स्वभाव है, वह है पवित्रता। वह नहीं बदल सकता। यदि आप उसके समान नहीं बनते हैं, तो आप उसे नहीं देख पाएंगे, "बिना पवित्रता के कोई भी मनुष्य प्रभु को नहीं देखेगा।" और यदि चिपके हुए कपड़े पहनना... ये परमेश्वर को उसके पेट को ख़राब करने और उल्टी होने को लगाता है, तो वह बीमार होता है, और यह *घृणित* है, "गंदगी है," आप कैसे कभी... आपके अंदर इस तरह की आत्मा है और कभी स्वर्ग को जा पाएंगे? आप छोटे बालों के साथ स्वर्ग कैसे जा पायेंगे, जब परमेश्वर ने कहा, "एक स्त्री के लिए अपने बालों को काटना लज्जा की बात है"? वह एक—एक पत्नी होने के नाते उन्ही सिद्धांतों का इन्कार करती है। परमेश्वर नहीं बदलता। यही उसका वचन है, मित्र, अच्छा होगा कि आप सुने।

386 और आप जो पुरुष है आप पत्नियों को ऐसा करने देंते है, क्या आप अपने आप से लज्जित नहीं होते? क्या आपको लज्जा नहीं आती?

387 देश की प्रधान महिला की तरह मत बनो। परमेश्वर के समान बनो! देखा? संसार के इस आधुनिक चलन से अपने आप को खाली करे, जिससे कि मसीह अपने आप को आप में उंडेल सके और आप वास्तव में पवित्र आत्मा से भर सके।

388 वह ऐसा नहीं कर सकता, वह ऐसा नहीं कर सकता, यह—यह उसके सिद्धांतों के विरुद्ध है; उसे उसके वचन के विरोध में जाना होगा, और वह ऐसा नहीं करेगा; वह इसे तब तक नहीं करेगा जब तक—जब तक आप उसके वचन के अनुसार नही करते हैं। आपको आना होगा... हमें इस पर आना ही है, इससे पहले कि कुछ और किया जा सके। आप यह जानते हैं, आप में से हर एक जन इससे परिचित है। कितने यह विश्वास करते हैं, अपने हाथ उठाये। निश्चय ही, आप इसे विश्वास करते हैं, अब आइए इसके विषय में कुछ करें।

389 परमेश्वर, हम पर दया करें! हमें उसकी कितनी आवश्यकता है! हूं यहां हैं, अब हम सभी एक साथ हैं। अब याद रखें, न्याय पर, यदि मैं... मुझे खड़ा होना होगा (और हो सकता है यह इस रात से पहले हो) और हर एक वचन जो मैंने कहा है उसका सामना करूं। देखो, मुझे इसका सामना करना होगा। अब, याद रखें कि अधर्मता मेरे हाथों से परे है, यह मेरे विवेक से परे है, यह मेरे प्राण से परे है, यह परमेश्वर से परे है।

390 यदि आप नहीं... यदि आप उन परिस्थितियों में खड़े हुए हैं और फिर भी दोषी महसूस नहीं करते हैं (व्यूह!), आप क्या—क्या—क्या करेंगे? तब आप जान जाते हैं कि परमेश्वर आपके साथ व्यवहार नहीं करता है, आप जानते हैं कि आप इससे आगे निकल चुके हैं। देखा? आप इसे पार कर चुके हैं। आप हमेशा ही बहुत धार्मिक हो सकते हैं, आप हो सकता है कलीसिया और आदि–आदि से संबंधित हो, लेकिन आप उससे आगे निकल चुके हैं। परमेश्वर का वचन अंदर जाता है और एक व्यक्ति को बाहर लाता है। यही वो चीज है जो उन्हें वापस लाती है। देखा? तो यही वो वचन है। मैं किसी भी सेवक से, किसी भी व्यक्ति से, कहीं भी, इसे परमेश्वर के वचन के विरोध में ऐसा करने से इन्कार करने के लिए कहता हूँ। यह सही है। यह ऐसा नहीं है, देखो।

391 इसलिए आइये हम एक सच्चे मसीही बने। यहां तक कि हम जो कोशिश करते हैं, वे जो कोशिश करते हैं, हमें कटने और उबलने की आवश्यकता है। जी हां, श्रीमान, हम सबको इसकी आवश्यकता है।

392 परमेश्वर, मुझ पर दया करें। परमेश्वर, मुझे ले और मुझे सांचे में ढाले। इस हफ़्ते के बाद मेरा इरादा परमेश्वर के सामने जाकर यह जानने का है कि आगे क्या करना है। परमेश्वर, मुझे लीजिये। क्या... सब—सब कुछ मेरे विषय में है, और वहां बहुत कुछ है, यह अच्छा नहीं है, परमेश्वर, इसे काट दीजिये, आज सुबह मेरी प्रार्थना है। मेरे हृदय, कान, मेरे अस्तित्व का खतना कीजिये। मुझे बनाये, प्रभु, मुझे कुछ तो ऐसा बनाये... जो कुछ भी वह मुझे बनाना चाहता है। यही मेरी प्रार्थना है।

393 जो कुछ भी मुझे बनने की आवश्यकता है, मुझे काटे, मुझे काट के अलग करे, प्रभु। मुझे वचन में से दिखाये, मुझे बताये, मैं इसे करूंगा। प्रभु इसे कहे, और मैं... मैं ठीक वहां इसके साथ सामना करने के लिए तैयार हूं। जो कुछ भी परमेश्वर का वचन कहता है, मैं वही होना चाहता हूं। मैं परमेश्वर के वचन में एक—एक मसीही बनना चाहता हूं, "हर एक मनुष्य का वचन झूठा ठहरे, और परमेश्वर का वचन सच्चा हो।" क्या यह इस समय का चलन नहीं होगा, क्या ऐसा नहीं होगा? इस तरह से आप इसे विश्वास करते हैं?

394 बपतिस्मे के लिए स्थान को ढूंढ रहे हो, पुत्र? जी हाँ, यहाँ पीछे, भाई, रुको मत। तो ठीक है, ठीक इस ओर जाए।

395 आप में से बहुतों को आना चाहिए, पुरुष और स्त्रियां जो विश्वासी हैं, जो... अपने पापों को अंगीकार करते हैं, यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लेने के लिए। (*इस* तरफ से, भाई।) "यीशु मसीह के नाम में उनके पापों की क्षमा के लिए, और वे पवित्र आत्मा से भर दिए जाएंगे।"

396 अब, आप यहां कैथोलिक लोगों के लिए, यही है जो पाप की क्षमा है। आप कहते हैं कि कलीसिया के पास पापों को क्षमा करने की सामर्थ है, तो कलीसिया ने पापों को कैसे क्षमा किया? परमेश्वर... यीशु ने कलीसिया को बताया, "जिस किसी के पाप तुम क्षमा करो, वे उन के लिये क्षमा किए गए हैं, जिन के तुम रखो, वे रखे गए हैं।" उन्होंने पहले कैसे क्षमा किया, पापो को उस आरंभिक कलीसिया में? उन्होंने उन्हें पश्चाताप के लिए बुलाया, और उन्होंने उन्हें उनके पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम में

बपतिस्मा दिया। ना ही अंगीकार करने के बूथ के नीचे; वास्तव में नहीं। लेकिन उन्होंने परमेश्वर के सामने पश्चाताप किया, अपने ह्रदय में जब वे वहां खड़े हुए थे, और उन्होंने विश्वास किया। "और जितनो ने बपतिस्मा लिया... विश्वास करके यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लिया था, और वे पवित्र आत्मा से भर गए थे।" आमीन। आप उससे प्रेम करते हैं?

अब आइये हम खड़े हो जाये।

397 अब, बहुत से लोग बपतिस्मे की सभा के लिए प्रतीक्षा करना चाहते होंगे। अब और भी आना चाहता है, अब और भी लोग विश्वास करते है? आओ, दोनों ओर; बाईं ओर पुरुष; दाहिनी ओर, स्त्रियां। अपने पूरे ह्रदय से प्रभु यीशु पर विश्वास करें, जो कुछ भी आप में है।

398 अब हम अपने सिरों को एक साथ झुकाये, जबकि हम इस आदर्श प्रार्थना को एक साथ दोहराते हैं, जैसा कि मैं बहुत ही अजीब तरह से अभी ऐसा करने की अगुवाही महसूस कर रहा हूं। जब हम अपने सिरों को झुकाते हैं, तो आप मेरे साथ प्रार्थना करें:

> हमारे पिता तू जो स्वर्ग में है, तेरा नाम पवित्र माना जाए।
> तेरा राज्य आये। तेरी इच्छा जैसे धरती पर पूरी होती है, वैसे ही यह स्वर्ग में पूरी हो जाये।
> आज के दिन हमें हमारी रोज की रोटी दे।
> और हमारे अपराधों के लिए हमें क्षमा कर, जैसे हम उन्हें क्षमा करते हैं जो हमारे विरुद्ध अपराध करते हैं।
> और हमें परीक्षा में ना डाल, लेकिन हमें बुराई से बचा। क्योंकि राज्य और सामर्थ और महिमा युगानुयुग तेरे ही है। आमीन।

399 अब आइए हम हमारे सिरों को झुकाए रखें। और मैं भाई नेविल से कहूंगा कि आकर और आशीष के शब्दों को कहे, वो कहे जो उनके ह्रदय में है, और फिर बपतिस्मे की सभा के बारे में घोषणा करें जो अब तैयारी की जा रही है।

400 परमेश्वर आपको आशीष दे, यह मेरी प्रार्थना है। मैं आपके लिए प्रार्थना करूंगा, आप मेरे लिए प्रार्थना करें। मुझे वास्तव में आपकी प्रार्थनाओं की

आवश्यकता है।

61–1119 सिद्ध निर्बलता के द्वारा सिद्ध सामर्थ
ब्रंहम टेबरनेकल
जेफ्फ़रसनविल, इंडिआना यू.एस.ए

HINDI

©2024 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org